राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 11
अंक : 362
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 13 जूलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

नई दिल्ली से प्रकाशित

मुख्य अपडेट | पेज 3 बिजली की बढ़ी हुई दरें अगर वापस नहीं ली गई तो मुख्यमंत्री आवास के बाहर भाजपा करेगी प्रदर्शन : रामवीर सिंह बिधूड़ी | पेज 5 छेड़छाड़ से दु:खी 8वीं में पढ़ने वाली बच्ची ने फांसी लगाकर दे दी जान, गांव में तनाव | पेज 7 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में स्नेह राणा और तानिया भाटिया की वापसी

शताब्दी समारोह

पटना में बिहार विधान सभा के शताब्दी समारोह के समापन समारोह में प्रधानमंत्री।

तेज बारिश के बाद मुंबई में हाई टाइड , गुजरात में 69 की मौत

नागपुर में नाले में बही कार , महिला समेत तीन लोगों की जान गई

नई दिल्ल। नागपुर में एक स्कॉर्पियो बह गई। इसमें 6 लोग सवार थे। 3 के शव मिले हैं। सभी स्क्कके रहने वाले थे।

देश के 25 राज्यों में लगातार बारिश हो रही है। गुजरात सबसे ज्यादा प्रभावित है। यहां बारिश और बाढ़ से 24 घंटे में 7 लोगों की मौत हो गई। जून महीने से लेकर अब तक गुजरात में 69 लोग जान गंवा चुके हैं। इधर, नागपुर के सावनेर तहसील में एक कार बड़े नाले में बह गई। कार में 6 लोग थे, जिनमें 3 की मौत हो गई। अन्य तीन लोगों की तलाश जारी है।

गुजरात के अहमदाबाद में रविवार रात 219 मिमी बारिश हुई। वहीं सूरत समेत 6 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। राजकोट में अस्पताल में पानी भरने पर मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। इधर, मध्य प्रदेश और राजस्थान में सोमवार को जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग ने एमपी के भोपाल, इंदौर और जबलपुर समेत 33 जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है।

यहां अगले तीन दिनों तक भारी बारिश का अनुमान है। तेज बारिश के बाद मुंबई में हाई टाइड का अलर्ट जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ में भारी बारिश के बाद बाढ़ के चलते राज्य का आंध्र प्रदेश से संपर्क टूट गया है।

गुजरात : सूरत समेत 6 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट

गुजरात में पिछले तीन दिन से बारिश जारी है। रविवार की रात अहमदाबाद में 219 मिमी बारिश हुई, जिससे रिहायशी इलाकों और सड़कों पर पानी भर गया। सोमवार को शहर के स्कूल-कॉलेज बंद रहे। स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट मिनिस्टर राजेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि अब तक 9000 लोगों को री-लोकेट किया गया है। जबकि 468 लोगों का रेस्क्यू किया गया है।

मध्यप्रदेश : 4 संभागों में ऑरेंज अलर्ट, छिंदवाड़ा के सौंसर में 9 इंच बारिश

भोपाल में रविवार रात से लेकर सोमवार दोपहर तक तीन इंच बारिश हुई। यहां 48 घंटे में 9 इंच बारिश हो चुकी है। ऐसा ही हाल इंदौर का है। शहर में रविवार से सोमवार देर रात तक साढ़े तीन इंच बारिश हो चुकी है। सोमवार को सबसे ज्यादा बारिश छिंदवाड़ा के सौंसर में हुई, जहां 9 इंच पानी गिरा। विदिशा में 8 इंच, अलीराजपुर में 7 और पिपरिया में 6 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। तेज और ज्यादा बारिश की वजह से इन शहरों में कई जगह पानी भर गया।

राजस्थान : मानसून की ट्रफ लाइन बीकानेर-सीकर के पास

मौसम विभाग के मुताबिक मानसून की ट्रफ लाइन राज्य के बीकानेर और सीकर से गुजर रही है। इसकी वजह से बने लो प्रेशर एरिया के असर से दक्षिणी राजस्थान और उत्तर-पश्चिमी हिस्से में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

महाराष्ट्र : नासिक में गोदावरी उफान पर, 4 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

पिछले 24 घंटे- मुंबई, नासिक, गढ़चिरौली समेत कई इलाकों में पिछले दो दिनों से तेज बारिश हो रही है। इससे गोदावरी समेत दूसरी नदियां उफान पर हैं। गोदावरी नदी के किनारे के कई मंदिर जलमग्न हो गए हैं। नासिक में तीन लोग लापता हैं।

दिल्ली : 13-14 जुलाई को हल्की बारिश का अनुमान

दिल्ली में सोमवार को कुछ देर तक हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हुई, जिसके बाद उमस और गर्मी से दिल्लीवासियों को बड़ी राहत मिली। यहां 30 जून को दक्षिण-पश्चिम मानसून ने दस्तक दी थी। उस दिन 24 घंटे में 117.2 मिमी बारिश हुई। 6 जुलाई को बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया था, लेकिन बादल बिन बरसे ही चले गए।

नए संसद भवन के अशोक स्तंभ पर विवाद

विपक्ष बोला- राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न में शेर बदले गए, इन्हें आक्रामक और क्रूर दिखाया गया

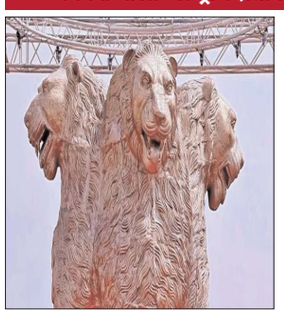

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने 11 जुलाई को नए संसद भवन की छत पर लगे राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ का उद्घाटन किया था। अब विपक्ष ने स्तंभ की संरचना में छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

कई विपक्षी नेताओं का आरोप है कि राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न के चार शेरों की संरचना में फेरबदल कर संविधान का उल्लंघन किया गया है।

विपक्ष का आरोप है कि अशोक स्तंभ के शेरों को क्रूर और आक्रामक बनाया गया है। इसके लिए शेरों के मुख को और खुला दिखाया गया है, जबकि सारनाथ म्यूजियम में रखे मूल स्वरूप वाले अशोक स्तंभ में शेरों का मुंह उतना खुला नहीं है। हालांकि केंद्र सरकार ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।वहीं, इस स्तंभ को बनाने की प्रक्रिया में शामिल सुनील देवरे ने एजेंसी को बताया है कि हमने किसी के कहने पर कोई बदलाव नहीं किया है। यह सारनाथ में मौजूद स्तंभ का ही कॉपी है। सुनील ने स्तंभ के लिए क्ले और थर्मोकोल मॉडल तैयार किया था।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि सारनाथ में अशोक के स्तंभ पर शेरों के चरित्र और प्रकृति को पूरी तरह से बदलना भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का एक बेशर्म अपमान है। वहीं कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि संसद और राष्ट्रीय प्रतीक भारत के लोगों का है, एक व्यक्ति का नहीं।

TMC सांसदों ने कहा- शेर आक्रामक और बेडौल

तृणमूल कांग्रेस के सांसद जवाहर सरकार और महुआ मोइत्रा ने अशोक स्तंभ के शेरों को उचित ढंग से नहीं दिखाने का आरोप लगाया है। सरकार और मोइत्रा का आरोप है कि इस अशोक स्तंभ के शेरों को आक्रामक और बेडौल तरीके से दिखाया गया है।

350 करोड़ की 75 किलो हेरोइन बरामद

पंजाब पुलिस के इनपुट पर मुंद्रा पोर्ट से हुई रिकवरी; पंजाब होनी थी डिलीवरी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने गुजरात पुलिस की मदद से मुंद्रा पोर्ट से 75 किलो हेरोइन रिकवर की है। जिसकी कीमत 350 करोड़ रुपए है। यह हेरोइन मुंद्रा पोर्ट से पंजाब आनी थी। फिर इसे पंजाब से आगे भेजा जाना था। इसका इनपुट पंजाब पुलिस को मिल गया। जिसके बाद तुरंत केंद्रीय एजेंसियों और गुजरात पुलिस से तालमेल कर पूरी कार्रवाई की गई। पंजाब पुलिस अब उस व्यक्ति की तलाश में जुट गई है, जिसके पास यह हेरोइन डिलीवर की जानी थी।

शुरूआती जांच के मुताबिक दुबई के जुवेल अली बंदरगाह से यह कंटेनर आया था। जिसमें हेरोइन होने के बारे में पंजाब पुलिस को इनपुट मिल गया। इसके बाद गुजरात की एटीएस के साथ तालमेल कर वहां चेकिंग की गई। जिसके बाद हेरोइन बरामद हो गई। इसे कपड़े में छुपाकर लाया गया था।

पंजाब से आगे भेजा जाना था : डीजीपी

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गुजरात पुलिस के साथ जॉइंट ऑपरेशन किया गया था। इनपुट पंजाब पुलिस के पास थी। जिसके बाद केंद्रीय एजेंसियों से टाईअप किया गया। जिसके बाद 75 किलो हेरोइन रिकवरी की गई। यह हेरोइन पंजाब में आनी थी और फिर यहां से आगे जानी थी। डीजीपी ने कहा कि आगे जांच को जारी रखा जाएगा।

कार्ति की जमानत अर्जी पर सुनवाई 18 अगस्त तक टली

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कथित चीन वीजा घोटाला मामले में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई 18 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। प्रवर्तन निदेशालय ने वर्ष 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने से संबंधित कथित घोटाले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के पुत्र कार्ति और अन्य के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के प्रावधान के तहत मामला दर्ज किया था।

एनआईए की उदयपुर में छापेमारी, चार को पकड़ा

कन्हैयालाल हत्याकांड में अफवाह फैलाने वाले टारगेट पर

एजेंसी

उदयपुर। उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड की जांच के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम एक बार फिर उदयपुर पहुंची। सोमवार शाम और मंगलवार को एनआईए ने दो जगहों पर दबिश दी। साथ ही कई संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की गई। इनमें उदयपुर अंजुमन के सदर मुजीब सिद्दिकी और सचिव फारुक शामिल हैं। इनके घरों की तलाशी के बाद इन्हें हिरासत में लिया गया। एनआईए टीम ने दो अन्य लोगों को भी पकड़ा है। इनके बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं है।

सिद्दिकी की पत्नी समीना ने बताया कि उन्होंने एनआईए की जांच में पूरा सहयोग किया। टीम का बर्ताव भी उनके साथ अच्छा था। मामले में सदर का भी दावत-ए-इस्लाम से जुड़ाव सामने आया है। उसी के चलते संदिग्ध मानते हुए पूछताछ की गई है।

तीन आरोपियों को पुलिस रिमांड पर भेजा

वहीं, आज जयपुर में हत्याकांड में अब तक गिरफ्तार सभी सात आरोपियों को एनआईए कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने गौस मोहम्मद, रियाज और फरहाद को 16 तक रिमांड पर भेजा है। वहीं, अन्य आरोपियों में आसिफ हुसैन, मोहम्मद मोहसिन, वसीम,मोहसिन खान को ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा है।

धमकी देने वालों की गिरफ्तारी

अब तक जांच में सामने आया है कि उदयपुर में कुल 5 लोगों को धमकियां मिली थी। इनमें एक मृतक कन्हैयालाल भी थे। उदयपुर के आईजी प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि ये सभी धमकियां हत्याकांड से पहले ही दी गई थी। हालांकि, धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किए गए लोगों का रियाज और गौस से सीधा कनेक्शन सामने नहीं आया है।

वहीं, घटना वाले दिन से उदयपुर पुलिस पूरे मामले में उन लोगों को पकड़ने में जुटी है जो या तो सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डाल रहे हैं और किसी को धमकाया है। इसे लेकर अब तक उदयपुर पुलिस ने भी 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिन्होंने धमकी दी थी।

इधर मंगलवार से उदयपुर में कर्फ्यू को घटाकर महज 6 घंटे का कर दिया गया है। शहर में अब ये कर्फ्यू रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक रहेगा।

कोविड-19 : देशभर में 10,715 नए केस मिले

तमिलनाडु में सबसे ज्यादा केस और पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक मौतें

नई दिल्ली। देश में रोजाना कोरोना के नए मामलों में मामूली कमी जारी है। सोमवार को 10,715 नए केस दर्ज किए गए। पिछले दिन की तुलना में 5,533 केस कम मिले। कोरोना से मरने वालों की संख्या 24 घंटों में 25 से घटकर 17 हो गई है।

देश में इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 1,30,456 हो गई है, रविवार को इसका आंकड़ा 1,29,141 था। ठीक होने वालों की संख्या 9,518 दर्ज की गई है।

तमिलनाडु में सबसे ज्यादा केस मिले

देशभर में सबसे ज्यादा मामले और मौतें तमिलनाडु में हुई हैं। पिछले 24 घंटे में यहां 2,448 केस दर्ज किए गए हैं। गनीमत रही कि कोरोना से किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई। राज्य में एक्टिव केस 18,802 हैं। ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 2,465 है और पॉजिटिविटी रेट 8.07त्न दर्ज किया गया है। रविवार को तमिलनाडु में 2,537 मामले आए थे और एक्टिव केस 18,819 थे।

पश्चिम बंगाल में कोरोना से 3 मौतें

पश्चिम बंगाल में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1915 मामले सामने आए हैं और 3 लोगों की मौत हुई है। राज्य में कुल कोरोना संक्रमण के मामले 20.53 लाख से ज्यादा हो गए हैं। कोरोना से रिकवर होकर घर जाने वाले मरीजों की संख्या 967 पाई गई। फिलहाल राज्य में एक्टिव केस 24,209 हैं। यहां पॉजिटिविटी रेट 21.29त्न दर्ज किया गया है। मरने वालों का आंकड़ा 21,246 हो गया है।

महाराष्ट्र में कोरोना केस हुए आधे से कम

पिछले 24 घंटे में महाराष्ट्र में 1,189 नए केस दर्ज किए गए हैं, जबकि एक दिन पहले यहां 2,591 नए केस दर्ज किए गए थे। राज्य में इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 18,027 और पॉजिटिविटी रेट 4.96 प्रतिशत दर्ज किया गया।

चुनाव प्रक्रिया का सख्ती से पालन करना चुनाव आयोग की पहचान है : राजीव कुमार

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारियों (एआरओ) के हाथों संबंधित मतदान केंद्रों पर मतदान सामग्री भेजना शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान 18 जुलाई को कराया जाएगा।

मतदान सामग्री लेने दिल्ली पहुंचे राज्यों के सहायक निर्वाचन अधिकारियों से बात करते हुए, मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि त्रुटि रहित चुनाव कराने के मामले में आयोग की टीमों द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन इस संवैधानिक संस्था की पहचान बन गई है।

आयोग ने मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा, राज्य विधान सभा सचिवालयों को निर्दिष्ट मतपेटियों, मतपत्रों, विशेष पेन और अन्य सीलबंद चुनाव सामग्री का वितरण एवं प्रेषण शुरू कर दिया है। इनमें विधान सभा वाले केंद्र शासित क्षेत्र दिल्ली और पुड्डुचेरी भी शामिल हैं।

मतदान सामग्री को समयबद्ध और सुरक्षित तरीके से राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों को भेजने के लिए राजधानी में भारतीय निर्वाचन आयोग के मुख्यालय निर्वाचन सदन में दो दिन की कार्रवाई की जा रही है। यह काम मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय की देख-रेख में किया जा रहा है।

निर्वाचन आयोग की व्यवस्था के अनुसार संबंधित केंद्रों के सहायक निर्वाचन अधिकारियों (एआरओ) को दिल्ली आ कर मतदान सामग्री लेनी होती है। उनके साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय का एक वरिष्ठ अधिकारी दिल्ली आ सकता है। उनके दिल्ली पहुंचने पर उन्हें चुनाव आयोग, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, दिल्ली पुलिस और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अधिकारियों द्वारा दिल्ली हवाई अड्डे पर बनाए गए विशेष हेल्प डेस्क (सहायता-स्थल) पर भी सहायता प्रदान की जाती है।

उन्हें निर्वाचन सदन में पूर्ण निरीक्षण के बाद उचित सुरक्षा और संरक्षा उपायों के साथ मतपेटियां तथा अन्य आवश्यक चुनाव सामग्री सौंपी जाती हैं।

स्पाइसजेट

नोज व्हील में आई खराबी, दुबई-मदुरै की फ्लाइट देर से रवाना हुई

24 दिन में स्पाइसजेट में तकनीकी खराबी की 9वीं घटना

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पाइसजेट की दुबई-मदुरै फ्लाइट सोमवार को बोइंग बी737 मैक्स प्लेन देर से रवाना हुआ। कारण था प्लने के नोज व्हील में खराबी आना।

पिछले 24 दिनों में स्पाइसजेट के विमान में तकनीकी खराबी आने की यह की यह नौवीं घटना है। 19 जून से शुरू हुआ यह सिलसिला 8 तकनीकी गड़बड़ियों तक पहुंचने के बाद डीजीसीए ने 6 जुलाई को स्पाइसजेट को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

डीजीसीए के अधिकारियों ने बताया कि बोइंग बी737 मैक्स ने मंगलुरु-दुबई उड़ान भरी।

उन्होंने कहा कि प्लेन के एयरपोर्ट पर उतरने के बाद एक इंजीनियर ने निरीक्षण किया और पाया कि नोज व्हील की रॉड सामान्य से ज्यादा कम्प्रेस्ड थी। इसलिए इंजीनियर ने विमान को ग्राउंड पर उतारने का फैसला किया।

अधिकारी बोले- उड़ान में देरी किसी भी एयरलाइन से हो सकती है

इस मामले के बारे में पूछे जाने पर स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि 11 जुलाई को दुबई से मदुरै के लिए

चलने वाली स्पाइसजेट की उड़ान स्त्र23 लास्ट मोमेंट में तकनीकी समस्या के कारण देर से आ सकी। यात्रियों को भारत वापस लाने के लिए वैकल्पिक फ्लाइट की व्यवस्था की गई थी। प्रवक्ता ने कहा- उड़ान में देरी किसी भी एयरलाइन के साथ हो सकती है। यह कोई दुर्घटना या असुरक्षा वाली बात नहीं है।

स्पाइसजेट के साथ अब तक हुई घटनाएं

19 जून को पटना में स्पाइसजेट के विमान के लेफ्ट विंग से टेकऑफ के वक्त चिंगारियां निकलने लगीं थीं। इसके बाद पटना में ही इसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। शुरुआती जांच में बर्ड हिट का मामला सामने आया था। विमान में 185 यात्री सवार थे।

शनिवार (2 जुलाई) को दिल्ली से जबलपुर जा रही स्पाइस जेट की फ्लाइट नंबर स्त्र-2962 की दिल्ली में लैंडिंग कराई गई थी। दिल्ली-जबलपुर फ्लाइट के केबिन में जब धुआं दिखा, तब प्लेन 5 हजार फीट की ऊंचाई पर था। कुछ मिनट में ही एयरक्राफ्ट में धुआं भरने लगा।

दिल्ली-दुबई फ्लाइट की कराची में लैंडिंग करवानी पड़ी।

ऑयल इंडिकेटर में खराबी का पता लगने के बाद इमरजेंसी लैंडिंग हुई। एयरलाइन ने अपने बयान में कहा- स्पाइसजेट B-737 की फ्लाइट नंबर SG-11 दिल्ली से दुबई जा रही थी। यात्रियों को दुबई ले जाने के लिए दूसरी फ्लाइट भेजी गई।

शार्ट न्यूज

हिमाचल प्रदेश में भाजपा को झटका, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष खिमी राम कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आज बड़ा झटका लगा है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष खिमी राम शर्मा मंगलवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। दिल्ली में कांग्रेस का हाथ थामने के बाद राज्य के पूर्व मंत्री और डिप्टी स्पीकर खिमी राम ने कहा कि उन्हें उस पार्टी में शामिल होने पर गर्व है, जिसने देश को आजादी दिलाने में मदद की। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा के प्रति किसी गुस्से के कारण कांग्रेस में शामिल नहीं हो रहा हूं। मैंने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को आगे ले जाने के लिए सोच-समझकर फैसला लिया है। खिमी राम ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि कांग्रेस राज्य में सरकार बनाने में सक्षम होगी क्योंकि बहुत सारे भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और पेंशन योजना से संबंधित कर्मचारियों सहित लंबित कर्मचारी मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि हम इन मुद्दों को राज्य के लोगों के सामने लाएंगे और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने में मदद करेंगे। हिमाचल प्रदेश के एआईसीसी प्रभारी राजीव शुक्ला ने कांग्रेस में उनका स्वागत किया और कहा कि यह राज्य में चल रही हवाओं का संकेत है। इस अवसर पर एआईसीसी सचिव सुधीर शर्मा और तेजिंदर बिट्टू उपस्थित थे।

चंडीगढ़ हमारा था, हमारा है और हमारा रहेगा

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता मलविंदर सिंह कंग ने चंडीगढ़ मुद्दे पर अकाली दल (बादल) और कांग्रेस को घेरते हुए कहा है कि पंजाब और केंद्र की सत्ता में रहते हुए दोनों पार्टियों को चंडीगढ़ की कभी याद नहीं आई। अब ये लोग इस मामले का हल करने के बजाय गंदी राजनीति कर रहे हैं। श्री कंग ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि अकाली-भाजपा और कांग्रेस की सरकारों ने पंजाब के अधिकारों का कभी ख्याल नहीं रखा। अकाली दल (बादल) ने पंजाब पर करीब 20 साल राज किया और 28 साल कांग्रेस ने राज किया। इतने दिनों तक चंडीगढ़ का मामला ठीक था। अब सत्ता से बाहर होते ही इन लोगों को पंजाब और चंडीगढ़ की फिक्र होने लगी है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पंजाब का है और हमेशा रहेगा। चंडीगढ़ शहर पंजाब की राजधानी बनाने के लिए पंजाब की जमीन पर बसाया गया था। पंजाब के गांव को उजाड़ कर चंडीगढ़ बनाया गया था। वह किसी भी कीमत पर चंडीगढ़ पर पंजाब का अधिकार कमजोर नहीं होने देंगे। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे लोग आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर पंजाब का हक कमजोर करने का आरोप लगा रहे हैं, फिर चंडीगढ़ से पंजाब के सरकारी दफ्तरों को बादल और कांग्रेस की सरकारों ने मोहाली में शिफ्ट क्यों किया। बादल सरकार के समय न्यू चंडीगढ़ क्यों बसाया गया। दरअसल, चंडीगढ़ पर पंजाब का अधिकार इन दोनों पार्टियों की सरकारों ने ही कमजोर किया है। उन्होंने बादल परिवार पर आरोप लगाया कि केन्द्र की भाजपा सरकार को खुश करने के लिए बादलों ने चंडीगढ़ के नजदीक की सारी जमीनें खुद खरीदी और उन जमीनों को बेचने के लिए भाव महंगे किये। इन लोगों ने अपने निजी फायदे के लिए चंडीगढ़ पर पंजाब का अधिकार कमजोर किया और लोगों की भावनाओं के साथ खेला।

हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रभावित लोगों को मिलेगा मुफ्त राशन

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह बादल फटने और भारी बारिश से प्रभावित परिवारों को मुफ्त राशन और गैस कनेक्शन मुहैया कराएगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने यूनीवार्ता को बताया कि खाद्य आपूर्ति विभाग प्रभावित परिवारों को मुफ्त चावल, आटा, दाल, रिफाइंड तेल, नमक और गैस सिलेंडर उपलब्ध कराएगा। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग की ओर से आपदा पीड़ितों के लिए मुफ्त राशन प्रदान करने का एक प्रस्ताव रखा गया। इस पर मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने सहमति जताते हुए पीड़ितों को मुफ्त राशन मुहैया कराने का निर्णय लिया। राज्य में मानसून के शुरुआत के बाद से भूस्खलन और बादल फटने के कई मामले सामने आए हैं। राज्य में बार-बार बादल फटने से कुल्लू के मणिकरण, बिलासपुर के कुह-मंझवाड़ और चंबा के तीसा में भारी तबाही हुई है। राज्य आपदा प्रबंधन बोर्ड के उपाध्यक्ष रणधीर शर्मा ने कहा कि आपदा पीड़ितों की मदद के लिए जिला, पुलिस प्रशासन, होमगार्ड और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के जवानों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। श्री शर्मा ने लोगों से नदी, जलाश्यों और नालों के पास नहीं जाने की अपील की है।

भीलवाड़ा में फायरिंग के आरोप में दो आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा शहर में प्रताप नगर थाना इलाके में फायरिंग की घटना के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रतापनगर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि बिहार के मोतीहारी निवासी विक्रम (19) हाल लेबर कॉलोनी ने रिपोर्ट दी कि आरोपियों ने रविवार देर रात उनका दरवाजा खटखटाने पर वह और उसकी मां नीलम ने दरवाजा खोला तो जान से मारने की धमकी दी और उन पर फायर कर दिया जिसमें वे बाल बाल बच गये। पुलिस ने इस मामले के आरोपी आसू एवं रणजीत उर्फ संदीप को सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उनसे पूछताछ कर हथियार बरामदगी और घटना को अंजाम देने के पीछे के कारणों को जानने का प्रयास कर रही है।

अलवर में पुलिस करेगी सभी बैंकों के एटीएम की सुरक्षा ऑडिट

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में एटीएम लूट की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने अब सभी बैंकों की सुरक्षा ऑडिट करने का निर्णय लिया है। भारतीय रिजर्व बैंक के गाइडलाइन का जहां भी उल्लंघन पाया गया उन्हीं बैंक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि आरबीआई की स्पष्ट गाइडलाइन है कि एटीएम में अलार्म सिस्टम होना चाहिए, एक गार्ड होना चाहिए। सीसीटीवी कैमरे होने चाहिए लेकिन ज्यादातर बैंकों में गार्ड नहीं होते और सभी बैंकों के मैनेजरो को निर्देशित है कि नियमित रूप से एटीएम का चेकिंग करें और एटीएम जहां लगाया हुआ है। उनकी फाउंडेशन गहरी होनी चाहिए जिन बैंकों में लॉकर और गोल्ड रखते हैं वहां की सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता होनी चाहिए। वहां हथियारबंद गार्ड रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की गाइडलाइन आरबीआई के तहत होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि अलवर जिले में जितने भी बैंक है उनके सभी का सुरक्षा ऑडिट करने के निर्देश दिए गए हैं। गत दिनों सभी बैंकों के मैनेजर ओं की मीटिंग भी ली। जिसमें आरबीआई की गाइडलाइन की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि जहां भी कोई कमजोरी पाई जाती है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अब घर बैठे मिलेगा वाहन स्मार्ट रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट

चंडीगढ़। नये वाहनों के पंजीकरण को सरल करने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को एक नयी नागरिक सेवा की शुरुआत की, जिसके अंतर्गत राज्य भर में ऑटो-मोबाइल डीलरों को नए वाहनों की ई-रजिस्ट्रेशन की इजाज़त दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा,यह ऐतिहासिक पहल है, जिससे आम आदमी घर बैठे ही स्मार्ट रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्राप्त करने के योग्य होगा। नये वाहन खरीदने के इच्छुक पंजाबियों के लिए यह सुविधा बड़ी राहत होगी। उन्होंने कहा कि जब से आम आदमी पार्टी ने राज्य में सत्ता संभाली है, तब से ही समाज के हरेक वर्ग के कल्याण के लिए कई लोक-हितैषी कदम उठाए गए हैं। श्री मान ने कहा कि नये वाहन बेचने वाले प्राइवेट डीलरों को रजिस्ट्रेशन जारी करने का अधिकार देने का उद्देश्य लोगों को बड़ी राहत देना है, जिससे उनको नए वाहनों की रजिस्ट्रेशन के लिए रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी और सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट के दफ्तरों में लम्बी कतारों में न खड़ा होना पड़े। उन्होंने कहा कि आम आदमी के समय, पैसे और ऊर्जा की बचत करने के अलावा इस कदम से लोगों को साफ़-सुथरा, पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन मुहैया करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्राइवेट डीलर नए वाहन मालिकों के लिए इस सुविधा का प्रयोग खरीदारों के आधार नंबर के द्वारा लॉगइन कर हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि लॉगइन करने के बाद में डीलर नए वाहन का डेटा / दस्तावेज अपलोड करेगा और पड़ताल (वेरीफिकेशन) मालिक के आधार नंबर के साथ की जाएगी।

चीन से ज्यादा है भारत की जनसंख्या

8 साल पहले ही छोड़ दिया था पीछे; यूएस रिसर्चर का दावा

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को जारी अपनी जनसंख्या रिपोर्ट में अनुमान जताया कि भारत 2023 में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। हालांकि यूएन की रिपोर्ट के विपरीत चीन की जनसंख्या पर रिसर्च करने वाले एक प्रमुख शोधकर्ता ने कहा कि दक्षिण एशियाई देश भारत पहले ही चीन को पीछे छोड़ चुका है। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है।

विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता और लेखक यी फुक्सियन ने तर्क दिया है कि भारत की जनसंख्या 8 साल पहले 2014 में ही चीन की आबादी को पार कर गई थी। नाम न छापने की शर्त पर दो अन्य चीनी जनसंख्या विशेषज्ञों ने कहा कि यी का तर्क सही है। यी ने संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट जारी होने के बाद ट्वीट किया, चीन में जन्मदर 1991 में ही घटने लगी थी और 2004 या 2011 में इसमें कोई पीक नहीं आया था। चीन की जनसंख्या अब 1.28 अरब से कम है, नाकि आधिकारिक तौर पर बताई गई 1.41 अरब है। चीन की जनसंख्या 2018 में ही घटने लगी थी न कि 2031 में घटेगी। बता दें कि आधिकारिक तौर पर भविष्यवाणी की गई है कि चीन की जनसंख्या 2031 से घटने लगेगी।

ब्रिटिश अर्थशास्त्री, एंगस मैडिसन का जिक्र करते हुए, यी ने एचटी को बताया : भारत और चीन बारी-बारी से सन 1700 तक दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाले देश थे। लेकिन वर्ष 1820 से लेकर 2013 तक चीन की आबादी भारत की तुलना में लगातार बड़ी थी। 1882 में चीन की जनसंख्या 38.1 करोड़, भारत की 20.9 करोड़ और अमेरिका की 9.98 करोड़ थी। 2014 में, भारत की जनसंख्या फिर से चीन से आगे निकल गई।

यी ने कहा, आधिकारिक तौर पर यह घोषणा की गई है कि 2020 में 1.202 करोड़ बच्चे पैदा हुए थे। मुझे लगता है कि यह एक बढ़ा हुआ आंकड़ा है। 2020 में वास्तविक जन्मों की संख्या केवल 8-10 मिलियन (80 लाख से 1 करोड़) होनी चाहिए। चीन की जनसंख्या 2018 में घटनी शुरू हुई, और चीन की जनसंख्या पहले से ही भारत की तुलना में कम है। 2017 में जारी की गई चीन की वास्तविक आबादी लगभग 1.29 बिलियन हो सकती है। यी ने उस वर्ष बीजिंग के पेकिंग विश्वविद्यालय में एक संगोष्ठी में कहा था कि राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़े की तुलना में यह संख्या 9 करोड़ कम है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में चीन की आबादी 1.426 बिलियन होगी जबकि इसी दौरान भारत की जनसंख्या 1.412 बिलियन तक पहुंच जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में भारत चीन को पछाड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। 2050 तक भारत की आबादी बढ़कर 1.668 अरब हो जाएगी, जबकि चीनियों की संख्या घटकर 1.317 अरब हो जाएगी। यी का तर्क है कि यह पहले ही हो चुका है। उन्होंने कहा, चीन अब दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश नहीं है। भारत की आबादी चीन से अधिक हो गई है। दुनिया भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक परिवर्तनों के दौर से गुजर रही है। हालांकि, आर्थिक दिक्कतों के कारण, भारत की अर्थव्यवस्था को चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकलने में दशकों (30 वर्ष के कम) लगेंगे।

बंगाल के कपल ने बांग्लादेशी बताकर फ्रांस में ले ली शरण, दिल्ली एयरपोर्ट पर धरे गए

नई दिल्ली। फेक डॉक्यूमेंट्स के सहारे फ्रांस में शरण लेने वाले एक भारतीय दंपति को 8 जुलाई को दिल्ली हवाई अड्डे पर पकड़ा गया था। आरोप है कि कपल ने जाली बांग्लादेशी नागरिकता दस्तावेजों के सहारे फ्रांस में शरण ली थी। आरोपी दंपति की पहचान पश्चिम बंगाल के मूल निवासी बिस्वजीत और उनकी पत्नी रिंकू दास के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि यह दंपति रिंकू के पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए फ्रांस से अपनी नाबालिग बेटी के साथ भारत आया था।

पुलिस ने बताया कि उनके पास से भारतीय पासपोर्ट के साथ-साथ फ्रांसीसी ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स भी पाए गए। जब दंपति वापस फ्रांस जाने के लिए इमिग्रेशन काउंटर पर था तब उनकी यह चोरी पकड़ी गई। द इंडियन एक्सप्रेस ने पुलिस के हवाले से लिखा कि दंपति 2018 में कतर में था, जहां उन्होंने कथित तौर पर एक एजेंट से मुलाकात की, जिसने कहा कि वह उन्हें फ्रांस में शरण दिलाने में मदद कर सकता है। पुलिस उपायुक्त तनु शर्मा (इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा) ने बताया, उन्हें इस एजेंट द्वारा बताया गया था कि यदि उनके पास बांग्लादेशी दस्तावेज हैं, तो फ्रांस में शरण प्राप्त करना आसान होगा। उस एजेंट ने दंपति से इसके लिए लगभग 8-9 लाख रुपये लिए थे। वे बाद में फ्रांस में रह रहे थे।

डीसीपी ने कहा, मामला संदिग्ध लग रहा था क्योंकि उन्होंने इससे पहले भारतीय पासपोर्ट का इस्तेमाल करके यात्रा की थी लेकिन इस बार वे फ्रांसीसी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहे थे। बाद में दंपति से मामले के बारे में पूछताछ की गई तो सारी बात सामने आ गई।

पुलिस ने कहा कि जहां फ्रांसीसी दस्तावेजों में उनका सरनेम सरकार था, वहीं भारतीय पासपोर्ट में उनका सरनेम दास था। बिस्वजीत को पुलिस हिरासत में ले लिया गया जबकि रिंकू को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनकी बेटी को परिवार के अन्य सदस्यों को सौंप दिया गया है।

आचार्य बालकृष्ण ने धामी को पतंजलि हरित क्रांति एप के फायदे गिनाए

देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सूचना तकनीक के माध्यम से किसानों को काफी फायदा पहुंचाया जा सकता है। किसान के मोबाइल में उसके खेत और फसल से संबंधित हर जानकारी होनी चाहिए।

श्री धामी ने पतंजलि द्वारा विकसित हरित क्रांति एप को पायलट आधार पर उपयोग किये जाने के निर्देश दिये। सचिवालय स्थित विश्वकर्मा भवन के वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण ने प्रस्तुतिकरण भी दिया।

मुख्यमंत्री ने सचिव कृषि की अध्यक्षता में समिति बनाने के निर्देश दिये। यह समिति इस बात की सम्भावना देखेगी कि पतंजलि द्वारा विशेष तौर पर भू अभिलेखों और खेती से संबंधित जानकारियों के डिजिटलीकरण के लिए किये गये कार्य उत्तराखण्ड के विभिन्न विभागों के लिए किस प्रकार उपयोगी हो सकते हैं। धामी ने कहा कि जनता को सरकारी योजनाओं से तभी फायदा पहुंचाया जा सकता है, जब सारी जरूरी प्रक्रियाएं सरल हों और गैर जरूरी औपचारिकताएं न हों। लोगों की संतुष्टि जरूरी है।

स्पाइसजेट की फ्लाइट 24 दिन में 9वीं बार खराब

एयरलाइन कंपनी की हो रही किरकिरी

नई दिल्ली। दुबई से मदुरै जा रही स्पाइसजेट की एक फ्लाइट बोइंग बी737 मैक्स विमान के पहिये में खराबी आने के बाद देरी सामने आई है। घटना सोमवार की बताई जा रही है। स्पाइसजेट के किसी विमान में 24 दिनों में तकनीकी खराबी की यह नौवीं घटना है। इस घटना के बाद एयरलाइन कंपनी की किरकिरी हो रही है। हालांकि कंपनी की ओर से मामले में सफाई भी सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, बोइंग बी 737 मैक्स विमान ने सोमवार को मंगलुरु-दुबई उड़ान का संचालन किया।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारियों ने पीटीआई को बताया कि विमान के उतरने के बाद, एक इंजीनियर ने निरीक्षण किया और पाया कि आगे का पहिया सामान्य से अधिक संकुचित थी। अधिकारियों ने कहा कि इंजीनियर ने तब विमान को रोकने का फैसला किया और स्पाइसजेट ने दुबई-मदुरै की वापसी उड़ान संचालित करने के लिए मुंबई से दुबई के लिए एक और विमान भेजा। एयरलाइन ने बाद में एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि अंतिम समय में तकनीकी समस्या के कारण उड़ान में देरी हुई। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने पीटीआई को बताया, 11 जुलाई 2022 को दुबई से मदुरै के लिए चलने वाली स्पाइसजेट की उड़ान SG23 अंतिम समय में तकनीकी समस्या के कारण देरी से संचालित हुई। वैकल्पिक विमान की तत्काल व्यवस्था की गई जो यात्रियों को भारत वापस ले आई। किसी भी एयरलाइन के साथ उड़ान में देरी हो सकती है। ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर कोई खतरा हो। बता दें कि DGCA ने स्पाइसजेट को 19 जून से अपने विमान में बार-बार तकनीकी खराबी की घटनाओं के बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया था। बता दें कि इससे पहले 2 जुलाई को जबलपुर जाने वाली स्पाइसजेट की एक फ्लाइट क्रू मेंबर्स के केबिन में लगभग 5,000 फीट की ऊंचाई पर धुआं देखने के बाद दिल्ली लौट आई थी।

राघव चड्ढा को पंजाब सरकार का सलाहकार बनाने पर रार, हाई कोर्ट में दी गई चुनौती

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को राज्य की अंतरम सलाहकार समिति का अध्यक्ष नियुक्ति किया गया है। हालांकि भगवंत मान सरकार के इस फैसले पर रार छिड़ गई है। मंगलवार को इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में एक पीआईएल फाइल की गई। इस नियुक्ति को चुनौती देने की 20 वजहें बताते हुए वकील जगमोहन सिंह भट्टी ने कोर्ट में फाइल याचिका में कहा कि यह राज्य और केंद्र दोनों के कानूनों का उल्लंघन है।

भट्टी ने कहा कि चड्ढा को पंजाब से राज्य सभा भेजना भी असंवैधानिक था क्योंकि वह राज्य की विधानसभा के सदस्य नहीं थे। उन्होंने कहा कि इस तरह ऐड हॉक बेसिस पर बहुत सारे लोग सलाह देने वाले हो सकते हैं। पंजाब सरकार के मामलों में दखल बढ़ सकती है। सरकार के अंदर एक और समानांतर सरकार नहीं चल सकती।

उन्होंने कहा, इसका मतलब यह हुआ कि मुख्यमंत्री केवल देखने के लिए हैं और वह अस्थायी हैं। उन्हें जनहित के लिए भी किसी और की सलाह की जरूरत है जो कि विधानसभा का सदस्य भी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार में जो मंत्री हैं सबको शपथ लेनी पड़ती है लेकिन चड्ढा ने कोई शपथ भी नहीं ली है।

बता दें कि विपक्षी दल भी आम आदमी पार्टी सरकार के इस फैसले को लेकर उसे घेर रहे हैं और नियुक्ति का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि राघव चड्ढा को सुपर सीएम बना दिया गया है। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सुपर सीएम, राघव चड्ढा वर्किंग सीएम हैं और भगवंत मान सिर्फ शोपीस सीएम हैं। वहीं भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि यह पंजाब के इतिहास में काला दिन है।

उन्होंने कहा कि भगवंत मान ने राज्य चलाने की सारी शक्तियां एक असंवैधानिक प्राधिकरण को दे दी हैं।

चीनी नागरिक लियू यी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

भुवनेश्वर। ओड़िशा में आव्रजन कार्यालय ने भारत में अवैध रिण एप चलाने वाले चीन के नागरिक लियू यी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। यह नोटिस भुवनेश्वर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के आग्रह पर जारी किया गया है। इस मामले में लियू यू के खिलाफ मुख्य आरोपी के तौर पर इस साल जनवरी में मामला दर्ज किया गया था। यह चीनी नागरिक भारत में कई अवैध डिजिटल रिण ऐप चलाता था जैसे -कोको लोन, जोजो लोन, गोल्डन लाइटनिंग लोन तथा कुछ अन्य। ईओडब्ल्यू को संदेह था कि इन ऐप्स के माध्यम से देश भर में लाखों लोगों विशेष कर निम्न मध्यम वर्ग के लोग ठगे गये जिन्हें कोरोना के समय में पैसों की आवश्यकता थी।

दो दिवसीय चंपावत दौरे पर धामी करेंगे विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास

एजेंसी

चंपावत/नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को अपनी विधानसभा चंपावत पहुंचेंगे। यहां वह विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे।

चंपावत के जिलाधिकारी नरेन्द्र सिंह भंडारी ने कहा कि मुख्यमंत्री बुधवार को देहरादून से सीधे चंपावत पहुंचेंगे और यहां विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे। सबसे पहले वह चंपावत के राजकीय गर्ल्स इंटर कॉलेज में विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। साथ ही यहां एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री पार्टी कार्यालय में विभिन्न स्तर के पदाधिकारियों से मिलेंगे और उनके साथ बैठक करेंगे। शाम को मुख्यमंत्री कलक्ट्रेट में जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करेंगे।

अगले दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री चंपावत के मुडयानी में मां पूर्णागिरी कालेज ऑफ एजुकेशन के कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। इसके पश्चात् धूरा मंडल में स्थित भाजपा कार्यालय में बूथ अध्यक्षों से मिलेंगे और वार्ता करेंगे। अंत में वह टनकपुर पहुंचेंगे और यहां टनकपुर स्टेडियम में बनबसा और टनकपुर के पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों तथा बूथ अध्यक्षों से मिल कर स्थानीय स्थलों का भ्रमण करेंगे। शाम को वह गृहनगर खटीमा के लिये रवाना होंगे।

कर्नाटक के गृह मंत्री ज्ञानेंद्र ने केंद्रीय जेल का किया दौरा

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने मंगलवार को परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल का दौरा किया और वहां की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कहा कि जेलों से होने वाले किसी भी तरह की गैर कानूनी गतिविधियों

को बर्दास्त नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्री ज्ञानेन्द्र ने दौरे के दौरान जेल के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों से विचार-विमर्श किया और कैदियों की समस्याओं, रक्षा प्रणाली, चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी ली और समस्याओं के समाधान के लिए उचित निर्देश दिए।

हाल ही में गृह मंत्री ने शिमोगा हिंदू कार्यकर्ता हर्ष की हत्या के आरोपी द्वारा जेल में मोबाइल फोन के इस्तेमाल के बारे में संवाददताओं के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में अवैध गतिविधियों पर मुरुगन कमेटी की सिफारिशों को लागू करते हुए कई अधिकारियों का जेल से तबादला कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारियों की सेवाएं निलंबित करने की भी सिफारिश की गई है।

श्री ज्ञानेन्द्र कहा कि केंद्रीय जेलों में उन्नत तकनीक के मोबाइल जैमर लगाने का निर्णय लिया गया है और 5जी क्षमता तक के मोबाइल कॉल को निष्क्रिय करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

अशोक गहलोत होंगे गुजरात चुनाव के पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। कांग्रेस ने इस साल के अंत में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए अशोक गहलोत को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल को हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ पर्यवेक्षक के तौर पर जिम्मा दिया गया है। इसके अलावा संतुलन साधते हुए राजस्थान के सीनियर लीडर सचिन पायलट को हिमाचल प्रदेश का पर्यवेक्षक बनाया है। वह भूपेश बघेल के साथ मिलकर पड़ोसी राज्य में पार्टी की चुनावी तैयारियों का जायजा लेंगे। उनके अलावा छत्तीसगढ़ के नेता टीएस सिंह देव और मिलिंद देवड़ा को भी गुजरात में बतौर पर्यवेक्षक भेजने का फैसला लिया गया है। पंजाब के सीनियर लीडर प्रताप सिंह बाजवा को भी हिमाचल प्रदेश चुनाव के लिए सचिन पायलट के साथ पर्यवेक्षक

नियुक्त किया गया है। पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से बयान जारी कर यह जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अशोक गहलोत को गुजरात में वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसके अलावा भूपेश बघेल को हिमाचल प्रदेश में चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाया है। हिमाचल प्रदेश और गुजरात में इसी साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। दोनों ही राज्यों से पार्टी सत्ता से बाहर है। ऐसे में अशोक गहलोत और बघेल दोनों पर ही अहम जिम्मेदारी होगी।

हार्दिक के एग्जिट से गुजरात में कांग्रेस को झटका

गुजरात से तो पार्टी बीते दो दशकों से सत्ता से बाहर है और हार्दिक पटेल जैसे नेताओं के छोड़ जाने के बाद एक बार फिर से वह संकट में दिख रही है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में वह पहली बार वीरभद्र सिंह की गैर-मौजूदगी में चुनाव में उतरेगी। उनकी पत्नी प्रतिभा सिंह को पार्टी ने अहम जिम्मा दिया है। यहां पार्टी गुटबाजी में भी बंटी दिख रही है और आम आदमी पार्टी के आक्रामक प्रचार ने भी उसकी चिंताओं में इजाफा कर दिया है।

5 राज्यों में हार के झटके से उबरने का करेगी प्रयास

ऐसे में यह देखना होगा कि कांग्रेस कैसे एक बार फिर से पहाड़ी राज्य की सत्ता में वापसी के लिए चुनाव में उतरती है। इसी साल मार्च में यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा समेत 5 राज्यों के चुनाव में कांग्रेस को करारी हार झेलनी पड़ी थी। उसके बाद ये पहले विधानसभा चुनाव होंगे।

कृषि मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के बीच हुआ एमओयू

नयी दिल्ली। कृषि मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) ने दक्षिण एशियाई क्षेत्र में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए, आईआरआरआई-दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय केंद्र (आईसार्क) के द्वितीय चरण की गतिविधियां प्रारंभ करने के लिए मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। कृषि मंत्रालय की ओर से सचिव मनोज अहूजा तथा आईआरआरआई की ओर से महानिदेशक डॉ. जीन बेली, ने इस एमओयू पर कृषि भवन, नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर श्री अहूजा ने आईआरआरआई, विशेष रूप से आईसार्क की प्रसंशा करते हुए कहा कि विगत पांच वर्षो से कृषि क्षेत्र से संबंधित मुद्दों के समाधान में आईसार्क भारत सरकार का सहयोगी रहा है। यह समझौता हमारे देश और अन्य दक्षिण एशियाई क्षेत्र में कृषि एवं खाद्य क्षेत्र में सुधार के लिए मिलकर काम करने के नए तरीकों को अपनाने की प्रतिबद्धता है।

संयुक्त सचिव अश्वनी कुमार ने कहा कि हम कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए और भी अधिक सहयोग की आशा करते हैं। आईआरआरआई के महानिदेशक श्री बेली ने सरकार के साथ नए सिरे से इस साझेदारी का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार चावल-आधारित कृषि एवं खाद्य क्षेत्र की दक्षता, स्थिरता और समानता में सुधार करने में हमारी मुख्य रणनीतिक सहयोगी रही है।

खाद्य असुरक्षा, कुपोषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना और बेहतर समाधान प्रदान करने के लिए डॉ. बेली ने समेकित प्रयासों और प्रतिबद्धताओं की आवश्यकता पर बल दिया। आईसार्क निदेशक डॉ. सुधांशु सिंह ने आभार जताया। द्वितीय चरण की गतिविधियां भारत और आईआरआरआई के बीच लंबे समय तक सहयोग करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने वाराणसी के राष्ट्रीय बीज अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र परिसर में आईसार्क स्थापना को 2017 में मंजूरी दी थी। पांच वर्षों से केंद्र ने क्षेत्र में खाद्य उत्पादन को बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाई है।

निकाय चुनाव में भाजपा को मिलेगा समर्थन: विष्णुदत्त

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि ग्रामीण और नगर निकाय के चुनाव लोकतंत्र के सशक्तीकरण के आधार हैं। पंचायत चुनावों में पार्टी के समर्थित उम्मीदवारों को जनता का आशीर्वाद प्रचंड बहुमत के रूप में मिला है। श्री शर्मा आज मीडिया से चर्चा करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव के पहले और दूसरे चरण में भी पार्टी प्रत्याशियों को जनता का समर्थन मिलेगा। पार्टी को मिलने वाली जीत का आधार हैं हमारे कार्यकर्ताओं तथा संगठन की मेहनत, पार्टी नेतृत्व के प्रति प्रदेश की जनता का विश्वास और भाजपा सरकार द्वारा किए जा रह

शार्ट न्यूज

हिमाचल प्रदेश में भाजपा को झटका, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष खिमी राम कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आज बड़ा झटका लगा है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष खिमी राम शर्मा मंगलवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। दिल्ली में कांग्रेस का हाथ थामने के बाद राज्य के पूर्व मंत्री और डिप्टी स्पीकर खिमी राम ने कहा कि उन्हें उस पार्टी में शामिल होने पर गर्व है, जिसने देश को आजादी दिलाने में मदद की। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा के प्रति किसी गुस्से के कारण कांग्रेस में शामिल नहीं हो रहा हूं। मैंने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को आगे ले जाने के लिए सोच-समझकर फैसला लिया है। खिमी राम ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि कांग्रेस राज्य में सरकार बनाने में सक्षम होगी क्योंकि बहुत सारे भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और पेंशन योजना से संबंधित कर्मचारियों सहित लंबित कर्मचारी मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि हम इन मुद्दों को राज्य के लोगों के सामने लाएंगे और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने में मदद करेंगे। हिमाचल प्रदेश के एआईसीसी प्रभारी राजीव शुक्ला ने कांग्रेस में उनका स्वागत किया और कहा कि यह राज्य में चल रही हवाओं का संकेत है। इस अवसर पर एआईसीसी सचिव सुधीर शर्मा और तेजिंदर बिट्टू उपस्थित थे।

चंडीगढ़ हमारा था, हमारा है और हमारा रहेगा

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता मलविंदर सिंह कंग ने चंडीगढ़ मुद्दे पर अकाली दल (बादल) और कांग्रेस को घेरते हुए कहा है कि पंजाब और केंद्र की सत्ता में रहते हुए दोनों पार्टियों को चंडीगढ़ की कभी याद नहीं आई। अब ये लोग इस मामले का हल करने के बजाय गंदी राजनीति कर रहे हैं। श्री कंग ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि अकाली-भाजपा और कांग्रेस की सरकारों ने पंजाब के अधिकारों का कभी ख्याल नहीं रखा। अकाली दल (बादल) ने पंजाब पर करीब 20 साल राज किया और 28 साल कांग्रेस ने राज किया। इतने दिनों तक चंडीगढ़ का मामला ठीक था। अब सत्ता से बाहर होते ही इन लोगों को पंजाब और चंडीगढ़ की फिक्र होने लगी है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पंजाब का है और हमेशा रहेगा। चंडीगढ़ शहर पंजाब की राजधानी बनाने के लिए पंजाब की जमीन पर बसाया गया था। पंजाब के गांव को उजाड़ कर चंडीगढ़ बनाया गया था। वह किसी भी कीमत पर चंडीगढ़ पर पंजाब का अधिकार कमजोर नहीं होने देंगे। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे लोग आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर पंजाब का हक कमजोर करने का आरोप लगा रहे हैं, फिर चंडीगढ़ से पंजाब के सरकारी दफ्तरों को बादल और कांग्रेस की सरकारों ने मोहाली में शिफ्ट क्यों किया। बादल सरकार के समय न्यू चंडीगढ़ क्यों बसाया गया। दरअसल, चंडीगढ़ पर पंजाब का अधिकार इन दोनों पार्टियों की सरकारों ने ही कमजोर किया है। उन्होंने बादल परिवार पर आरोप लगाया कि केन्द्र की भाजपा सरकार को खुश करने के लिए बादलों ने चंडीगढ़ के नजदीक की सारी जमीनें खुद खरीदी और उन जमीनों को बेचने के लिए भाव महंगे किये। इन लोगों ने अपने निजी फायदे के लिए चंडीगढ़ पर पंजाब का अधिकार कमजोर किया और लोगों की भावनाओं के साथ खेला।

हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रभावित लोगों को मिलेगा मुफ्त राशन

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह बादल फटने और भारी बारिश से प्रभावित परिवारों को मुफ्त राशन और गैस कनेक्शन मुहैया कराएगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने यूनीवार्ता को बताया कि खाद्य आपूर्ति विभाग प्रभावित परिवारों को मुफ्त चावल, आटा, दाल, रिफाइंड तेल, नमक और गैस सिलेंडर उपलब्ध कराएगा। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग की ओर से आपदा पीड़ितों के लिए मुफ्त राशन प्रदान करने का एक प्रस्ताव रखा गया। इस पर मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने सहमति जताते हुए पीड़ितों को मुफ्त राशन मुहैया कराने का निर्णय लिया। राज्य में मानसून के शुरुआत के बाद से भूस्खलन और बादल फटने के कई मामले सामने आए हैं। राज्य में बार-बार बादल फटने से कुल्लू के मणिकरण, बिलासपुर के कुह-मंझवाड़ और चंबा के तीसा में भारी तबाही हुई है। राज्य आपदा प्रबंधन बोर्ड के उपाध्यक्ष रणधीर शर्मा ने कहा कि आपदा पीड़ितों की मदद के लिए जिला, पुलिस प्रशासन, होमगार्ड और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के जवानों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। श्री शर्मा ने लोगों से नदी, जलाश्यों और नालों के पास नहीं जाने की अपील की है।

भीलवाड़ा में फायरिंग के आरोप में दो आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा शहर में प्रताप नगर थाना इलाके में फायरिंग की घटना के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रतापनगर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि बिहार के मोतीहारी निवासी विक्रम (19) हाल लेबर कॉलोनी ने रिपोर्ट दी कि आरोपियों ने रविवार देर रात उनका दरवाजा खटखटाने पर वह और उसकी मां नीलम ने दरवाजा खोला तो जान से मारने की धमकी दी और उन पर फायर कर दिया जिसमें वे बाल बाल बच गये। पुलिस ने इस मामले के आरोपी आसू एवं रणजीत उर्फ संदीप को सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उनसे पूछताछ कर हथियार बरामदगी और घटना को अंजाम देने के पीछे के कारणों को जानने का प्रयास कर रही है।

अलवर में पुलिस करेगी सभी बैंकों के एटीएम की सुरक्षा ऑडिट

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में एटीएम लूट की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने अब सभी बैंकों की सुरक्षा ऑडिट करने का निर्णय लिया है। भारतीय रिजर्व बैंक के गाइडलाइन का जहां भी उल्लंघन पाया गया उन्हीं बैंक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि आरबीआई की स्पष्ट गाइडलाइन है कि एटीएम में अलार्म सिस्टम होना चाहिए, एक गार्ड होना चाहिए। सीसीटीवी कैमरे होने चाहिए लेकिन ज्यादातर बैंकों में गार्ड नहीं होते और सभी बैंकों के मैनेजरो को निर्देशित है कि नियमित रूप से एटीएम का चेकिंग करें और एटीएम जहां लगाया हुआ है। उनकी फाउंडेशन गहरी होनी चाहिए जिन बैंकों में लॉकर और गोल्ड रखते हैं वहां की सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता होनी चाहिए। वहां हथियारबंद गार्ड रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की गाइडलाइन आरबीआई के तहत होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि अलवर जिले में जितने भी बैंक है उनके सभी का सुरक्षा ऑडिट करने के निर्देश दिए गए हैं। गत दिनों सभी बैंकों के मैनेजर ओं की मीटिंग भी ली। जिसमें आरबीआई की गाइडलाइन की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि जहां भी कोई कमजोरी पाई जाती है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अब घर बैठे मिलेगा वाहन स्मार्ट रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट

चंडीगढ़। नये वाहनों के पंजीकरण को सरल करने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को एक नयी नागरिक सेवा की शुरुआत की, जिसके अंतर्गत राज्य भर में ऑटो-मोबाइल डीलरों को नए वाहनों की ई-रजिस्ट्रेशन की इजाज़त दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा,यह ऐतिहासिक पहल है, जिससे आम आदमी घर बैठे ही स्मार्ट रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्राप्त करने के योग्य होगा। नये वाहन खरीदने के इच्छुक पंजाबियों के लिए यह सुविधा बड़ी राहत होगी। उन्होंने कहा कि जब से आम आदमी पार्टी ने राज्य में सत्ता संभाली है, तब से ही समाज के हरेक वर्ग के कल्याण के लिए कई लोक-हितैषी कदम उठाए गए हैं। श्री मान ने कहा कि नये वाहन बेचने वाले प्राइवेट डीलरों को रजिस्ट्रेशन जारी करने का अधिकार देने का उद्देश्य लोगों को बड़ी राहत देना है, जिससे उनको नए वाहनों की रजिस्ट्रेशन के लिए रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी और सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट के दफ्तरों में लम्बी कतारों में न खड़ा होना पड़े। उन्होंने कहा कि आम आदमी के समय, पैसे और ऊर्जा की बचत करने के अलावा इस कदम से लोगों को साफ़-सुथरा, पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन मुहैया करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्राइवेट डीलर नए वाहन मालिकों के लिए इस सुविधा का प्रयोग खरीदारों के आधार नंबर के द्वारा लॉगइन कर हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि लॉगइन करने के बाद में डीलर नए वाहन का डेटा / दस्तावेज अपलोड करेगा और पड़ताल (वेरीफिकेशन) मालिक के आधार नंबर के साथ की जाएगी।

चीन से ज्यादा है भारत की जनसंख्या

8 साल पहले ही छोड़ दिया था पीछे; यूएस रिसर्चर का दावा

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को जारी अपनी जनसंख्या रिपोर्ट में अनुमान जताया कि भारत 2023 में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। हालांकि यूएन की रिपोर्ट के विपरीत चीन की जनसंख्या पर रिसर्च करने वाले एक प्रमुख शोधकर्ता ने कहा कि दक्षिण एशियाई देश भारत पहले ही चीन को पीछे छोड़ चुका है। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है।

विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता और लेखक यी फुक्सियन ने तर्क दिया है कि भारत की जनसंख्या 8 साल पहले 2014 में ही चीन की आबादी को पार कर गई थी। नाम न छापने की शर्त पर दो अन्य चीनी जनसंख्या विशेषज्ञों ने कहा कि यी का तर्क सही है। यी ने संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट जारी होने के बाद ट्वीट किया, चीन में जन्मदर 1991 में ही घटने लगी थी और 2004 या 2011 में इसमें कोई पीक नहीं आया था। चीन की जनसंख्या अब 1.28 अरब से कम है, नाकि आधिकारिक तौर पर बताई गई 1.41 अरब है। चीन की जनसंख्या 2018 में ही घटने लगी थी न कि 2031 में घटेगी। बता दें कि आधिकारिक तौर पर भविष्यवाणी की गई है कि चीन की जनसंख्या 2031 से घटने लगेगी।

ब्रिटिश अर्थशास्त्री, एंगस मैडिसन का जिक्र करते हुए, यी ने एचटी को बताया : भारत और चीन बारी-बारी से सन 1700 तक दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाले देश थे। लेकिन वर्ष 1820 से लेकर 2013 तक चीन की आबादी भारत की तुलना में लगातार बड़ी थी। 1882 में चीन की जनसंख्या 38.1 करोड़, भारत की 20.9 करोड़ और अमेरिका की 9.98 करोड़ थी। 2014 में, भारत की जनसंख्या फिर से चीन से आगे निकल गई।

यी ने कहा, आधिकारिक तौर पर यह घोषणा की गई है कि 2020 में 1.202 करोड़ बच्चे पैदा हुए थे। मुझे लगता है कि यह एक बढ़ा हुआ आंकड़ा है। 2020 में वास्तविक जन्मों की संख्या केवल 8-10 मिलियन (80 लाख से 1 करोड़) होनी चाहिए। चीन की जनसंख्या 2018 में घटनी शुरू हुई, और चीन की जनसंख्या पहले से ही भारत की तुलना में कम है। 2017 में जारी की गई चीन की वास्तविक आबादी लगभग 1.29 बिलियन हो सकती है। यी ने उस वर्ष बीजिंग के पेकिंग विश्वविद्यालय में एक संगोष्ठी में कहा था कि राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़े की तुलना में यह संख्या 9 करोड़ कम है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में चीन की आबादी 1.426 बिलियन होगी जबकि इसी दौरान भारत की जनसंख्या 1.412 बिलियन तक पहुंच जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में भारत चीन को पछाड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। 2050 तक भारत की आबादी बढ़कर 1.668 अरब हो जाएगी, जबकि चीनियों की संख्या घटकर 1.317 अरब हो जाएगी। यी का तर्क है कि यह पहले ही हो चुका है। उन्होंने कहा, चीन अब दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश नहीं है। भारत की आबादी चीन से अधिक हो गई है। दुनिया भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक परिवर्तनों के दौर से गुजर रही है। हालांकि, आर्थिक दिक्कतों के कारण, भारत की अर्थव्यवस्था को चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकलने में दशकों (30 वर्ष के कम) लगेंगे।

बंगाल के कपल ने बांग्लादेशी बताकर फ्रांस में ले ली शरण, दिल्ली एयरपोर्ट पर धरे गए

नई दिल्ली। फेक डॉक्यूमेंट्स के सहारे फ्रांस में शरण लेने वाले एक भारतीय दंपति को 8 जुलाई को दिल्ली हवाई अड्डे पर पकड़ा गया था। आरोप है कि कपल ने जाली बांग्लादेशी नागरिकता दस्तावेजों के सहारे फ्रांस में शरण ली थी। आरोपी दंपति की पहचान पश्चिम बंगाल के मूल निवासी बिस्वजीत और उनकी पत्नी रिंकू दास के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि यह दंपति रिंकू के पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए फ्रांस से अपनी नाबालिग बेटी के साथ भारत आया था।

पुलिस ने बताया कि उनके पास से भारतीय पासपोर्ट के साथ-साथ फ्रांसीसी ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स भी पाए गए। जब दंपति वापस फ्रांस जाने के लिए इमिग्रेशन काउंटर पर था तब उनकी यह चोरी पकड़ी गई। द इंडियन एक्सप्रेस ने पुलिस के हवाले से लिखा कि दंपति 2018 में कतर में था, जहां उन्होंने कथित तौर पर एक एजेंट से मुलाकात की, जिसने कहा कि वह उन्हें फ्रांस में शरण दिलाने में मदद कर सकता है। पुलिस उपायुक्त तनु शर्मा (इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा) ने बताया, उन्हें इस एजेंट द्वारा बताया गया था कि यदि उनके पास बांग्लादेशी दस्तावेज हैं, तो फ्रांस में शरण प्राप्त करना आसान होगा। उस एजेंट ने दंपति से इसके लिए लगभग 8-9 लाख रुपये लिए थे। वे बाद में फ्रांस में रह रहे थे।

डीसीपी ने कहा, मामला संदिग्ध लग रहा था क्योंकि उन्होंने इससे पहले भारतीय पासपोर्ट का इस्तेमाल करके यात्रा की थी लेकिन इस बार वे फ्रांसीसी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहे थे। बाद में दंपति से मामले के बारे में पूछताछ की गई तो सारी बात सामने आ गई।

पुलिस ने कहा कि जहां फ्रांसीसी दस्तावेजों में उनका सरनेम सरकार था, वहीं भारतीय पासपोर्ट में उनका सरनेम दास था। बिस्वजीत को पुलिस हिरासत में ले लिया गया जबकि रिंकू को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनकी बेटी को परिवार के अन्य सदस्यों को सौंप दिया गया है।

आचार्य बालकृष्ण ने धामी को पतंजलि हरित क्रांति एप के फायदे गिनाए

देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सूचना तकनीक के माध्यम से किसानों को काफी फायदा पहुंचाया जा सकता है। किसान के मोबाइल में उसके खेत और फसल से संबंधित हर जानकारी होनी चाहिए।

श्री धामी ने पतंजलि द्वारा विकसित हरित क्रांति एप को पायलट आधार पर उपयोग किये जाने के निर्देश दिये। सचिवालय स्थित विश्वकर्मा भवन के वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण ने प्रस्तुतिकरण भी दिया।

मुख्यमंत्री ने सचिव कृषि की अध्यक्षता में समिति बनाने के निर्देश दिये। यह समिति इस बात की सम्भावना देखेगी कि पतंजलि द्वारा विशेष तौर पर भू अभिलेखों और खेती से संबंधित जानकारियों के डिजिटलीकरण के लिए किये गये कार्य उत्तराखण्ड के विभिन्न विभागों के लिए किस प्रकार उपयोगी हो सकते हैं। धामी ने कहा कि जनता को सरकारी योजनाओं से तभी फायदा पहुंचाया जा सकता है, जब सारी जरूरी प्रक्रियाएं सरल हों और गैर जरूरी औपचारिकताएं न हों। लोगों की संतुष्टि जरूरी है।

उपकरण विनिर्माण उद्योग के लिए बने अलग संगठन : गडकरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माण उद्योग के लिए अलग संगठन बनाने की ज़रूरत पर बल दिया और कहा कि इसके उपयोग से भविष्य की तकनीक की दिशा में सफलतापूर्वक काम करने की ज़रूरत है।

श्री गडकरी ने भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माता संघ-आईसीईएमए के वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि मंत्रालय संगठन को बनाने में सहायता करेगा। यह संगठन भविष्य की प्रौद्योगिकी के विकास के लिए गुणात्मक तथा महत्वपूर्ण साबित होगा।

उन्होंने बाज़ार लागत, बचत और प्रदूषण में कमी लाने के लिए वैकल्पिक ईंधन के रूप में बायो एलएनजी, बायो सीएनजी और हाइड्रोजन के महत्व पर बल दिया और कहा कि यह नवाचार तथा इलेक्ट्रिक वाहनों का समय है और बिजली से चलने वाली जेसीबी का निर्माण शुरू किया जाना चाहिए। उन्होंने दीर्घकालिक योजना के लिए कुशल जनशक्ति, उपयुक्त प्रशिक्षण और सड़क सुरक्षा पर भी बल दिया और कहा कि यह उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है एवं आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना साकार कर रहा है।

उपकरणों के अनुसंधान और विकास को ज़रूरी बताते हुए उन्होंने कहा कि नवाचार, उद्यमिता, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान कौशल और अभ्यास से आर्थिक व्यवहार्यता के बिना कोई भी प्रौद्योगिकी उपयोगी नहीं है इसलिए निर्माताओं को ईंधन दक्षता पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

राघव चड्ढा को पंजाब सरकार का सलाहकार बनाने पर रार, हाई कोर्ट में दी गई चुनौती

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को राज्य की अंतरम सलाहकार समिति का अध्यक्ष नियुक्ति किया गया है। हालांकि भगवंत मान सरकार के इस फैसले पर रार छिड़ गई है। मंगलवार को इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में एक पीआईएल फाइल की गई। इस नियुक्ति को चुनौती देने की 20 वजहें बताते हुए वकील जगमोहन सिंह भट्टी ने कोर्ट में फाइल याचिका में कहा कि यह राज्य और केंद्र दोनों के कानूनों का उल्लंघन है।

भट्टी ने कहा कि चड्ढा को पंजाब से राज्य सभा भेजना भी असंवैधानिक था क्योंकि वह राज्य की विधानसभा के सदस्य नहीं थे। उन्होंने कहा कि इस तरह ऐड हॉक बेसिस पर बहुत सारे लोग सलाह देने वाले हो सकते हैं। पंजाब सरकार के मामलों में दखल बढ़ सकती है। सरकार के अंदर एक और समानांतर सरकार नहीं चल सकती।

उन्होंने कहा, इसका मतलब यह हुआ कि मुख्यमंत्री केवल देखने के लिए हैं और वह अस्थायी हैं। उन्हें जनहित के लिए भी किसी और की सलाह की जरूरत है जो कि विधानसभा का सदस्य भी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार में जो मंत्री हैं सबको शपथ लेनी पड़ती है लेकिन चड्ढा ने कोई शपथ भी नहीं ली है।

बता दें कि विपक्षी दल भी आम आदमी पार्टी सरकार के इस फैसले को लेकर उसे घेर रहे हैं और नियुक्ति का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि राघव चड्ढा को सुपर सीएम बना दिया गया है। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सुपर सीएम, राघव चड्ढा वर्किंग सीएम हैं और भगवंत मान सिर्फ शोपीस सीएम हैं। वहीं भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि यह पंजाब के इतिहास में काला दिन है।

उन्होंने कहा कि भगवंत मान ने राज्य चलाने की सारी शक्तियां एक असंवैधानिक प्राधिकरण को दे दी हैं।

चीनी नागरिक लियू यी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

भुवनेश्वर। ओड़िशा में आव्रजन कार्यालय ने भारत में अवैध रिण एप चलाने वाले चीन के नागरिक लियू यी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। यह नोटिस भुवनेश्वर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के आग्रह पर जारी किया गया है। इस मामले में लियू यू के खिलाफ मुख्य आरोपी के तौर पर इस साल जनवरी में मामला दर्ज किया गया था। यह चीनी नागरिक भारत में कई अवैध डिजिटल रिण ऐप चलाता था जैसे -कोको लोन, जोजो लोन, गोल्डन लाइटनिंग लोन तथा कुछ अन्य। ईओडब्ल्यू को संदेह था कि इन ऐप्स के माध्यम से देश भर में लाखों लोगों विशेष कर निम्न मध्यम वर्ग के लोग ठगे गये जिन्हें कोरोना के समय में पैसों की आवश्यकता थी।

दो दिवसीय चंपावत दौरे पर धामी करेंगे विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास

एजेंसी

चंपावत/नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को अपनी विधानसभा चंपावत पहुंचेंगे। यहां वह विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे।

चंपावत के जिलाधिकारी नरेन्द्र सिंह भंडारी ने कहा कि मुख्यमंत्री बुधवार को देहरादून से सीधे चंपावत पहुंचेंगे और यहां विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे। सबसे पहले वह चंपावत के राजकीय गर्ल्स इंटर कॉलेज में विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। साथ ही यहां एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री पार्टी कार्यालय में विभिन्न स्तर के पदाधिकारियों से मिलेंगे और उनके साथ बैठक करेंगे। शाम को मुख्यमंत्री कलक्ट्रेट में जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करेंगे।

अगले दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री चंपावत के मुडयानी में मां पूर्णागिरी कालेज ऑफ एजुकेशन के कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। इसके पश्चात् धूरा मंडल में स्थित भाजपा कार्यालय में बूथ अध्यक्षों से मिलेंगे और वार्ता करेंगे। अंत में वह टनकपुर पहुंचेंगे और यहां टनकपुर स्टेडियम में बनबसा और टनकपुर के पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों तथा बूथ अध्यक्षों से मिल कर स्थानीय स्थलों का भ्रमण करेंगे। शाम को वह गृहनगर खटीमा के लिये रवाना होंगे।

कर्नाटक के गृह मंत्री ज्ञानेंद्र ने केंद्रीय जेल का किया दौरा

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने मंगलवार को परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल का दौरा किया और वहां की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कहा कि जेलों से होने वाले किसी भी तरह की गैर कानूनी गतिविधियों

को बर्दास्त नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्री ज्ञानेन्द्र ने दौरे के दौरान जेल के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों से विचार-विमर्श किया और कैदियों की समस्याओं, रक्षा प्रणाली, चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी ली और समस्याओं के समाधान के लिए उचित निर्देश दिए।

हाल ही में गृह मंत्री ने शिमोगा हिंदू कार्यकर्ता हर्ष की हत्या के आरोपी द्वारा जेल में मोबाइल फोन के इस्तेमाल के बारे में संवाददताओं के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में अवैध गतिविधियों पर मुरुगन कमेटी की सिफारिशों को लागू करते हुए कई अधिकारियों का जेल से तबादला कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारियों की सेवाएं निलंबित करने की भी सिफारिश की गई है।

श्री ज्ञानेन्द्र कहा कि केंद्रीय जेलों में उन्नत तकनीक के मोबाइल जैमर लगाने का निर्णय लिया गया है और 5जी क्षमता तक के मोबाइल कॉल को निष्क्रिय करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

अशोक गहलोत होंगे गुजरात चुनाव के पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। कांग्रेस ने इस साल के अंत में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए अशोक गहलोत को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल को हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ पर्यवेक्षक के तौर पर जिम्मा दिया गया है। इसके अलावा संतुलन साधते हुए राजस्थान के सीनियर लीडर सचिन पायलट को हिमाचल प्रदेश का पर्यवेक्षक बनाया है। वह भूपेश बघेल के साथ मिलकर पड़ोसी राज्य में पार्टी की चुनावी तैयारियों का जायजा लेंगे। उनके अलावा छत्तीसगढ़ के नेता टीएस सिंह देव और मिलिंद देवड़ा को भी गुजरात में बतौर पर्यवेक्षक भेजने का फैसला लिया गया है। पंजाब के सीनियर लीडर प्रताप सिंह बाजवा को भी हिमाचल प्रदेश चुनाव के लिए सचिन पायलट के साथ पर्यवेक्षक

नियुक्त किया गया है। पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से बयान जारी कर यह जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अशोक गहलोत को गुजरात में वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसके अलावा भूपेश बघेल को हिमाचल प्रदेश में चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाया है। हिमाचल प्रदेश और गुजरात में इसी साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। दोनों ही राज्यों से पार्टी सत्ता से बाहर है। ऐसे में अशोक गहलोत और बघेल दोनों पर ही अहम जिम्मेदारी होगी।

हार्दिक के एग्जिट से गुजरात में कांग्रेस को झटका

गुजरात से तो पार्टी बीते दो दशकों से सत्ता से बाहर है और हार्दिक पटेल जैसे नेताओं के छोड़ जाने के बाद एक बार फिर से वह संकट में दिख रही है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में वह पहली बार वीरभद्र सिंह की गैर-मौजूदगी में चुनाव में उतरेगी। उनकी पत्नी प्रतिभा सिंह को पार्टी ने अहम जिम्मा दिया है। यहां पार्टी गुटबाजी में भी बंटी दिख रही है और आम आदमी पार्टी के आक्रामक प्रचार ने भी उसकी चिंताओं में इजाफा कर दिया है।

5 राज्यों में हार के झटके से उबरने का करेगी प्रयास

ऐसे में यह देखना होगा कि कांग्रेस कैसे एक बार फिर से पहाड़ी राज्य की सत्ता में वापसी के लिए चुनाव में उतरती है। इसी साल मार्च में यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा समेत 5 राज्यों के चुनाव में कांग्रेस को करारी हार झेलनी पड़ी थी। उसके बाद ये पहले विधानसभा चुनाव होंगे।

कृषि मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के बीच हुआ एमओयू

नयी दिल्ली। कृषि मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) ने दक्षिण एशियाई क्षेत्र में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए, आईआरआरआई-दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय केंद्र (आईसार्क) के द्वितीय चरण की गतिविधियां प्रारंभ करने के लिए मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। कृषि मंत्रालय की ओर से सचिव मनोज अहूजा तथा आईआरआरआई की ओर से महानिदेशक डॉ. जीन बेली, ने इस एमओयू पर कृषि भवन, नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर श्री अहूजा ने आईआरआरआई, विशेष रूप से आईसार्क की प्रसंशा करते हुए कहा कि विगत पांच वर्षो से कृषि क्षेत्र से संबंधित मुद्दों के समाधान में आईसार्क भारत सरकार का सहयोगी रहा है। यह समझौता हमारे देश और अन्य दक्षिण एशियाई क्षेत्र में कृषि एवं खाद्य क्षेत्र में सुधार के लिए मिलकर काम करने के नए तरीकों को अपनाने की प्रतिबद्धता है।

संयुक्त सचिव अश्वनी कुमार ने कहा कि हम कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए और भी अधिक सहयोग की आशा करते हैं। आईआरआरआई के महानिदेशक श्री बेली ने सरकार के साथ नए सिरे से इस साझेदारी का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार चावल-आधारित कृषि एवं खाद्य क्षेत्र की दक्षता, स्थिरता और समानता में सुधार करने में हमारी मुख्य रणनीतिक सहयोगी रही है।

खाद्य असुरक्षा, कुपोषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना और बेहतर समाधान प्रदान करने के लिए डॉ. बेली ने समेकित प्रयासों और प्रतिबद्धताओं की आवश्यकता पर बल दिया। आईसार्क निदेशक डॉ. सुधांशु सिंह ने आभार जताया। द्वितीय चरण की गतिविधियां भारत और आईआरआरआई के बीच लंबे समय तक सहयोग करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने वाराणसी के राष्ट्रीय बीज अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र परिसर में आईसार्क स्थापना को 2017 में मंजूरी दी थी। पांच वर्षों से केंद्र ने क्षेत्र में खाद्य उत्पादन को बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाई है।

निकाय चुनाव में भाजपा को मिलेगा समर्थन: विष्णुदत्त

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि ग्रामीण और नगर निकाय के चुनाव लोकतंत्र के सशक्तीकरण के आधार हैं। पंचायत चुनावों में पार्टी के समर्थित उम्मीदवारों को जनता का आशीर्वाद प्रचंड बहुमत के रूप में मिला है। श्री शर्मा आज मीडिया से चर्चा करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव के पहले और दूसरे चरण में भी पार्टी प्रत्याशियों को जनता का समर्थन मिलेगा। पार्टी को मिलने वाली जीत का आधार हैं हमारे कार्यकर्ताओं तथा संगठन की मेहनत, पार्टी नेतृत्व के प्रति प्रदेश की जनता का विश्वास और भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे गरीब कल्याण के काम है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ का लोकतंत्र पर विश्वास नहीं है, इसलिए स्वयं मतदान करने में यकीन नहीं करते, लेकिन हार के डर से झूठ बोलने का काम जरूर कर रहे हैं।

संपादकीय

खून के प्यासे होते खून के रिश्ते !

खून के रिश्ते ही यदि अपनों के खून के प्यासे हो जाएं तो समाज परिवार एवं रिश्ते कैसे बच पाएंगे। आए दिन ऐसी वारदातें सामने आ रही हैं जिनमें किशोर एवं युवा पीढ़ी के बच्चे अपने सगे संबंधी मां बाप भाई पति के खून से हाथ रंग रहे हैं। समाज के चरित्र में आ रहा यह हिंसक परिवर्तन समाज शास्त्र के अध्येताओं के लिए गंभीर चिंता का विषय बना है। बीते एक पखवाड़े के भीतर ऐसी दर्जनों वारदातें सामने आईहैं जिनमें अपने ही खून ने अपने सगे मा बाप पतिया दादी की हत्या कर खून से हाथ रंगे है। नई दिल्ली के एक नाबालिग छात्र ने अपनी दादी मां की गला काटकर हत्याकर दी और पढ़ाई के लिए स्कूल पहुंचगया जैसे कुछ घटित नहींहुआ ।यहां तक कि बेटियां भी इस मामले में बहुत आगे निकल गई है कोटाऔरजमशेदपुरमें अलग-अलग बेटी ने अपने आशिक के जरिए सुपारी देकर पिता का कत्ल करा दिया तो कानपुर की बेटी ने मांबाप दोनों का अपने दो प्रेमियों के साथ मिलकर कत्ल करा दिया। तो कई विवाहिताओं ने अपने आशिक की मदद से पति का खूनकरदिया।

पहले पोते द्वारा बुजुर्ग दादी की गला रेत कर हत्या की नृशंस वारदात के बारे में जानकारी देते हैं। दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में एक बुजुर्ग महिला की घर में हुई हत्या का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। पुलिस के मुताबिक महिला के नाबालिग पोते ने ही सर्जिकल ब्लेड से गला रेत कर हत्या की थी. हत्या के बाद नाबालिग ने अपने दोस्तों को वीडियो कॉल कर लाश भी दिखाई. दिल्ली पुलिस ने इस मामले में नाबालिग और उसके चार दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने सीसीटीसी में कैद इस संदिग्ध को परिवार के हर सदस्य को बारी-बारी से दिखाया. जब परिवार के सदस्यों ने उस संदिग्ध की पहचान का खुलासा किया तो वो कोई और नहीं, बल्कि बुजुर्ग महिला का पोता ही निकला, जो जांच के दौरान स्कूल में था। पहचान होने के बाद पुलिस ने नाबालिग से पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया. उसने पुलिस को बताया कि स्कूल में पढ़ाई के दौरान उसकी दोस्ती चार लड़कों से हो गई थी. नाबालिग ने बताया कि उसने उन दोस्तों से काफी पैसे उधार लिए थे और वे लगातार वापस मांग रहे थे. पुलिस के मुताबिक नाबालिग ने दोस्तों से कहा कि उसके पास पैसे नहीं हैं, लेकिन उसकी दादी अकेली रहती हैं और उन्होंने हाल ही में प्रॉपर्टी बेची है, जिसके पैसे उनके पास हैं. वो पैसे दे सकती हैं. अगर पैसे नहीं देती हैं तो उनकी हत्या कर मोटा पैसा घर से हासिल किया जा सकता है। इसके बाद सभी ने मिलकर प्लान बनाया. नाबालिग अपनी दादी के घर पहुंचा और उनसे पैसे मांगे. दादी ने मना कर दिया तो उसने गला रेत कर उनकी हत्या कर दी. हत्या के बाद दोस्तों को वीडियो कॉल पर लाश दिखाई और हत्या की बात कन्फर्म की. बाद में दोस्तों को दादी के घर से लूटे गए करीब 1 लाख पचास हजार रुपए देकर कर्ज चुकाया। पुलिस ने नाबालिग पोते और उसके चारों साथियों को हिरासत में लिया है। दूसरी घटना कानपुर से सामने आई है जिस बेटी को गोद लेकर परवरिश कर रहे थे उसी ने दो प्रेमी भाईयों के साथ मिलकर सम्पत्ति कब्जाने के लिए माता-पिता दोनों की हत्या करा दी। जहर तो भाई को भी दिया पर वह बच गया ।कानपुर के बर्रा में यादव मार्केट के पास सोमवार देर रात फील्ड गन फैक्ट्री से सुपरवाइजर की पोस्ट से रिटायर्ड मुन्ना लाल गुप्ता (61) व उनकी पत्नी राज देवी (55) की गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। घटना के समय घर में बेटा अनूप उत्तम (30) और बेटी (25) कोमल थी। पुलिस ने सीसीटीवी और मोबाइल कॉल डिटेल की पड़ताल से कुछ घंटे में ही वारदात का खुलासा करते हुए कोमल को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार होते ही कोमल टूट गई और सभी राज एक के बाद एक खोलते चली गई ।पूछताछ में कोमल से पता चला कि कई महीनों से पूरे परिवार की हत्या की साजिश रच रही थी। डेढ़ महीने पहले उसने हत्या के प्लान को अंतिम रूप दिया था। इसके लिए किसी शातिर अपराधी की तरह दो ए और प्लान बी बनाए गए थे। पुलिस की पूछताछ में उसने यह कबूल किया है ।उसने मा बाप व भाई को जूस में जहर दिया और फिर मा बाप का गला रेत कर हत्या करा दी। भाई ने जूस कम मात्रा में पिया वह दूसरे कमरे में सो गया और बच गया। पुलिस ने कोमल के दो दिन की कॉल डिटेल रिपोर्ट निकलवाई जिसमें पता चला कि दो दिन में 17 घंटे उसने रोहित से बात की।

एक मजबूत, शक्तिशाली और विकासशील भारत

सत्यवान 'सौरभ'

भारत ने वैश्विक पहचान हासिल करने के लिए ढेर सारी चुनौतियों को पार करते हुए दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों में से एक बनने के लिए छोटे कदम उठाए। भारत ने आजादी के बाद से एक लंबा सफर तय किया है, कई सही और गलत फैसलों से परहेज किया है, जो कई ऐसे स्थलों को पीछे छोड़ता है जो विभाजन की पीड़ा से एक मजबूत, शक्तिशाली और विकासशील राष्ट्र की यात्रा को परिभाषित करते हैं। हाल ही के दशकों में भारत धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय स्थान पर ऊपर चढ़ता जा रहा है और इसके कारण विश्व की एक प्रमुख महाशक्ति के रूप में इसका वैश्विक प्रभाव भी नजर आने लगा है. पिछले चार दशकों में एक जबरदस्त ताकत के रूप में उभरकर सामने आया है और भारत ने भी काफ़ी ऊँचाइयाँ हासिल कर ली हैं. इसके कारण विश्व की आर्थिक शक्ति का केंद्र यूरोप और उत्तरी अमेरिका से हटकर एशिया की ओर स्थानांतरित होने लगा है.

उदीयमान प्रबल शक्ति के बावजूद भारत अक्सर वैचारिक ऊहापोह में घिरा रहता है. यही कारण है कि देश के उज्ज्वल भविष्य और वास्तविकता में अंतर दिखाई देता है. हालांकि भारत महाशक्ति बनने की प्रक्रिया में प्रमुख बिंदुओं पर खरा उतरता है, लेकिन व्यापक अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में घरेलू मुद्दों के कारण वह कमजोर पड़ जाता है. हालांकि भारत के कई नेता गति को आगे बढ़ाने और सामाजिक राजनीतिक संकट से बचने में विफल रहे, यह भी राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता की कमी का मामला था। भारत में विविधता के कारण, कहीं न कहीं आना मुश्किल है। हालांकि, अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) यानी एक समान नागरिक संहिता लगने के प्रयासों को रूढ़िवादी वर्गों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने दावा किया कि इससे सांप्रदायिक वैमनस्य पैदा होगा।

पानी की तरह किलोमीटर पर भारत में भाषा बदल जाती है। इसलिए,हिंदी केवल आधिकारिक भाषा के रूप में लाना मुश्किल था और 1965 में तमिलनाडु के हिंदी-विरोधी आंदोलन जैसे हिंसा और गरमागरम बहस देखी गई। जनसंख्या नियंत्रण कानून 2019 का जनसंख्या नियंत्रण विधेयक, जिसे 2022 में वापस ले लिया गया था। दो संतान नीति को आजादी के बाद से 35 बार संसद में पेश किया गया है। इन मसौदे की आम जनता द्वारा भारी आलोचना की गई थी।

कृषि अर्थशास्त्री और अन्य हितधारक दशकों से कृषि बाजार में सुधार की वकालत कर रहे हैं। इसने संकट से बचने के लिए तीन प्रमुख कृषि सुधार कानून जिन्हें निरस्त कर दिया गया को फिर से चुपके मोड में आगे बढ़ाने के बारे में सरकार को झिझक दिया। लेबर कोड पर नियम आज तक टाले गए। कोड के परिणामस्वरूप कम टेक-होम पे और आसान छंटनी होगी। नि:संदेह सरकार को सुधार के मार्ग पर बहुत सावधानी से चलना होगा।

लोकतंत्र की सफलता में पहला है मतदान को अनिवार्य बनाना, जैसा कि कम से कम 30 लोकतंत्रों में किया गया है, जिससे मतदान प्रतिशत बढ़कर 90 प्रतिशत से अधिक हो गया है। वर्तमान में, भारत में मतदान प्रतिशत कम है। आईपीसी की धारा 124ए का घोर दुरुपयोग एक उपहास है लेकिन अधिकांश राजनीतिक दल नहीं चाहते कि कानून के इस प्रावधान को हटाया जाए। सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम के लिए राज्य सशस्त्र पुलिस और केंद्रीय अर्ध-सैन्य पुलिस का उपयोग करना चाहिए। घुसपैठ, भाड़े के सैनिकों, आतंकवादियों और आतंकवादियों से निपटने के लिए जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के नागरिक क्षेत्रों से सशस्त्र बलों को अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास ले जाने के लिए अधिनियम को हटाना एक मजबूत मामला है।

आबादी पर नियंत्रण की नई सुबह का इंजतार

ललित गर्ग

भारत अगले साल दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला मुल्क होने जा रहा है, चौंकाने एवं चिन्ता में डालने वाली इस खबर के प्रति सचेत एवं सावधान होने के साथ सख्त जनसंख्या नियंत्रण नीति लागू करने की अपेक्षा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी रिपोर्ट ने बताया है कि भारत साल 2023 में ही चीन से ज्यादा आबादी वाला देश हो जाएगा। जबकि पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि साल 2027 में भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होगा। बढ़ती जनसंख्या की चिन्ता में डूबे भारत के लिये चार पहले ही दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होना कोई गर्व की बात नहीं है। भारत के लिये बढ़ती आबादी एवं सिकुड़ते संसाधन एक त्रासदी है, एक विडम्बना है, एक अभिशाप है। क्योंकि जनसंख्या के अनुपात में संसाधनों की वृद्धि सीमित है। जनसंख्या वृद्धि ने कई चुनौतियों को जन्म दिया है किंतु इसके नियंत्रण के लिये कोने कानूनी तरीके को एक उपयुक्त कदम नहीं माना जा सकता। इसके लिये सरकार को जनसंख्या पर तुरंत पारदर्शी एवं सख्त नियंत्रण के कदम उठाने के साथ आम जनता की सोच एवं संस्कृति में बदलाव लाना होगा, लेकिन दुर्भाग्य से अभी कुछ हो ही नहीं रहा है।

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट बताती है, नवंबर 2022 के मध्य तक दुनिया की आबादी आठ अरब हो जाने का अनुमान है। पूरी दुनिया की आबादी में अकेले एशिया की 61 फीसदी हिस्सेदारी है। यह रिपोर्ट साफ इशारा करती है कि जहां कम आबादी है, वहां ज्यादा संपन्नता है। भारत में दिन-प्रतिदिन जनसंख्या विस्फोट हो रहा है, इसी से बेरोजगारी बढ़ रही है, महंगाई भी बढ़ने का कारण यही है, संसाधनों की किल्लत भी इसी से बनी हुई है। यही एक कारण भारत को दुनिया की महाशक्ति बनाने की सबसे बड़ी बाधा है। ऐसे में सबको नौकरी मिलना इतना आसान नहीं। इसलिए सरकार शीघ्र सुसंगत जनसंख्या नीति लागू करे। जिसको दिक्कत हो और ज्यादा बच्चे पैदा करके मनमानी करनी हो, उनके खिलाफ कानूनी सजा के प्रावधान किये जाये। यह एक अराष्ट्रीय सोच है कि अधिक बच्चे पैदा करके उनकी जिंदगी कष्ट में झोंकना। जब बच्चे को सुखी जिंदगी नहीं दे सकते, तो दूसरों के भरोसे उन्हें पैदा करने की प्रवृत्ति शर्मनाक है। यह देखने में आ रहा है कि आज के वैज्ञानिक युग में भी कुछ समुदाय बच्चे पैदा करने को लेकर रूढ़िवादी नजरिया अपनाए हुए हैं और उनकी प्रतिक्रिया में अन्य समुदायों के नेता भी ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की वकालत करने लगे हैं। यह बेहद खतरनाक स्थिति है। भारत की आबादी पहले ही एक अरब 40 करोड़ के आसपास पहुंच चुकी है, इसलिए जनसंख्या बढ़ोतरी की पैरोकारी करने वालों की निंदा की जानी चाहिए, चाहे वे किसी मजहब के हों। क्योंकि देश की तरक्की की सबसे बड़ी बाधा बढ़ती जनसंख्या ही है।

भारत में बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने में राजनीति एवं तथाकथित स्वार्थी राजनीतिक सोच बड़ी बाधा है। अधिकांश कट्टरवादी मुस्लिम समाज लोकतांत्रिक चुनावी व्यवस्था का अनुचित लाभ लेने के लिए अपने संख्या बल को बढ़ाने के लिये सर्वाधिक इच्छुक रहते हैं और इसके लिये कुछ राजनीतिक दल उन्हें प्रेरित भी करते हैं। ऐसे दलों ने ही उद्घोष दिया है कि जिसकी जितनी संख्या भारी सियासत में उसकी उतनी हिस्सेदारी।'' जनसंख्या के सरकारी आकड़ों से भी यह स्पष्ट होता रहा हैं कि हमारे देश में इस्लाम सबसे अधिक गति से बढ़ने वाला संप्रदाय-धर्म बना हुआ हैं। इसलिए यह अत्यधिक चिंता का विषय है कि ये कट्टरपंथी अपनी जनसंख्या को बढ़ा कर स्वाभाविक रूप से अपने मताधिकार कोष को बढ़ाने के लिए भी सक्रिय हैं। सीमावर्ती प्रांतों जैसे पश्चिम बंगाल, आसाम, कश्मीर आदि में वाकायदा पडौसी देशों से मुस्लिमों की घुसपैठ कराई जाती है और उन्हें देश का नागरिक बना दिया जाता है, यह एक तरह का जनसंख्या जिहाद है क्योंकि इसके पीछे इनका छिपा हुआ मुख्य ध्येय हैं कि हमारे धर्मनिरपेक्ष देश का इस्लामीकरण किया जाये।

संयुक्त राष्ट्र के ताजा अनुमान के बाद भारत के लिए चुनौतियां बहुत बढ़ जाएंगी। हमारी जनसंख्या नियंत्रण संबंधी नीतियां बहुत उदार रही हैं, जिसकी वजह से हम आबादी बढ़ने की रफ्तार को जरूरत के हिसाब से थाम नहीं पाए। चीन ने साल 1979 में ही एक संतान नीति को पूरी कड़ाई से लागू कर दिया था, इसका नतीजा हुआ कि उसे आबादी की रफ्तार रोकने में कामयाबी मिली। ध्यान देने की जरूरत है कि साल 1800 में भारत की जनसंख्या लगभग 16.90 करोड़ थी। चीन आबादी के मामले में कभी भारत से लगभग दोगुना था। 1950 के बाद दोनों देशों की आबादी तेजी से बढ़ने लगी। साल 1980 में चीन एक अरब जनसंख्या तक पहुंच गया। इसके ठीक एक वर्ष पहले वहां एक संतान की नीति लागू हुई थी। भारत साल 2000 में एक अरब के आंकड़े के पार पहुंचा और अब अगले साल चीन से आगे निकलने जा रहा है। चीन एक संतान की नीति को 2016 में वापस ले चुका है, लेकिन इसके बावजूद वहां आबादी तेजी से नहीं बढ़ेगी, क्योंकि वहां की राष्ट्रीय भावना, संस्कृति और सोच, दोनों में बदलाव आ चुका है। लेकिन भारत में ऐसा न होने का कारण राजनीति एवं उसके द्वारा पोषित मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति है। इसके वितरीत विभिन्न मुस्लिम देश टर्की, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, मिस्र, सीरिया, ईरान, यू.ऐ.ई., सऊदी अरब व बांग्लादेश आदि ने भी कुरान, हदीस, शरीयत आदि के कठोर रुढ़ीवादी नियमों के उपरांत भी अपने-अपने देशों में जनसंख्या वृद्धि दर नियंत्रित करने के कठोर उपक्रम किये हैं। भारत की स्थिति चीन से पृथक है तथा चीन के विपरीत भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहाँ हर किसी को अपने व्यक्तिगत जीवन के विषय में निर्णय लेने का अधिकार है। भारत में कानून का सहारा लेने के बजाय जागरूकता अभियान, शिक्षा के स्तर को बढ़ाकर तथा गरीबी को समाप्त करने जैसे उपाय करके जनसंख्या नियंत्रण के लिये प्रयास होने चाहिये। परिवार नियोजन से जुड़े परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाना चाहिये तथा ऐसे परिवार जिन्होंने परिवार नियोजन को नहीं अपनाया है उन्हें विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से परिवार नियोजन हेतु प्रेरित करना चाहिये। बेहतर तो यह होगा कि शादी की उम्र बढ़ाई जाए, स्त्री-शिक्षा को अधिक आकर्षक बनाया जाए, परिवार-नियंत्रण के साधनों को मुफ्त में वितरित किया जाए, संयम को महिमा-मंडित किया जाए और छोटे परिवारों के लाभों को प्रचारित किया जाए। शारीरिक और बौद्धिक श्रम के फासलों को कम किया जाए। जनसंख्या दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बिल्कुल सही कहा है कि जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों से सभी मत, मजहब, वर्ग को समान रूप से जोड़ा जाना चाहिए। अनियंत्रित जनसंख्या भी अघोषित आतंकवाद एवं जिहादी मानसिकता ही है, यह राष्ट्र की प्रगति एवं संसाधनों को जड़ करने एवं बांधने का जरिया है।

विशेषकर कोरोना संकट के बाद से देश के हालत हर तरह से बहुत जटिल एवं अनियंत्रित हुए है। सभी संसाधन कम पड़ते गए हैं और अचानक देश में एक संकट खड़ा हो गया है। बेचारी पहले से दुखी गरीब जनता ज्यादा परेशानी में है। जनसंख्या वृद्धि एक नयी चुनौती बनकर हमारे सामने आई और आज भी इस पर काबू पाने में सरकार को कठिनाई हो रही है। जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम देश को भोगने पड़ रहे हैं। अधिक जनसंख्या के कारण बेरोजगारी की विकराल समस्या उत्पन्न हो गयी है। लोगों के आवास के लिए कृषि योग्य भूमि और जंगलों को उजाड़ा जा रहा है। यदि जनसंख्या विस्फोट यूं ही होता रहा तो लोगों के समक्ष रोटी, कपड़ा, मकान और पर्यावरण की विकराल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। इससे बचने का एक मात्र उपाय यही है की हम येन केन प्रकारेण बढ़ती आबादी को रोकें। इसके लिये चीन के द्वारा अपनायी गयी जनसंख्या नियंत्रण नीति पर भी ध्यान देना चाहिए। अन्यथा विकास का स्थान विनाश को लेते अधिक देर नहीं लगेगी। सरकार को इस विशेष अवसर पर सबकी सहमति से जनसंख्या नियंत्रण पर कानून का निर्धारण करना चाहिए।

काबुल से अलहदा कोलंबो का कब्जा

तस्वीरों ओर दृश्यों की समानताओं से विद्रोह के स्वभाव का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता हैं। श्रीलंका के सत्ता केंद्रों से जो तस्वीर ओर चलायमान दृश्य दिखाई दे रहें हैं। ठीक ऐसी ही तस्वीर ओर दृश्य बीते वर्ष के अगस्त माह में अफगानिस्तान में दिखाई दे रहें थे। वहां काबुल स्थित सत्ता के महत्वपूर्ण केंद्र राष्ट्रपति भवन सहित महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों पर तालिबानियों का कब्जा हो गया था। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ओर उपराष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह देश छोड़ कर भाग गए थे। अफगानिस्तान के इन चित्रों ओर वीडियों की तुलना श्रीलंका से करने पर सहज रूप से विश्वास किया जा सकता हैं कोलंबो में काबुल दोहराया जा रहा हैं। श्रीलंका में एक माह से जारी नागरिक विद्रोह ने 9 जुलाई को कोलंबो स्थित राष्ट्रपति भवन की ओर कूच किया और हजारों की संख्या में नागरिक राष्ट्रपति भवन में घुस गए। उन आलीशान सोफों, बिस्तरों पर आराम फरमाने लगें। राष्ट्रपति भवन के नीले पानी के तरणताल में नहाने लगें, नागरिक प्रधानमंत्री आवास में भी घुस गए। श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जनता के इस विद्रोह से घबराकर अचानक गायब हो गए या यूं कहें भाग गए। काबुल ओर कोलंबो के दृश्यों ओर तस्वीरों की समानताओं के बाद भी इन विद्रोह की तासीर ओर चरित्र में कितना अंतर हैं। यह जानना भी जरूरी हैं। सबसे पहला और महत्वपूर्ण अंतर तो यह कि अफगान का विद्रोह एक आतंकी संगठन तालिबान द्वारा हथियारों से लैस होकर वहां की सरकार के विरुध्द हिंसक विद्रोह था। जिसका मूल उदेश्य सत्ता हथियाना था। जबकि श्रीलंका में घटित घटनाक्रम नागरिक विद्रोह हैं, जिसका उद्देश्य वर्तमान राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे एवं प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को हटाना हैं। कोलंबो में चल रहा नागरिक विद्रोह देश के खिलाफ नहीं सत्ता के खिलाफ हैं। इस विद्रोह में हथियारों का प्रयोग नहीं हैं। जनता के हाथ मे श्रीलंका का राष्ट्रीय ध्वज हैं। कोलंबो में नागरिकों का प्रदर्शन एक माह से चल रहा था। नागरिकों में बढ़ती महंगाई, आर्थिक कुप्रबंधन एवं भ्रष्ट्राचार के खिलाफ आक्रोश व्याप्त था। 9 जुलाई को इस आक्रोश की जद में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के निवास भी आ गए। जो अब पर्यटक केंद्रों से दिखाई दे रहें हैं। गरीब, दबे, कुचले आम नागरिक राष्ट्रपति भवन की आलीशान इमारतों ओर सरकारी व्यवस्थाओं को देखकर अचंभित नजर आ रहा हैं। यह विद्रोह जब थोड़ा हिसंक सा लगा जब प्रधानमंत्री आवास पर आग लगा दी गयी। बीबीसी की सूचना के अनुसार इस विद्रोह में श्रीलंका के सभी वर्गों के नागरिक शामिल हैं। अधिकांश वर्ग आंदोलन में हिंसा का विरोध भी कर रहें हैं। श्रीलंका में पनपा जन विद्रोह श्रीलंका में व्याप्त महंगाई, भुखमरी एवं आर्थिक कुप्रबंधन के खिलाफ हैं। नागरिकों के इस विद्रोह में सत्ता में लंबे समय से काबिज राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के खिलाफ विरोध साफ नजर आ रहा है। श्रीलंका का यह नागरिक विद्रोह सारी दुनिया के देशों के लिए एक सबक हैं जहां सत्ता पर काबिज नेताओं के द्वारा जनता की मूलभूत जरूरतों की अनदेखी की जाने लगती हैं। किसी भी राष्ट्र के लिए अपनी आर्थिक नीतियों का बड़ा महत्व होता हैं यह नीतियां राष्ट्र के उन अधिसंख्य गरीब और कमजोर वर्ग को दृष्टिगत रखतें हुए उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उदेश्य से बनानी चाहिए। श्रीलंका की जिस जनता ने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को बड़ा जनादेश दिया था। वहीं जनता अब राष्ट्रपति निवास में घुस गई। और राष्ट्रपति आवास से ही गो बैक गोटबाया के नारे बुलन्द कर रहीं हैं। कोलंबो के राष्ट्रपति भवन में अब आंदोलनकारियों लिए भोजन और नाश्ता बन रहा हैं। आक्रोशित नागरिकों की मांग हैं कि लंबे समय से एक ही परिवार के लोग सत्ता पर काबिज हैं। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री के इस्तीफे ओर नई सरकार के गठन की मांग कर रहें है। नागरिकों कहना है कि मांग पूरी होतें ही वें अपने घरों की ओर लौट जाएंगे।

अस्पताल-जनित संक्रमण से बचाने के लिए नया सॉल्यूशन

सॉल्यूशन की एक विशेषता यह है कि यह लंबे समय तक प्रभावी रहता है। संक्रमण-रोधी सॉल्यूशन की कोटिंग से युक्त वस्त्रों के उपयोग से अस्पतालों में पाये जाने वाले वायरस, बैक्टीरिया, और फंगस जैसे रोगजनक सूक्ष्मजीवों का संक्रमण फैलने का खतरा कम हो सकता है। अस्पतालों में उपयोग होने वाले स्वास्थ्य देखभाल परिधान (स्क्रब, गाउन, डॉक्टर कोट, रोगी के वस्त्र आदि) में सूक्ष्म रोगजनक होते हैं, जो बीमारी का कारण बन सकते हैं। कपड़े की नरम और छिद्रयुक्त सतह हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस, और कवक के पनपने एवं उनके प्रसार के लिए अनुकूल होती है। इन रोगजनकों को साफ करने या हटाने के बार-बार किये जाने वाले प्रयासों के बावजूद, वे समय के साथ कपड़ों से चिपके रहते हैं, और संक्रमण फैलाते रहते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली द्वारा इन्क्यूबेटेड स्टार्टअप मेडिकफाइबर और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के शोधकर्ताओं ने एक प्रभावी सॉल्यूशन विकसित किया है, जिससे अस्पतालों में चिकित्सकों, कर्मचारियों, एवं मरीजों को रोगजनकों के संक्रमण से रहित वस्त्र एवं टैक्सटाइल मैटेरियल उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह पहल अस्पतालों में कपड़ों के जरिये फैलने वाले रोगजनक सूक्ष्मजीवों के संक्रमण को रोकने में मददगार हो सकती है। मेडिकफाइबर ने चिकित्सकों, कर्मचारियों, एवं मरीजों के लिए रोगजनक सूक्ष्मजीवों के संक्रमण से रहित वस्त्रों के साथ-साथ अस्पतालों में उपयोग होने वाली बेडिंग इत्यादि की विस्तृत श्रृंखला पेश की है। इन वस्त्रों और टैक्सटाइल मैटेरियल की विशेषता यह है कि इन पर वायरोक्लॉग नामक नये विकसित एक विशिष्ट सॉल्यूशन की कोटिंग की गई है, जो रोगजनक सूक्ष्मजीव प्रतिरोधी है। सॉल्यूशन की कोटिंग कपड़ों पर संक्रमण पैदा करने वाले रोगजनकों को पनपने नहीं देती।

गुरु के चरणों में अपने समस्त अहंकार, घमंड, अभिमान, भ्रष्टाचारी मानसिकता अर्पित कर दें यही हमारी सच्ची गुरु दक्षिणा होगी

गोंदिया - गुरु मेरी पूजा गुरु गोविंद गुरु मेरा पारब्रह्म गुरु भगवंत, गुरु मेरा ज्ञान ह्रदय ध्यान गुरु गोपाल पुरख भगवान, गुरु जैसा नहीं को देव, जिस मस्तक भाग सो लागा सेव इत्यादि माननीय गुरुवर की महिमा के अनेक आध्यात्मिक भजन हम अनेक बार शिद्दत से सुनते गाते आ रहे हैं क्योंकि भारत माता की मिट्टी से ही मानवीय जीव की रग रग में आध्यात्मिकता, माता पिता गुरुवर के प्रति सम्मान आस्था समर्पण का भाव समाया हुआ है। मेरा मानना है कि जितनी आध्यात्मिकता की श्रद्धा भारत में है शायद ही यह विश्व के किसी भी अन्य देश में होगी। यहां सदियों से माता-पिता और आचार्य को गुरु का दर्जा दिया जाता है भारतीय संस्कृति की पहचान है कि, मातृमान् पितृमानाचार्यवान पुरूषो वेद:। % (अर्थात, जब तीन उत्तम शिक्षक अर्थात एक माता, दूसरा पिता और तीसरा आचार्य हो तो तभी मनुष्य ज्ञानवान होगा।) %प्रशस्ता धार्मिकी विदुषी माता विद्यते यस्य स मातृमान। पितृ देवो भव। आचार्य देवो भव। अतिथि देवों भव। अर्थात् माता को, पिता को, आचार्य को और अतिथि को देवता के समान मानकर उनके साथ व्यवहार करो। गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णु: गुरुर्देवो महेश्वर:।गुरु: साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नम:।।गुरु ब्रह्मा है, गुरू विष्णु है, गुरू महेश्वर अर्थात भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परम ब्रह्म सर्वशक्तिमान है, ऐसे गुरु को मेरा नमस्कार। (उक्त श्लोक में गुरू की महत्ता स्पष्ट करते हुए गुरु को परम ईश्वर के तुल्य बताकर वंदना की गई है।)

इसलिए आज गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर हम माता पिता गुरु की विस्तार से चर्चा इस आर्टिकल के माध्यम से करेंगे

साथियों बात अगर हम इस बार गुरु पूर्णिमा की करें तो, इस गुरु पूर्णिमा पर ग्रह नक्षत्रों की युति के हिसाब से 4 राजयोग का निर्माण हो रहा है. ये योग बेहद ख़ास है. जिनकी वजह से 13 जुलाई 2022 दिन बुधवार के दिन पड़ने वाली गुरु पूर्णिमा बेहद खास बन गई है. पंचांग के अनुसार, गुरु पूर्णिमा के दिन मंगल, बुध, गुरु और शनि की स्थिति राजयोग बना रही है. इन ग्रहों के कारण इस दिन रुचक, भद्र, हंस और शश नामक 4 राजयोग बन रहें हैं. इसके अलावा कई सालों बाद गुरु पूर्णिमा के दिन सूर्य-बुध की युति से बुधादित्य योग का निर्माण हो रहा है. ऐसे में हमें यह जान लेना जरुरी हो जाता है कि गुरु पूर्णिमा के दिन क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

साथियों बात अगर हम गुरु शिष्य परंपरा की करें तो,गुरु-शिष्य परम्परा आध्यात्मिक ज्ञान को नई पीढ़ियों तक पहुंचाने का सोपान है। भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परम्परा के अन्तर्गत गुरु अपने शिष्य को निस्वार्थ भाव से शिक्षा देता है। जिसके बदले में शिष्य अपने गुरु को शिक्षा समाप्त होने पर गुरुदक्षिणा देता है। बाद वही शिष्य अपने गुरु के बताये हुए मार्गदर्शन पर चलकर समाज सेवा करता है। या फिर गुरु बनकर दूसरों को शिक्षा देता है। जिससे यह कर्म चलता रहता हैगुरु-शिष्य की यह परम्परा ज्ञान के किसी भी क्षेत्र में हो सकती है ।जैसेअध्यात्म संगीत, कला, वेदाध्ययन, वास्तु विज्ञान चिकित्सा आदि।

साथियों प्राचीन समय में गुरु आश्रमों में अपने शिष्यों को शिक्षा दिया करते थे। उस समय उनके बीच मधुर सम्बन्ध हुआ करते थे। प्राचीन समय में गुरु शिष्य के बीच अगाध प्रेम हुआ करता था। शिष्य अपने गुरु के प्रति पूर्ण श्रद्धा व समर्पण का भाव रखता था। गुरु निस्वार्थ भाव से अपने शिष्य को शिक्षा दिया करते थे। गुरु और शिष्य के बीच केवल शाब्दिक ज्ञान का ही आदान प्रदान नहीं होता था बल्कि गुरु अपने शिष्य के संरक्षक के रूप में भी कार्य करता था। अत: गुरु कभी भी अपने शिष्य का अहित नहीं चाहता है। वह हमेशा अपने शिष्य का भला सोचता है। शिष्य का यही विश्वास गुरु के प्रति उसकी अगाध श्रद्धा और समर्पण का कारण रहा है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष्य की करें तो जितना माता-पिता और आचार्य को देव समझने वाली इस भव्य भारतीय संस्कृति का गुणगान किया जाए उतना ही कम है परंतु वर्तमान समय में यह स्थिति बिल्कुल उलट है। आज आश्रमों की जगह स्कूल कॉलेज ने ले ली है। और गुरु शिष्य का सम्बन्ध वैसा नहीं रहा जैसा प्राचीन समय में रहता था। आज गुरु शिष्य के सम्बन्ध सही नहीं है। और गुरु शिष्य का सम्बन्ध स्वार्थ से पूर्ण हो गया है। गुरु शिष्य परम्परा समाप्त सी हो गयी है ।इस कराल काल में आज भौतिकवाद के प्रभाव में व्यक्तिवादी भोगवादी तथा स्वार्थपरायणता का तांडव नृत्य हो रहा है वहां मानव जीवन में इन दिव्य और उदार विचारों की विलुप्तता की ओर कदम बढ़ाने को रेखांकित करना जरूरी है। कदाचित कुछ संस्कारी परिवार उपरोक्त संस्कृति के श्लोकों और विचारों का सिंचन अपनी पीढ़ी में करते भी होंगे परंतु पाश्चात्य संस्कृति के बदलते प्रभाव को रोकने के लिए बड़े बुजुर्गों बुद्धिजीवियों को आगे आकर जागरूक करने और एक्शन उठाने का समय आ गया है।

साथियों बात अगर हम गुरु के महत्व की करें तो, गुरु कोई साधारण इंसान नहीं होता है। गुरु ही एक जरिया है जिसके बताये हुए पद चिन्हो पर चलने से कठिन से कठिन मुकाम को हासिल किया जा सकता है। इसीलिए हमेशा गुरु का पूर्ण सम्मान करे। गुरु की आज्ञा का पालन करना चाहिए। एक गुरु ही हमें समाज में अपनी पहचान बनाने की शिक्षा देता है। प्राचीन समय से लेकर वर्तमान तक गुरु का स्थान सर्वोपरि रहा है। जीवन में अगर गुरु का आशीर्वाद हो तो बड़ी से बड़ी कठिनाईयों से मुकाबला किया जा सकता है।

साथियों जिस तरह एक बच्चे की माँ उसकी प्रथम गुरु होती है जिसे वो खाना पीना, बोलना, चलना, आदि तौर तरीके सिखाती है। ठीक उसी तरह गुरु अपने शिष्य को जीवन जीने का तरीका बताता है। उसे सफलता के हर वो पहलु बताता है जो उसके लिए उपयुक्त हो। इस संसार सागर में सफलता पाने के लिए हर किसी को गुरु की आवश्यक

शार्ट न्यूज

बुलंदशहर में छह साल की मासूम के साथ दुष्कर्म, आरोपी युवक गिरफ्तार

बुलंदशहर। बुलंदशहर एक गांव में रहने वाली छह वर्षीय बच्ची के साथ कथित तौर पर एक युवक द्वारा बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। खुर्जा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) दिलीप सिंह ने बताया कि छोटी बच्ची के साथ दुष्कर्म की बात सामने आई है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दे दिए गए हैं और अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। वहीं, पीड़ित बच्ची के पिता ने बताया कि पड़ोस में रहने वाला युवक रवि टीवी दिखाने के बहाने बच्ची को अपने घर पर ले गया था और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस के अनुसार खुर्जा नगर थाना इलाके के एक गांव की रहने वाली छह साल की बच्ची मंगलवार को अपने घर के बाहर खेल रही थी और उसके घर वाले गांव में हुई एक मौत में शोक जताने गए हुए थे। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला युवक टीवी दिखाने के बहाने बच्ची को अपने घर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि बच्ची के रोने की आवाज सुनकर भागने की कोशिश कर रहे युवक को लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

हेलीपैड नहीं बनने से योगी आदित्यनाथ का बक्सर दौरा एक दिन टला

बक्सर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बिहार के बक्सर जिले का दौरा एक दिन के लिए टल गया है। सीएम योगी मंगलवार को बक्सर आने वाले थे मगर हेलीपैड नहीं बनने से उनका दौरा स्थगित हो गया। अब वे बुधवार को यहां पहुंचेंगे। उनका सिमरी प्रखंड के छोटका राजपुर गांव में यूपी के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के पिता के निधन पर शोकसभा में पहुंचने का कार्यक्रम है। यूपी सरकार में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के पिता का शनिवार को निधन हो गया था। वे लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती थे। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव बक्सर के छोटका राजपुर लाया गया। रविवार को उनका गांव में अंतिम संस्कार हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंत्री दयाशंकर के पिता के निधन पर शोक जताने मंगलवार को छोटका राजपुर आने वाले थे। जैसे ही स्थानीय प्रशासन को सूचना मिली तो वह तैयारियों में जुट गया। मुख्यमंत्री योगी का हेलिकॉप्टर लैंड कराने के लिए हेलीपैड बनाने का काम शुरू किया गया। सीएम योगी के आगमन का समय दोपहर साढ़े 12 बजे प्रस्तावित था। मगर समय पर हेलीपैड तैयार नहीं होने से योगी आदित्यनाथ को अपना बक्सर दौरा टालना पड़ा।

अवैध कब्जों पर सीएम योगी सख्त, लखनऊ में 9 करोड़ की जमीन कराई गई खाली

लखनऊ। अवैध कब्जों पर योगी सरकार ने सख्त रुख अख्यितार किए हुए है। लखनऊ में नगर निगम के प्रर्वतन दस्ते ने सोमवार को देवपुर में तालाब की करीब 9 करोड़ की जमीन से अवैध कब्जा खाली कराया। अवैध निर्माण तोड़ने की कार्रवाई रुकवाने को लेकर लोगों ने काफी विरोध किया। लेकिन प्रवर्तन दस्ता पीछे नही हटा। देवपुर के खसरा संख्या-1108/1 के 1.537 हेक्टेयर के तालब पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया था। 23 अप्रैल को इसकी संयुक्त पैमाइश हुई थी। पैमाइश में पता चला कि सत्येन्द्र सिंह बघेल ने 1000 वर्गफुट पर, अशोक कुमार ने 3000, जितेन्द्र कुमार ने 1800 व अन्य पांच लोगों ने लगभग 6000 वर्गफुट में बाउण्ड्रीवाल बनाकर अवैध कब्जा कर लिया था। निगम ने इन अवैध कब्जेदारों के खिलाफ पारा में एफआईआर भी दर्ज करायी थी। यहीं के खसरा संख्या-554/1, 2 स के 0.733 हेक्टेयर बंजर भूमि पर प्रदीप शर्मा टिम्बर वाले ने 2000 वर्गफुट व शिवनाथ सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने 32000 वर्गफुट भूमि पर अवैध कब्जा किया था। सोमवार को कर्नल सतेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पहुंचे नगर निगम के दस्ते ने सभी निर्माणों को ध्वस्त करा दिया। कर्नल सतेन्द्र सिंह ने बताया कि कुल 45800 वर्गफुट भूमि अतिक्रमण से मुक्त करायी गई। जिसकी बाजारू कीमत लगभग 09 करोड़ रुपए है।

सोनभद्र : गैंगेस्टर एक्ट में चार आरोपियों की 1.45 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में राबर्ट्सगंज पुलिस ने मंगलवार को गैंगेस्टर एक्ट में निरुद्ध चार आरोपियों की एक करोड़ 45 लाख 53 हजार रुपये कीमत की चल- अचल संपत्ति को जब्त किया है। चारों के खिलाफ रायपुर थाने में गैंगेस्टर एक्ट में मुकदमा पंजीकृत है। पुलिस ने यह कार्रवाई जिलाधिकारी के आदेश पर की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की राबर्ट्सगंज पुलिस ने मंगलवार को आरोपित संदीप सिंह पुत्र स्व. नरसिंह निवासी प्रभापुरम कॉलोनी, थाना रॉबर्ट्सगंज के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी चल संपत्ति के रूप में एक ट्रक जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख 70 हजार रुपये को जब्त किया है ।इसके अलावा कुनाल सिंह पुत्र प्रमोद सिंह निवासी कुशी, थाना रॉबर्ट्सगंज के एक ट्रक, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 23,80,000 रुपये, एक लाख रुपये अनुमानित कीमत की रॉयल इनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल, साढ़े पांच लाख रुपये अनुमानित कीमत की मारुती स्वीफ्ट कार, 58 हजार रुपये अनुमानित कीमत की टीवीएस मोटरसाइकिल जब्त की है। इसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 30,88,000 रुपये है। पुलिस ने आरोपी सिकन्दर सिंह पुत्र गुलाब सिंह निवासी प्रभापुरम कॉलोनी थाना रॉबर्ट्सगंज के पुसौली स्थित भूमि व मकान की अचल संपत्ति कुल अनुमानित सम्पत्ति लगभग 88,95,000 रुपये को जब्त किया। वही मारकण्डेय सिंह पुत्र स्व. फेकई सिंह निवासी ग्राम वार, थाना रॉबर्ट्सगंज की चल सम्पत्ति न्यू हॉलैण्ड ट्रैक्टर (अनुमानित कीमत लगभग पांच लाख रुपये) को जब्त किया है।

पति से झगड़ कर तीन बच्चे लेकर कुएं में कूदी महिला, मां बची, बच्चे मरे

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर में पति से झगड़ कर पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ मंगलवार को कुएं में कूद गई, जिससे तीनों बच्चों की मौत हो गई और महिला की जान बच गई। पुलिस के अनुसार थाना जखौरा अंतर्गत ग्राम मुहारा के मोहल्ला चौनवारा निवासी राजकुमारी (31 वर्ष) का पति चन्द्रभान से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। महिला ने अपनी बेटियों ज्योति (7 वर्ष), राखी (5 वर्ष) और बेटे सूर्यांश (2 वर्ष) को लेकर पास के कुएं में कूद गई। बच्चों को डूबता देख महिला ने शोर मचाया, जिसको सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन लोगों ने महिला को बाहर निकाला। जब महिला से बच्चों के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि तीनों बच्चे डूब गए हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों बच्चों को बाहर निकाला व महिला सहित तीनों बच्चों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया, वहीं महिला का उपचार चल रहा है। पुलिस ने तीनों बच्चों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया।

पीएसी आरक्षियों की पासिंग आउट परेड संपन्न

बुलन्दशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में प्रशिक्षण ले रहे पीएसी के 209 रिक्रूट आरक्षियों की मंगलवार को पासिंग आउट परेड का दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार सिंह ने बताया कि रिजर्व पुलिस लाईन बुलंदशहर में पीएसी आरक्षी पद का आधारभूत प्रशिक्षण ग्रहण किए जाने हेतु इस साल 12 जनवरी को 209 रिक्रूट आरक्षियों को 6वीं वाहिनी पीएसी मेरठ से जनपद बुलन्दशहर रिजर्व पुलिस लाइन में भेजा गया था। रिजर्व पुलिस लाईन में इन आरक्षियो की पासिंग आउट परेड के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि सिंह ने परेड का मान प्रणाम ग्रहण किया। परेड के निरीक्षण के उपरान्त मार्च पास्ट एवं विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान विशिष्ट रिक्रूट आरक्षी मोहित कुमार, मोहित सिरोही, लोकेश यादव, रवि राणा, सावेज, भारत, रुपक सहारण, आदित्य कुमार, मोनित, विशाल दलाल को सिंह ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। रिक्रूट आरक्षी हिमांशु शर्मा को सर्वांग सर्वोत्तम पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया एवं प्रथम परेड कमाण्डर रिक्रूट आरक्षी दिग्विजय धामा, द्वितीय परेड कमाण्डर रिक्रूट आरक्षी आनन्द कुमार व तृतीय परेड कमाण्डर रिक्रूट आरक्षी आदित्य कुमार को भी स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

ज्ञानवापी मामले पर हिन्दू पक्ष में पड़ी फूट

वकील विष्णु जैन पर मुस्लिम पक्ष को लाभ पहुंचाने का आरोप

वाराणसी। वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद श्रृंगार गौरी मामले में हिन्दू पक्ष में फूट पड़ गई है। मामले के पांच वादियों में से एक राखी सिंह के चाचा और विश्व वैदिक सनातन संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह विशेन ने हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु जैन पर मुस्लिम पक्ष को लाभ पहुंचाने का आरोप लगा दिया है। मंगलवार को जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र देकर अधिवक्ता विष्णु जैन पर केस समाप्त करवाने का आरोप लगाया। कहा कि जैन स्टेट कौंसिल के सदस्य हैं। वह एक सरकारी अधिवक्ता होने के बावजूद सरकार के खिलाफ केस लड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विष्णु जैन इंडियन इस्लामिक कल्चर सेंटर के अधिकृत सदस्य हैं। सेंटर के कहने पर विष्णु जैन की ओर से इस प्रकरण में वकालतनामा दाखिल किया गया है।

कहा कि मुस्लिम पक्ष अधिवक्ता विष्णु जैन को आधार बनाकर केस को खत्म करवा सकता है। केस समाप्त न हो इसलिए जिला जज की अदालत में आज प्रार्थना पत्र दिया है। यह भी आरोप लगाया कि केस को समाप्त करने के लिए षड्यंत्र किया जा रहा है। कहा कि इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर की संरक्षक सोनिया गांधी हैं।

विसेन ने कहा कि उस शख्स का नाम तो नहीं खोलूंगा, लेकिन उनका मेंबरशिप नंबर-1289 है। उस शख्स ने पूरी तरह से विष्णु शंकर जैन को अपनी कठपुतली बना रखा है। इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर ने ज्ञानवापी मामले को हाईजैक कर लिया है।

विसेन ने सवाल किया कि एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने 26 मई 2022 को मां श्रृंगार गौरी मामले की वादिनी मंजू व्यास, सीता साहू, लक्ष्मी देवी और रेखा पाठक के हस्ताक्षर से कोर्ट में वकालतनामा पेश किया। इसमें श्रृंगार गौरी मामले की अहम वादिनी राखी सिंह नहीं शामिल थीं। उससे पहले उन्होंने कभी वकालतनामा नहीं दाखिल किया था।

विसेन ने कहा कि विष्णु शंकर जैन ने राज्य के खिलाफ कैसे वकालतनामा पेश किया, जबकि वही सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश सरकार के अधिवक्ता हैं। जो स्टेट का अधिवक्ता है वह उसी के खिलाफ मुकदमे में अपना वकालतनामा दाखिल नहीं कर सकता है। इसी आधार पर मुस्लिम पक्ष हमारे दावे और तर्कों को खारिज करा देगा। इस तरह से एडवोकेट विष्णु शंकर जैन साजिश रचकर हमारा दावा खत्म कराने पर तुले हैं। वकालतनामा उन्होंने इसीलिए लगाया ताकि हमारा मुकदमा आसानी से खारिज हो जाए।

यूपी में पहली बार जंगल के बीच बसे लोगों का बदलेगा ठिकाना

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश में पहली बार किसी जंगल के बीच बसे गांव का ठिकाना बदलने की तैयारी है। पुनर्स्थापना की यह कवायद दुधवा टाइगर रिजर्व के कोर जोन में बसे भरतापुर गांव में की जाएगी। इसके लिए सहमति बन गई है। कई गांव जंगल की गोद में बसे हैं। टाइगर रिजर्व बनने के बाद इन गांवों पर बाघ और तेंदुओं का खतरा मंडराता रहा है। गांव के लोगों की जंगल पर निर्भरता भी कम नहीं हो रही। ऐसे में वन विभाग इन गांवों के लोगों को हटाने की बजाय उनकी पुनर्स्थापना की कवायद में लगा है। पहली सफलता कतर्निया घाट सेंच्युरी में बसे भरतापुर में मिलती दिख रही है। दुधवा टाइगर रिजर्व के निदेशक संजय पाठक ने बताया कि यह गांव गेरुआ नदी के किनारे है और बीच जंगल में है। गांव वाले गेरुआ नदी पारकर जंगल के बीच से निकलते हैं। जंगल के बीच में होने की वजह से गांव वालों को सुविधाएं भी नहीं मिल पातीं। इस वजह से गांव को कहीं और बसाने की तैयारी की गई है। उन्होंने बताया कि इसमें सफलता मिल रही है। कतर्निया घाट के डीएफओ आशीष बधावन बताते हैं कि योजना के तहत गांव के हर बालिग को 15 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। गांव में 260 लोग रहते हैं। इनमें से 238 लोग सहमति दे चुके हैं। इनकी पुर्नस्थापना के लिए बजट की मांग की गई है।

बधावन बताते हैं कि इससे पहले राजस्थान के रणथंबौर टाइगर रिजर्व में भी यह सफल प्रयोग हो चुका है। अब यूपी के टाइगर रिजर्व में पहली बार यह होने जा रहा है। डीएफओ बधावन ने बताया कि गांव की पुनर्स्थापना के लिए दो विकल्प होते हैं। इनमें से एक तो वह विकल्प है, जिस पर काम किया जा रहा है और दूसरा यह है कि वन विभाग इनको अलग से जमीन व आवास दे।

बहराइच में सड़क हादसा, कार की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटे की मौत

बहराइच। बहराइच में नानपारा-लखीमपुर हाईवे पर गिरगिट्टी गांव के पास तेज रफ्तार कार ने विपरीत दिशा से आ रही बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार मां बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मोतीपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मां बेटे की सांसें थम गईं। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम कराकर दोनों लाशें परिजनों को सौंप दिया है। लखीमपुर जिले के ईशानगर थाने के शकरपुर गांव निवासी 35 वर्षीय राजू पुत्र रामगुलाम अपनी मां 55 वर्षीय रमावती के साथ रिश्तेदारी में मोतीपुर थाने के झाला गांव गए थे। सोमवार रात यह दोनों मां- बेटे बाइक से अपने गांव शकरपुर जाने को निकले थे। जैसे ही वह मोतीपुर थाने के लखीमपुर -नानपारा हाईवे के गिरगिट्टी गांव के पास पहुंचे, तभी लखीमपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार आल्टो कार ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में मां- बेटे गम्भीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही चालक कार सहित फरार हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही एसएचओ मुकेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे। घायलों को मोतीपुर सीएचसी भेजा गया। जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

बुलंदशहर : मोटरसाइकिलों की आमने सामने की भिड़ंत में दो युवकों की मौत

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में दिल्ली नरोरा राजमार्ग पर दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई भिड़ंत में दो युवकों की मौत हो गई एवं तीन गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार सोमवार की रात में हुई यह दुर्घटना अहमदगढ़ थाना क्षेत्र में हुयी। गांव कनेरा निवासी 22 वर्षीय संजय और 20 वर्षीय गुलशन अपने गांव से मोटरसाइकिल पर सवार होकर अहमदगढ़ की ओर जा रहे थे। ग्राम खुदा दिया के पास उनकी मोटर साइकिल सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल से टकरा गई।

छेड़छाड़ से दुः खी 8वीं में पढ़ने वाली बच्ची ने फांसी लगाकर दे दी जान, गांव में तनाव

सिद्धार्थनगर। यूपी के सिद्धार्थनगर में जोगिया कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली कक्षा आठ की एक छात्रा ने सोमवार देर शाम फंदे से लटक कर जान दे दी। परिजनों का आरोप है छेड़खानी और रेप के प्रयास से आहत होकर उसने आत्महत्या की। तनाव बढ़ता देख एएसपी और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई थी।

जोगिया कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की कक्षा आठ की छात्रा ने फंदे से लटक कर जान दे दी। मौत के बाद बच्ची के पिता ने कोतवाली पर तहरीर देकर गांव के ही चार युवकों पर आरोप लगाया कि सोमवार देर शाम अपने पैतृक गांव लखनापार से लौटते समय उन्होंने रास्ते में रोक कर उसकी बेटी के साथ छेड़खानी की और रेप का कुत्सित प्रयास किया।

आरोप है कि इसी घटना से आहत होकर उनकी बेटी ने जान दे दी। शव मिलने के बाद कुछ लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया इससे गांव में तनाव बढ़ने लगा।

सूचना पर रात में ही एएसपी सुरेश चंद्र रावत, जोगिया, बांसी, सिद्धार्थनगर के साथ कुछ अन्य थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई और लोगों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। रात में ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जोगिया कोतवाली प्रभारी दिनेश कुमार सरोज का कहना है कि सूचना पर वह तत्काल मौके पर पहुंच गए थे। शव बेड पर था।

पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम की भी मदद ली जा रही है। मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एएसपी सुरेश चंद्र रावत ने कहा कि तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

अमरोहा में करंट लगने से एक ही परिवार के चार लोग झुलसे, पिता-पुत्र की मौत

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में ई-रिक्शा को चार्जिंग से हटाते समय करंट लगने से एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। इस हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई, जबकि मां और एक अन्य बेटे की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गजरौला थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा को चार्जिंग से हटाते समय करंट लगने से एक ही परिवार में दंपती और उनके दो बेटे झुलस गए। चीख पुकार सुनकर इकट्ठा हुए मोहल्ले के लोगों ने बिजली की आपूर्ति को जब तक बंद किया तब तक चारों गंभीर रूप से झुलस चुके थे। पुलिस ने बताया कि घायलों के उपचार से डॉक्टरों के इंकार के बाद ई-रिक्शा चालक और उसके बेटे ने ईलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। जबकि मां और बेटे की हालत नाजुक बनी है। यह दर्दनाक हादसा

गजरौला थाना क्षेत्र के चौहानपुरी मोहल्ले का है। यहां मजदूर राकेश कुमार (40) का परिवार रहता है। राकेश कुमार ई-रिक्शा चलाकर परिवार का पालन पोषण करते थे।

सोमवार की रात घर में ई-रिक्शा चार्जिंग पर लगाकर परिवार के सभी सदस्य सो गए। अगले दिन मंगलवार को सुबह होने पर ई-रिक्शा को चार्जिंग से हटाते समय राकेश कुमार अचानक बिजली की चपेट में आ गए। पिता को बिजली की चपेट में देखकर कपिल (19) तथा सचिन उर्फ निगम दोनों बेटे और पत्नी किरन को भी करंट ने अपनी चपेट में ले लिया। चीख पुकार मचने पर इकठ्ठा मोहल्ले के लोगों द्वारा घर की बिजली काटी गई। जिसके बाद चारों को अलग किया।

आरोप है कि औद्योगिक नगर गजरौला मे निजी अस्पतालों में प्राथमिक उपचार देने से स्पष्ट इंकार के बाद मुरादाबाद ले जाते समय पिता राकेश और पुत्र कपिल दोनों की रास्ते में मौत हो गई। जबकि दूसरे बेटा सचिन उर्फ निगम तथा किरन की हालत गंभीर है। गजरौला थाने के कार्यकारी प्रभारी एस एस आई प्रेमपाल सिंह ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि वह किसी अन्य कार्य में व्यस्त होने की वजह से हादसे के शिकार हुए लोगों को समय से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं करा सके।

रामपुर में करेंट लगने से तीन मृतकों के परिजनों को मिलेगा चार लाख हर्जाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामपुर जिले में बिजली के हाईटेंशन वायर की चपेट में आये तीन ग्रामीणों की मौत पर मंगलवार को दुख व्यक्त करते हुए मृतक आश्रितों को चार चार लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार रामपुर जिले के ग्राम तिराहा में सोमवार को हुयी इस घटना में मां, बेटी और एक अन्य किसान की मौत पर योगी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए इस दैवीय आपदा में जान गंवाने वाले तीन मृतकों के परिजनों को 04-04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि खेत पर चारा लेने गयी मां बेटी और एक अन्य किसान की हाईटेंशन लाइन के तार की चपेट में आने से मौत हो गयी थी।

अब जनसंख्या कानून को लेकर बरसे सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क

संभल। संभल के सपा सांसद डा. शफीकुर्रहमान बर्क अब जनसंख्या कानून को लेकर बरसे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक फायदा उठाने की मंशा से भाजपा जनसंख्या का मुद्दा उछाल रही है। सपा सांसद ने जनसंख्या कानून के बजाय तालीम और रोजगार के लिए काम करने की सरकार को नसीहत दी। गौरतलब है कि सोमवार को सीएम योगी ने कहा था कि जनसंख्या का असंतुलन नहीं होना चाहिए। एक ही वर्ग की आबादी बढ़ने से अराजकता पैदा होगी। जनसंख्या नियंत्रण पर जागरूकता की जरूरत है। सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क़ ने कहा कि औलाद पैदा करने का ताल्लुक इंसान से नहीं बल्कि इसका ताल्लुक अल्लाह ताला से है। अल्लाह जो बच्चा पैदा करता है उसका रिज़्क उसके साथ भेजता है। सरकार को यह कानून लाने के बजाय तालीम पर ज़ोर देना चाहिए और हर छोटे बड़े इंसान के लिए सरकार को पूरी व्यवस्था करनी चाहिए। अगर हर किसी को तालीम मिल जाएगी तो जनसंख्या का मुद्दा खुद ही हल हो जाएगा। बर्क ने इस कानून के पीछे 2024 के चुनाव में भाजपा द्वारा राजनीतिक फायदा लेने की मंशा बताई। सपा सांसद ने कहा कि देश भर में बेरोजगारी और गुरबत छाई हुई है और 2024 का लोकसभा चुनाव सिर पर है। इसलिए वोट लेने के लिए भाजपा लोगों के नजरिये को बदलना चाहती है। यह इंसानी मामला है लेकिन हर चीज को इस एंगिल से नहीं देखना चाहिए। कहा कि जब इंसान अपने हालात से वाकिफ होगा तो वह अपने आप गृहस्थी का भी इंतजाम करेगा। बिहार के मंत्री के मुसलमानों द्वारा जनसंख्या बढ़ाने के बयान पर बर्क ने कहा कि अब मुसलमानों के जनसंख्या बढ़ाने की बात कह रहे हैं जबकि इससे पहले मुसलमानों के बहुत कम तादात में बच्चे पैदा होने की बात कहते थे।

काशी विश्वनाथ की तर्ज पर दूधेश्वर मंदिर कोरिडोर बनाने की मांग

गाजियाबाद। साधु संतों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर राज्य के गाजियाबाद में स्थित दूधेश्वनाथ मंदिर परिसर को भी कोरिडोर में बदलने की मांग की है। पंच दशनाम जूना अखाड़े के प्रवक्ता तथा श्रीदूधेश्वरनाथ मठ मंदिर गाजियाबाद के श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने आज बताया कि अखाड़े के साधु संतों ने श्री योगी से उनके सरकारी आवास पर भेंट की और उनसे दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर परिसर को काशी की तर्ज पर गलियारे में बदलने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि श्रीदूधेश्वर पीठ उत्तर भारत में बाबा भोलेनाथ के प्रमुख मंदिरों में शामिल हैं। इस मंदिर में छत्रपति शिवाजी महाराज ने विशेष पूजा अर्चना की थी। मंदिर में एक हजार साल से श्रीमहंतों की परंपरा का इतिहास है और मंदिर परिसर में एक हजार साल से मंदिर के श्रीमहंतों की समाधियां हैं जिनकी आज भी पूजा अर्चना होती है।

जौनपुर : वाई-फाई की सुविधा से लैस हुआ महाविद्यालय

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित तिलकधारी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आलोक कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि पठन-पाठन का बेहतर माहौल बनाने और छात्रों की सुविधा के लिए महाविद्यालय को वाईफाई की सुविधा से लैस कर दिया गया है।

प्राचार्य प्रो सिंह ने कहा कि वाईफाई का नेटवर्क कृषि, कला एवं विज्ञान संकाय के अलावा पुस्तकालय में उपलब्ध रहेगा। जहां बच्चे अपनी सुविधा के अनुसार वाईफाई का

निशुल्क इस्तेमाल कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि कॉलेज में पुस्तकालय को पूरी तरह डिजिटल बना दिया गया है। जिससे छात्रों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

प्रो सिंह ने कहा कि कॉलेज में इस सत्र से नए कंप्यूटर कोर्स के रूप में ट्रिपल सी और ओ लेवल शुरु हुआ है। कोई भी छात्र अपनी सुविधा के अनुसार यह कोर्स कर सकेगा। छात्रों की सुविधा के लिए इसे सुबह 7 से 10 और शाम 5 बजे से संचालित किया जाएगा, ताकि छात्रों की दूसरे विषयों की कक्षाएं प्रभावित न हो सके। छात्रों को यह सुविधा 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर मिलेगी। उन्होंने कहा कि पहले कॉलेज बंद होने के बाद परिसर में अराजकता का माहौल होता था इसकी शिकायत मिलने पर यहां अब गार्ड की तैनाती कर दी गई है जिसे अब कालेज परिसर में बेहतर और सुरक्षित माहौल है ।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सुविधा के लिए स्टेडियम में खेल की जरूरी सामग्री और बेहतर लाइट के इंतजाम कर दिए गए हैं। कालेज परिसर में नई बिल्डिंग की स्थापना की गई है जहां कॉमर्स की कक्षाएं भी अब समय से संचालित की जा रही है।

ओडीओपी उत्पादों की वैश्विक ब्रांडिंग के लिये आईआईपी की शाखा खुलेगी यूपी में

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की एक जिला एक उत्पाद योजना (ओडीओपी) के उत्पादों की वैश्विक स्तर पर ब्रांडिंग करने के लिये इन उत्पादों की पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देने के लिये राज्य में अंतरराष्ट्रीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी) की एक शाखा उत्तर प्रदेश में ही खोली जायेगी।

राज्य सरकार के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुसार अब ओडीओपी उत्पादों की विश्व स्तरीय पैकेजिंग के लिए लघु सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग विभाग (एमएसएमई) अंतरराष्ट्रीय पैकेजिंग संस्थान से प्रदेश में इसकी एक शाखा खोलने के बाबत बात कर रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इसके लिए सरकार संस्था को इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन में जगह देने

के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रही है।

एक अधिकारी ने बताया कि संस्थान की शाखा खुलने के बाद जिलों के ओडीओपी उत्पादों की जरूरत के अनुसार पैकेजिंग के लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। उत्पाद बाजार की मांग के अनुसार गुणवत्ता में वैश्विक स्तर के हों, इसके लिए हर जिले को एक स्थानीय तकनीकी संस्थान से जोड़ा जाएगा। अपर मुख्य सचिव एमएसएमई नवनीत सहगल के अनुसार यह कार्यवाई तीन हफ्ते के अंदर होनी है।

उत्पाद जैसे दिखेंगे, वैसे बिकेंगे, इस तर्ज पर इन उत्पादों के प्रदर्शन पर जोर होगा।

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार केंद्र सरकार के हर मंत्रालय के कार्यालय में ओडीओपी के कम से कम एक आउटलेट खोले जाएंगे। यहां तैनात कर्मचारियों को इस तरह प्रशिक्षित किया जाएगा कि वह उत्पाद की खूबियों के बारे में आगन्तुकों को बेहतर तरीके से बता सकें। इसी तरह के आउटलेट मंडल स्तर के रेलवे स्टेशनों और प्रमुख एयरपोर्ट्स पर भी खोले जाएंगे।

देश-दुनिया में ऐसे उत्पादों की आयोजित होने प्रदर्शनियों में ओडीओपी के उत्पादों का अधिक से अधिक प्रतिभाग हो इसके लिए इनमें जाने वालों के खर्च के साथ उनके रहने का व्यय भी सरकार वहन करेगी। देश-दुनिया में होने वाले ऐसे आयोजनों का विभाग एक कैलेंडर तैयार करेगी। इन प्रदर्शनियों की खासियत के अनुसार ओडीओपी के उत्पादों को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। ऑनलाइन बाजार के बढ़ते क्रेज के मद्देनजर सरकार इसके ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को और विस्तार देगी।

इस बाबत पहले ही अमेजन एवं फ्लिपकार्ट जैसी ऑनलाइन दिग्गज कंपनियों से मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग हो चुका है। हाल ही में सरकार और अमेजन के बीच एक एमओयू पर दस्तखत किए गए हैं। अमेजन ने कानपुर में एक डिजिटल केंद्र स्थापित किया है। इससे ओडीओपी इकाइयों को अपना उत्पादन बेचने का देश-दुनिया में बड़ा प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा।

ज्ञात हो कि 24 जनवरी 2018 में उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर ओडीओपी योजना लांच हुई थी। इसके बाद से सरकार लगातार ओडीओपी उत्पादों की ब्रांडिंग में लगी है।

कानून की मूल भावना के अनुरुप हो आरटीआई आवेदनों का निस्तारण : सुभाष चंद्र सिंह

एजेंसी

देवरिया। उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त सुभाष चंद्र सिंह ने मंगलवार को जन सूचना अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की मूल भावना के अनुरुप आरटीआई आवेदनों का निस्तारण करने का निर्देश अधिकारियों दिया।

जिला प्रशासन के प्रवक्ता ने बताया सिंह ने यहां कलेक्ट्रेट सभागार में देवरिया एवं कुशीनगर जनपदों में लंबित आरटीआई प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आरटीआई आवेदनों की समय से सूचना दें। जिससे पारदर्शिता में वृद्धि के साथ ही कार्यप्रणाली में सुधार भी होता है, जिसका लाभ अंततः नागरिकों को सुशासन के रूप में मिलता है।

राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि अक्सर यह देखने में आता है कि जन सूचना अधिकार के तहत आने वाले आवेदन सही कार्यालय में नहीं पहुंचते है, जिससे सूचना मिलने में समस्या आती है। ऐसे आवेदनों का अंतरण 5 दिन की अवधि में संबंधित विभाग को कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी का स्थानांतरण होता है तो उस

खुदरा मुद्रास्फीति जून में घट कर 7.01 प्रतिशत

नयी दिल्ली, 12 जुलाई (वार्ता) डीजल-पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में कटौती के असर को परिलक्षित करते हुए देश में खुदरा मुद्रास्फीति जून में भी हल्की नरम होकर 7.01 रही। इससे पिछले महीने यह घट कर 7.04 प्रतिशत थी।

खुदरा मुद्रास्फीति कई माह से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए सहज सीमा से ऊपर है। रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के दायरे में रखने का लक्ष्य दिया गया है जिसमें कुछ समय के लिए दो प्रतिशत की घट-बढ़ को सहन किया जा सकता है। आरबीआई मौद्रिक नीति तय करते समय खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों को ध्यान में रखता है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में ग्रामीण मुद्रास्फीति 7.09 प्रतिशत और शहरी मुद्रास्फीति 6.92 प्रतिशत थी।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विस की मुख्य अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा ने कहा, खुदरा मुद्रास्फीति में माह-दर-माह जून में भी आयी नरमी मोटर ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती के पूरे प्रभाव को परिलक्षित करती है।

उन्होंने कहा कि इसमें कुछ आवश्यक वस्तुओं के आयात पर शुल्क में कमी तथा वैश्विक बाजार में

खाद्य तेलों में आयी नरमी के बार देश में इसकी कीमत घटने की उम्मीद का भी असर पड़ा है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि समूह के मुख्य अर्थशास्त्री निखिल गुप्ता ने कहा कि जून 2022 में खुदरा मुद्रास्फीति मुख्यतः खाद्य मुद्रास्फीति (7.75 प्रतिशत) और विनिर्मित वस्तुओं संबंधी मुख्य मुद्रास्फीति (6.2 प्रतिशत) में कमी के कारण रही।

गुप्ता के अनुसार खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट बाजार की उम्मीद से अधिक है। बाजार को उम्मीद थी कि यह जून में बढ़ कर 8.8 प्रतिशत के आस-पास रहेगी। मई में खाद्य मुद्रास्फीति 7.97 प्रतिशत थी।

उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के जून के आंकड़ों का आरबीआई की अगस्त की समीक्षा बैठक की दृष्टि से कोई बड़ा महत्व नहीं दिखता क्योंकि बाजार पहले से यह उम्मीद किए बैठा है कि इस बैठक में नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की और वृद्धि तय है।

आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि जून 2022 में खाद्य और पेय पदार्थों और विविध वस्तुओं की मुद्रास्फीति में कमी को पान, तंबाकू और नशीले पदार्थों, कपड़ों और जूते, आवास और ईंधन की महंगाई ने करीब-करीब बराबर कर दिया।

उन्होंने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि खाद्य तेलों की कीमतों में हालिया गिरावट से जुलाई 2022 में खाद्य मुद्रास्फीति और शांत हो जाएगी हालांकि वर्षा में खराब होने वाली वस्तुओं की कीमतों में अस्थायी रूप से वृद्धि हो सकती है। बुवाई वाले खरीफ क्षेत्र में अभी पिछले साल से 9.3 प्रतिशत की कमी चल रही है। मानसूनी बारिश के अनियमित और छिटपुट रहने से मुद्रास्फीति के बढ़ने की प्रत्याशा का प्रभाव पड़ सकता है।

44 अरब डॉलर से अधिक के वस्त्र और हस्तशिल्प का निर्यात

ग्रेटर नोएडा। कोरोना महामारी के बीच भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 में 44 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के वस्त्र और हस्तशिल्प का निर्यात किया।

केंद्रीय वस्त्र सचिव यू पी सिंह ने आज यहां केन्द्रीय वस्त्र राज्य मंत्री दर्शना विक्रम जरदोश की मौजूदगी में 4 दिवसीय ट्रेड शो एचजीएच इंडिया के उद्घाटन के अवसर पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह निर्यात एक रिकार्ड है और घरेलू बाजार में टेक्सटाइल की मांग बहुत ज्यादा है। विशेष रूप से महामारी के बाद, टेक्सटाइल के तहत एक क्षेत्र जिसे वास्तव में बढ़ावा मिला है, वह है होम टेक्सटाइल।

इस मौके पर केन्द्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, जो मेक इन इंडिया की लहर को प्रदर्शित करने और इसे विश्व स्तर पर चमकने का सबसे अच्छा समय है। यहां हमारा उद्देश्य सभी को एक साथ लेकर आगे बढ़ने का है। उन्होंने कहा कि एचजीएच इंडिया होम डेकोर, गिफ्ट एवं हाउसवेयर क्षेत्र के राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर के छोटे एवं बड़े ब्रांड निर्माताओं को एक साथ लेकर इसका आयोजन कर रहा है। साथ में लेकर आगे बढ़ने का सही समय है और जैसा कि प्रधानमंत्री हमेशा कहते हैं यही समय है सही समय है, ऐसे समय में एचजीएच के आयोजन को लेकर मेरी सभी को शुभकामनायें।

उन्होंने कहा कि एचजीएच इंडिया स्थानीय कारीगरों और छोटे व्यापारियों को बढ़ावा दे रहा है, जिससे उन्हें इस मंच के माध्यम से बढ़ने में मदद मिल रही है। अमूमन ऐसी गतिविधियों होती हैं, जो या तो घरेलू बाजार या अंतरराष्ट्रीय कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं लेकिन एचजीएच इंडिया में, दोनों दुनिया का एक सुंदर मिश्रण है, जो इसे इस वैश्विक स्तर पर प्रतिभा, नवाचार और प्रौद्योगिकी का मिश्रण बनाता है।

एचजीएच इंडिया के प्रबंध निदेशक अरुण रूंगटा ने 11वें संस्करण से अपेक्षित परिणाम के बारे में बात की, जो ग्रेटर नोएडा में लगातार दूसरा शो भी है। उन्होंने कहा, बढ़ती आय और आकांक्षाओं के साथ, भारतीय उपभोक्ता उच्च गुणवत्ता और ब्रांडेड घरेलू उत्पादों पर खर्च करते हैं, जो अब चीन से भी आगे तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 5 वर्षों के लिए घरेलू श्रेणी के अधिकांश उत्पादों के लिए 20 फीसदी से अधिक की लगातार वार्षिक मांग वृद्धि के साथ, हमें अगले दशक में इस गति को बनाए रखने की उम्मीद है। भारतीय बाजार अच्छे समय की ओर बढ़ रहा है। इस वर्ष पिछले संस्करणों की तुलना में विज़िटर पंजीकरणों की संख्या अधिक होने के साथ, और होम स्पेस में दुनिया के कुछ सबसे लोकप्रिय ब्रांड अपने सफल तकनीकी नवाचारों को प्रदर्शित कर रहे हैं।

एचजीएच इंडिया व्यापार के लिए कई नवोन्मेषी उत्पादों का पता लगाने और फर्निशिंग फैब्रिक, ब्लाइंड्स, बेड एंड बाथ, डेकोरेटिव मेड-अप्स, टेबल और किचन लिनन, रग्स और कार्पेट, वॉलपेपर, वुडन और जैसी श्रेणियों में उनकी आपूर्ति को स्थिर करने का एक मंच है।

इसके अतिरिक्त सिंथेटिक फर्श, सजावटी सामान, हस्तशिल्प, घरेलू फर्नीचर, बाहरी जीवन शैली, घरेलू सामान, बरतन, रसोई के बर्तन, कांच के बने पदार्थ, टेबलवेयर, प्लास्टिक उत्पाद, बच्चों के घरेलू उत्पाद और विभिन्न प्रकार के उपहार भी इस शो के विभिन्न आकर्षण हैं।

कोयला, खनन क्षेत्र का उत्पादन बढ़ाने का भरसक प्रयास : प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय कोयला, खनन एवं संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि सरकार देश के निर्माण में कोयला और खनन क्षेत्र का भरसक उपयोग करना चाहती है।

उन्होंने कहा कि यह दोनों क्षेत्र उच्च उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। श्री जोशी कोयला और खनन मंत्रालय के तहत आने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के गैर-सरकारी निदेशकों के लिए यहां आयोजित अपनी तरह के पहले ओरिएन्टेशन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कोयला मंत्री ने कहा कि यह गैर-सरकारी निदेशक सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की कार्यकुशलता में और अधिक सुधार लाने के काम में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि देश का कोयला और खनन क्षेत्र प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत परिकल्पना के अनुरूप देश के निर्माण एवं देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि कोयला और खनन क्षेत्र रोजगार के अवसर पैदा करने वाले सबसे बड़े क्षेत्र हैं।

इस कार्यक्रम में कोयला, खनन एवं रेल राज्य मंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे, कोयला मंत्रालय के सचिव अनिल कुमार जैन, कोयला और खनन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और सहायक संगठनों के अशासकीय निदेशकों ने भाग लिया।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि मई में बढ़ कर 19.6 प्रतिशत

नई दिल्ली। विनिर्माण और बिजली क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन की बदौलत देश में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन वृद्धि मई 2022 में पिछले वर्ष इसी माह की तुलना में 19.6 प्रतिशत रही। अप्रैल,2022 में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत थी।

मई 2021 में औद्योगिक वद्धि 27.6 प्रतिशत थी लेकिन उसमें मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी के कारण एक साल पहले के निम्न-तुलनात्मक आधार का प्रभाव था। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मई, 2022 में विनिर्माण क्षेत्र में 20.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समीक्षाधीन माह के दौरान बिजली और खनन क्षेत्र के उत्पादन में क्रमशः 23.5 प्रतिशत और 10.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आलोच्य माह के दौरान प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन सालाना आधार पर 17.7 प्रतिशत ऊंचा रहा जबकि पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में 54 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। माह के दौरान माध्यमिक वस्तुओं ,अवसंरचना / निर्माण उद्योग और टिकाऊ उपभोक्ता सामान उद्योग में सालाना आधार पर क्रमशः 17.9 फीसदी, 18.2 फीसदी और 58.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गयी। इस अवधि के दौरान गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु उद्योग में 0.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अंतरिक्ष संघ ने बनायी राष्ट्रीय सलाहकार समिति, राजधानी में बनाया नया कार्यालय

नयी दिल्ली। अंतरिक्ष और उपग्रह क्षेत्र की घरेलू कंपनियों के संघ-इंडियन स्पेस एसोसिएशन (आईएसपीए) ने विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन (वीआईएफ) के निदेशक अध्यक्ष डॉ अरविंद गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को एक राष्ट्रीय सलाहकार समिति के गठन की घोषणा की जो इस क्षेत्र से जुड़ी इकाइयों और संगठनों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने की भूमिका निभाएगा।

आईएसपीए की एक विज्ञप्ति के मुताबिक एनएसी के सदस्यों के प्रारंभिक सदस्यों में सेवानिवृत्त वायु-सेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया, अरुण के सिंह (पूर्व राजदूत), डॉ शैलेश नाइक (राष्ट्रीय उच्च-अध्ययन संस्थान, बेंगलूरु के निदेशक और सदस्य इन-स्पेस), सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल वी जी खंडारे, प्रो. कामकोटि (आईआईटी मद्रास के निदेशक), डॉ सिद्धार्थ शेखर सिंह (इंडियन स्कूल आफ बिजनेस में मार्केटिंग के सह-प्राचार्य), सेवानिवृत्त मेजर जनरल शिव कुमार, सेवानिवृत्त ग्रुप कैप्टन अजय लेले (मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस में सीनियर फेलो) शामिल हैं। इनके अलावा इसमें अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को स्थान दिए जाने की संभावना है। श्री अमित कुमार घोष, आईएएस (अतिरिक्त सचिव,सड़क परिवहन एवं राजमार्ग) समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। आईएसपीए के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट (सेवानिवृत्त) और इसके निदेशक विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) सत्यम कुशवाहा समिति के क्रमशः संयोजक और सचिव होंगे।

संगठन इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की इकाइयों के लिए काम-काज के पारिस्थितिकी तंत्र की रूपरेखा निर्धारित करने के लिए एक समग्र-सोच का निर्माण करना चाहता है।

इन स्पेस के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका ने नयी दिल्ली में यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) भवन में इंडियन स्पेस एसोसिएशन के पहले कार्यालय का उद्घाटन किया।

इंडियन स्पेस एसोसिएशन के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि राष्ट्रीय सलाहकार समिति के निर्माण के साथ संघ का उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष उद्योग में सार्वजनिक निजी भागीदारी में नीति, विनियमों और पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में रणनीतिक दिशा प्रदान करने के लिए विशेषज्ञता लाना है। आईएसपीए का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

शेयर बाजार दूसरे दिन भी गिरा

मुंबई। वैश्विक बाजार के नकारात्मक संकेत से हतोत्साहित निवेशकों को स्थानीय स्तर पर बेसिक मैटेरियल्स, सीडीजीएस, एफएमसीजी, आईटी, ऑटो, धातु और टेक समेत पंद्रह समूहों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार में आज लगातार दूसरे दिन भी गिरावट रही तथा सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक प्रतिशत तक लुढ़क गए।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 508.62 अंक टूटकर 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 53,886.61 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 157.70 अंक गिरकर 16,058.30 अंक पर आ गया। बीएसई का मिडकैप 0.51 उतरकर 22,681.01 अंक और स्मॉलकैप 0.52 प्रतिशत की गिरावट लेकर 25,781.41 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई के 15 समूहों में बिकवाली हुई। बेसिक मैटेरियल्स 0.88, सीडीजीएस 0.93, एफएमसीजी 1.03, वित्त 0.86, आईटी 1.29, ऑटो 1.13, बैंकिंग

0.94, कैपिटल गुड्स 0.91, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.64, धातु 1.16 और टेक समूह के शेयर 1.21 प्रतिशत गिर गए।

यूरोपीय और एशियाई बाजारों में गिरावट का रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.31, जर्मनी का डैक्स 0.63, जापान का निक्केई 1.77, हांगकांग का हैंगसेंग 1.32 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.97 प्रतिशत गिर गया।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 175 अंक कमजोर होकर 54,219.78 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद 54,236.49 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। उतार-चढ़ाव से गुजरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में बिकवाली होने से यह 53,824.97 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 54,395.23 अंक की तुलना में 0.94 प्रतिशत टूटकर 53,886.61 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3467 कंपनियों के शेयर में कारोबार हुआ, जिनमें से 1826 में बिकवाली जबकि 1472 में लिवाली हुई वहीं 169 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निफ्टी की शुरुआत भी कमजोर रही और यह 90 अंक फिसलकर 16,126.20 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 16,158.75 अंक उच्चतम जबकि 16,031.15 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,216 अंक के मुकाबले 0.97 प्रतिशत लुढ़ककर 16,058.30 अंक पर रहा। एनएसई में 44 कंपनियां लुढ़की वहीं शेष छह में तेजी रही।

इस दौरान बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और एनटीपीसी की 1.87 प्रतिशत की तेजी को छोड़कर सेंसेक्स की 27 कंपनियों में गिरावट रही। इंफोसिस ने सबसे अधिक 2.33 प्रतिशत का नुकसान उठाया। इसके अलावा लाल निशान पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में पावरग्रिड 1.66, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.64, एचसीएल टेक 1.63, आईसीआईसीआई बैंक 1.25, टाटा स्टील 1.16, मारुति 1.11, एचडीएफसी बैंक 1.05, टीसीएस 0.92, एसबीआई 0.70, एलटी 0.64 और रिलायंस 0.13 प्रतिशत शामिल है।

शक्कर में लिवाली, खाद्य तेलों में तेजी, दलहन मजबूत, दालें महंगी, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में पूछपरख रही। साबूदाना महंगा बिका। खाद्य तेलों में तेजी दर्ज की गई। पाम तेल तथा मूंगफली तेल ऊंचा होकर बिका। ।तिलहन में उठाव रहा। दलहनो में मजबूती बताई गई। दालें महंगी बिकी। आज मूंग दाल तथा मोगर ऊंची बोली गई। चावल में कामकाज सुधार लिए रहा।

किराना बाजार

शक्कर में पूछपरख रही। आज शक्कर में कामकाज 3550 से 3590 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा, हल्दी तथा साबूदाना में उठाव बढ़ा बताया गया।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में मांग से मजबूती दर्ज की गई। आज पाम तेल 10 रुपये तथा मूंगफली तेल 10 रुपये बढ़कर बिका। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बताई गई।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन तेजी लिए रहे। आज मूंग-मसूर ऊंची बिकी। दालों में भाव ऊंचे बोले गए। चावल में पूछपरख रही।

किराना

शक्कर 3550 से 3590 रुपये प्रति क्विंटल।

खोपरा गोला 168 से 190 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4850 से 5450, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 5900 से 6000, रायडा 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1610 से 1630, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1270 से 1275, सोयाबीन साल्वेंट 1245 से 1250, पाम तेल 1275 से 1280 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4975 से 5000, मसूर 6975 से 7000, तुअर निमाड़ी 5700 से 6600, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6800 से 7000, तुअर (कर्नाटक) 6900 से 7100, मूंग 5800 से 6050, मूंग हल्की 5000 से 5400, उड़द 6800 से 7100, उड़द मीडियम 5500 से 6700, उड़द नया 6800 से 7000, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 6000 से 6500, तुअर दाल सवा नंबर 8600 से 8700, तुअर दाल फूल 8800 से 9000, तुअर दाल नई 9300 से 10000, आयातित तुअर दाल 8400 से 8500, मसूर दाल 8000 से 8300, मूंग दाल 8000 से 8300, मूंग मोगर 8500 से 8800, उड़द दाल 8800 से 9100, उड़द मोगर 9500 से 9800 रुपये प्रति क्विंटल।

पेट्रोल-डीजल के दाम 52 वें दिन भी स्थिर

एजेंसी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में उतार-चढाव के बीच देश में मंगलवार को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 52 वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल की कीमतों में करीब 1.5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गयी। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने मई के अंतिम सप्ताह में आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपये और छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से कम क्रमशः 9.5 रुपये और सात रुपये प्रति लीटर तक गिर गए थे।

शार्ट न्यूज

रुपया 14 पैसे लुढ़का

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर मे जारी तेजी और घरेलू शेयर बाजार में लगातार गिरावट के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 14 पैसे लुढ़ककर अबतक के रिकॉर्ड 79.59 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर आ गया। पिछले कारोबारी दिवस रुपया 19 पैसे टूटकर 79.45 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे गिरकर 79.55 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि सत्र के दौरान बिकवाली होने से यह 79.53 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर रहा जबकि लिवाली होने से 79.66 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 79.45 रुपये प्रति डॉलर मुकाबले 14 पैसे उतरकर 79.59 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

फुटवियर उद्योग को नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाने पर हुयी चर्चा

नयी दिल्ली। सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के सपने को साकार करते हुये भारतीय फुटवियर उद्योग को नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाने को लेकर बी2बी नेटवर्किंग सम्मेलन इंडिया फुटवियर सम्मेलन 2022 में चर्चा की है। राजधानी दिल्ली में आयोजित इस सम्मेलन में देश को विनिर्माण के मामले में आत्मनिर्भर बनाने पर चर्चा की तथा विशेषज्ञों ने इसके लिए उद्योग की जरूरतों पर जोर दिया। उद्यमी युगल डॉ दीपिका सिंघल और राहुल सिंघल द्वारा आयोजित इंडिया फुटवियर सम्मेलन को पैकेजिंग इंडिया द्वारा सीफी के सहयोग से प्रस्तुत किया गया। एक दिवसीय कार्यक्रम ने मामूली लागत पर नए और बेहतर उत्पादों को डिजाइन करने के लिए स्थापित प्रथाओं का पता लगाने पर भी विचार विर्मश किया गया। इसका उद्देश्य विकास क्षेत्रों, मार्जिन, आयात पर कम निर्भरता और उत्पाद चक्र आदि में कमी, और फुटवियर उद्योग के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों का समाधान खोजना है।

लेनोवो ने लॉंच किये योगा और लेगिओन सीरीज के नये लैपटॉप

नयी दिल्ली। लैपटॉप और विभिन्न प्रकार के एसोसरीज बनाने वाली प्रमुख कंपनी लेनोवो ने आज भारतीय बाजार में योगा सीरीज के अत्याधुनिक और लेगिओन सीरीज के नये गेमिंग लैपटॉप लॉंच करने की घोषणा की। कंपनी ने यहां कहा कि इसके साथ ही आइडियापैड सीरीज में गेमिंग लैपटॉप उतारे गये हैं। कुल मिलाकर सात नये लैपटॉप पेश किये गये जिसमें लेगिओन 5आई, लेगिओन 5 आई प्रो, लेगिओन स्लिम 7 आई , आइडियापैड गेमिंग थ्री आई के साथ ही योगा 9 आई, योगा स्लिम 7 आई प्रो और योगा 7 आई शामिल है। ये सभी लैपटॉप 12वीं पीढ़ी के इंटेल कोर प्रोसेसर , उन्नत बैटरी प्रदर्शन और लेनोवो के स्मार्टर इन्नोवेशन आधारित है। उसने कहा कि योगा 9 आई की कीमत 169990 रुपये, योगा स्लिम 7 आई प्रो की कीमत 106990 रुपये और योगा 7 आई की कीमत 114990 रुपये है। इसी तरह से लेगिओन 5 आई की कीमत 144990 रुपये, लेगिओन 5आई प्रो कीमत 164990 रुपये और लेगिओन स्लिम 7 आई की कीमत 150990 रुपये है। आइडियापैड गेमिंग थ्री आई की कीमत 84990 रुपये है। उसने कहा कि 13 जुलाई से ये सभी लैपटॉप कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे और 23 जुलाई से अमेजन के साथ ही सभी ऑनलाइन और रिटेल स्टोर पर भी मिलेगें।

इलेक्ट्रोलक्स का भारतीय कंज़्यूमर ड्यूरेबल बाजार में प्रवेश

नयी दिल्ली। वैश्विक अप्लायंस कंपनी इलेक्ट्रोलक्स ने आज भारत में अपना पहला एक्सपीरियंस सेंटर और रिटेल स्टोर खोलने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह नया स्टोर एक ऑम्नीचैनल रिटेल दृष्टिकोण द्वारा भारतीय कंज़्यूमर ड्यूरेबल बाजार में कंपनी के प्रवेश का प्रतीक भी है। कोविड-19 की महामारी ने स्वास्थ्य, स्वच्छता और सतत विधियों को बढ़ावा देने वाले उत्पादों एवं समाधानों की जरूरत का अहसास करा दिया। परिवारों की बढ़ती आय एवं इन-होम अप्लायंसेज़ की बढ़ती लोकप्रियता के साथ कंज़्यूमर ड्यूरेबल उद्योग में अगले कुछ सालों तक लगातार वृद्धि होने की उम्मीद है। इस मांग को पूरा करने के लिए इलेक्ट्रोलक्स रेफ्रिजरेशन, फैब्रिक केयर (वॉशर एवं ड्रायर), एयर प्योरिफिकेशन एवं कंडीशनिंग, डिशवॉशिंग, कुकिंग, एवं वैक्यूम क्लीनर की संपूर्ण श्रृंखला चरणबद्ध रूप से जुलाई से अक्टूबर 2022 तक पेश करेगा। इलेक्ट्रोलक्स इंडिया के व्यवसायिक निदेशक सुधीर पाटिल ने कहा, ''भारत लगातार विकसित होता हुआ बाजार है। यह लॉन्च देश में इलेक्ट्रोलक्स की विस्तृत व्यवसायिक योजनाओं की ओर पहला कदम है। इलेक्ट्रोलक्स उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए गुणवत्तायुक्त समाधान प्रदान करता है। मैं अपने ग्राहकों को सतत व बेहतर जीवन का अनुभव प्रदान करने के लिए आशान्वित हूँ।'' बेहतर जीवन प्रदान करने के प्रयास में इलेक्ट्रोलक्स ने एक गैरलाभकारी संगठन, प्लैनेट वाटर के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत दुनिया में पानी की कमी को संबोधित किया जाएगा। महाराष्ट्र में अपने अभियान के तहत इलेक्ट्रोलक्स और प्लैनेट वाटर समाज के 3600 बच्चों और सदस्यों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति तथा भारत में स्वच्छता शिक्षा कार्यक्रम सुनिश्चित करेंगे।

तमिलनाडु में 500 करोड़ रुपये की अघोषित आय का खुलासा

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने तमिलनाडु में दो करोबारी समूहों पर छापेमारी की है जिसमें 500 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित आय का खुलासा हुआ है। विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि गत छह जुलाई को यह छापेमारी 40 से अधिक परिसरों पर एक साथ की गयी थी। ये समूह ठेकेदारी, रियल एस्टेट और विज्ञापन आदि के क्षेत्र में कार्यरत है। छापेमारी चेन्नई, कोयंबतूर और मदुरै में की गयी। इनमें से एक समूह की जांच के दौरान पता चला कि यह समूह फर्जी भुगतान दिखा रहा है जो समूह को नकद के रूप में फिर से मिल जाता था। दूसरा समूह कई फर्जी कंपनियां बनाकर फर्जीबाड़ा कर रहा था। इस संबंध में कई तरह के डिजिटल और अन्य साक्ष्य मिले हैं। इसके आधार पर 500 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित आय का पता चला है।

जिंसों में टिकाव

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। तेल-तिलहन ः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 17 रिंगिट गिरकर 4120 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का जुलाई वायदा 1.61 सेंट की गिरावट लेकर 59.67 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव स्थिर रहे। अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव टिके रहे। दाल-दलहन : चना 4400-4500,दाल चना 5400-5500, मसूर काली 8600-8700, मूंग दाल 7900-8000, उड़द दाल 9800-9900, अरहर दाल 8500-8600 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2250-2350 रुपये और चावल ः 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3530-3660, चीनी एम. 3650-3750, मिल डिलीवरी 3410-3510 और गुड़ 3600-3700 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 17069 रुपये, मूंगफली तेल 19560 रुपये, सूरजमुखी तेल 19341 रुपये, सोया रिफाइंड 15677 रुपये, पाम ऑयल 13699 रुपये और वनस्पति तेल 15237 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

शार्ट न्यूज

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में स्नेह राणा और तानिया भाटिया की वापसी

मुम्बई। ऑफ़ स्पिन ऑलराउंडर स्नेह राणा की टीम इंडिया में वापसी हो गई है और उनका चयन बर्मिंघम जाने वाली 15 सदस्यीय टीम में किया गया है। पांच साल बाद 2021 में टीम इंडिया में वापसी करने वाली स्नेह को श्रीलंका दौरे के लिए आराम दिया गया था। वहीं दल में अनुभव विकेटकीपर बल्लेबाज़ तानिया भाटिया को भी बुलाया गया है, जो कि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज़ ऋचा घोष की जगह लेंगी। ऋचा को तीन स्टैंडबाई खिलाड़ियों में रखा गया है, जहां उनके साथ पूनम यादव और सिमरन दिल बहादुर भी हैं। तानिया ने अपना आख़िरी टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच मार्च 2020 में ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ विश्व कप फ़ाइनल खेला था। टीम में एक और विकेटकीपर बल्लेबाज़ यास्तिका भाटिया भी मौजूद हैं। श्रीलंका दौरे पर सिर्फ़ वनडे टीम में शामिल बल्लेबाज़ हरलीन देओल और तेज़ गेंदबाज़ मेघना सिंह को भी इस दल में जगह मिली है। इस साल के शुरू में हुए वनडे विश्व कप में ऋचा मुख्य विकेटकीपर थीं। विश्व कप से पहले उन्होंने न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ सीरीज़ में 48.66 की औसत और 114.06 के स्ट्राइक रेट से 146 रन बनाए थे। हालांकि विश्व कप के दौरान उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह सात पारियों में केवल 81 रन ही बना सकीं। उनके ख़राब फ़ॉर्म का सिलसिला महिला टी20 चैलेंज और श्रीलंका सीरीज़ में भी जारी रहा। इसी दौरान विकेटकीपर की ज़िम्मेदारी यास्तिका को दे दी गई। वहीं अगर तानिया की बात करें तो उन्होंने 22 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 9.22 की औसत और 94.31 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

विम्बलडन की टिकट बिक्री में देखी गयी 25000 की कमी

लंदन। ग्रैंड स्लैम आयोजन विम्बलडन में 14 दिनों की रिकॉर्ड उपस्थिति के बावजूद प्री-टूर्नामेंट टिकट बिक्री में पहली बार करीब 25,000 की कमी दर्ज की गयी। ऑल इंग्लैंड क्लब के 2022 आयोजन में 5,15,164 लोग प्रतियोगिता देखने आये। यह विम्बलडन के 145 साल के इतिहास में सर्वाधिक हाजिरी है। इससे पहले 2009 में 5,11,043 और 2019 में 5,00,397 लोग आयोजन में उपस्थित रहे थे। इस साल के आयोजन में 'मध्य रविवार' को होने वाले मैचों के कारण ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद थी। ऑल इंग्लैंड क्लब के अनुमान के अनुसार करीब 5,40,000 लोग विम्बलडन 2022 देखने आ सकते थे, लेकिन ग्राउंड पास उस तरह नहीं बिके जिस तरह उम्मीद की गयी थी। इसके बाद ऑल इंग्लैंड क्लब ने 'टिकटों की समीक्षा' शुरू की है, ताकि टूर्नामेंट के शुरुआती पांच दिनों में लगभग 20,000 लोगों की कमी पर विचार किया जा सके। उल्लेखनीय है कि विम्बलडन के सबसे महंगे टिकटों की बिक्री सफलतापूर्वक की गयी, और 23 लाख झरबेरों (स्ट्रॉबेरी) का भी सेवन किया गया, इसलिये क्लब को नहीं लगता कि टिकटों का मूल्य या लोगों की समाप्त होती रूचि लोगों की अनुपस्थिति का कारण है। साथ ही क्लब ने डिजिटल माध्यम पर बढ़ते हुए दर्शकों पर भी नजर बना रखी है।

मंधाना और गायकवाड वनडे रैंकिंग के टॉप-10 में

दुबई। श्रीलंका में क्रमश: गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने वाली स्मृति मंधाना और राजेश्वरी गायकवाड को वनडे रैंकिंग में फ़ायदा हुआ है और वे क्रमश: बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी रैंकिंग में 9वें स्थान पर काबिज हो गई हैं। वहीं श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू को भी अच्छे प्रदर्शन का लाभ हुआ है और वह अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 8वें स्थान पर हैं। इससे पहले 2017 वनडे विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ 178 रन की विशाल पारी खेलने के बाद वह 8वें स्थान पर पहुंची थीं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस वनडे सीरीज़ में 119 रन बनाए और दो विकेट भी झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का ख़िताब मिला। इस प्रदर्शन का फ़ायदा उन्हें ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में मिला है और वह दो स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर आ गई हैं। मंधाना ने दूसरे वनडे में नाबाद 94 रन की पारी खेली थी और शेफ़ाली वर्मा के साथ रिकॉर्ड 174 रन जोड़े थे। वहीं तीसरे वनडे में गायकवाड ने तीन विकेट लिए थे, जबकि हरमनप्रीत ने 75 रन बनाने के साथ-साथ एक विकेट भी लिया था। शेफ़ाली वर्मा भी तीन स्थान ऊपर चढ़कर बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में 33वें स्थान पर आ गई हैं जबकि तेज़ गेंदबाज़ मेघना सिंह को भी चार स्थान का फ़ायदा हुआ है और वह गेंदबाज़ी की रैंकिंग में 43वें स्थान पर हैं।

अमेरिका में रामकुमार का मिला-जुला प्रदर्शन

न्यू पोर्ट (अमेरिका)। भारत के रामकुमार रामनाथन ने न्यूजीलैंड के अपने साथी जे स्मिथ के साथ मिलकर मेक्सिको को हान्स हाक वीरडुगो और अमेरिका के हंटर रीस को इन्फोसिस हॉल ऑफ फेम ओपन के पुरुष युगल प्री-क्वार्टरफआइनल में मात दी, हालांकि एकल फाइनल क्वालीफाइंग राउंड में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। रामकुमार और स्मिथ की जोड़ी ने सोमवार को 665,330 डॉलर इन्फोसिस हॉल ऑफ फेम ओपन में वीरडुगो और रीस को 6-3, 6-4 के सीधे सेटों में हराया। दूसरी ओर, एकल प्रतियोगिता में उन्हें अमेरिका के विलियम ब्लमबर्ग के हाथों 6-3, 5-7, 4-6 से शिकस्त मिली। इसी बीच, सातवीं सीड खिलाड़ी फ्रांस के आर्थर फिल्स ने भारत के सुमित नागल को अमेर्सफूर्ट में वान मोसेल किया डच ओपन में 6-1, 6-4 से मात दी। 53,120 डॉलर में जॉर्जिया के रोम चैलेंज (अमेरिका) के दूसरी वरीयता प्राप्त माइकल पेरवोलाराकिस ने दूसरे दौर के क्वालीफाइंग मैच में सातवीं वरीयता प्राप्त मुकुंद शशिकुमार को 6-3, 4-6, 6-3 से हराया।

बर्मिंघम जाने से पहले शटलर्स को अभ्यास कराएगा बीएआई

नयी दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) राष्ट्रमंडल खेल 2022 के चयनित खिलाड़ियों के लिये 18 से 24 जुलाई तक संयुक्त अभ्यास का आयोजन करेगा। बीएआई ने मंगलवार को यह जानकारी दी। संघ ने बताया कि भारत की 10-सदस्यीय बैडमिंटन टीम 25 जुलाई को बर्मिंघम के लिये रवाना होने से पहले प्रतिष्ठित कोचों की निगरानी में अभ्यास करेगी। बीएआई के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, राष्ट्रमंडल खेलों से पहले सभी खिलाड़ियों को साथ लाना बेहद महत्वपूर्ण है। किसी भी बड़े आयोजन से पहले इस तरह के अभ्यास सत्र हमेशा खिलाड़ियों को अपनी लय हासिल करने में और एक टीम के रूप में विभिन्न रणनीतियों को तैयार करने और उनपर काम करने में मदद करते हैं। गोल्ड कोस्ट में हुए राष्ट्रमंडल खेल 2018 में भारत ने अपना पहला मिश्रित युगल स्वर्ण पदक जीता था और दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक सहित छह पदकों के साथ भारत शीर्ष पर रहा था। इस जीत में शेट्टी और रंकीरेड्डी द्वारा जीता गया ऐतिहासिक पुरुष युगल रजत भी शामिल था।

स्ट्रीट चाइल्ड विश्व कप के लिये हुई सात टीमों की घोषणा

नयी दिल्ली। बाल रक्षा भारत ने मंगलवार को अपने सहयोगी संगठन स्ट्रीट चाइल्ड युनाइटेड के साथ उन सात टीमों की घोषणा की जो स्ट्रीट चाइल्ड विश्व कप 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। बकेट लिस्ट, चेतना, होप कोलकाता फाउंडेशन, करुणालय, मैजिक बस, प्रो स्पोर्ट डेवलपमेंट और सलाम बालक ट्रस्ट सहित सात टीमें ग्रुप स्टेज में एक दूसरे के खिलाफ यह तय करने के लिये खेलेंगी कि टूर्नामेंट के नॉक-आउट स्टेज में भारत का प्रतिनिधित्व कौन करेगा। इस 10-दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट में दुनिया भर के सड़क से जुड़े बच्चे और युवा लड़के-लड़कियां भाग लेंगे। टीमें स्ट्रीट -20 प्रारूप में खेल खेलेंगी, जिसे भागीदारी के लिए कई बाधाओं को दूर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रत्येक टीम में समान संख्या में लड़कियों और लड़कों सहित छह खिलाड़ी होंगे। कुल मिलाकर, 17 देशों की 23 टीमें इस आयोजन में हिस्सा लेंगी, जिसकी मेजबानी भारत आईसीसी विश्व कप से पहले करेगा। क्रिकेट के अलावा, युवा कला उत्सव और एक बाल-सुलभ कांग्रेस में भी भाग लेंगे, जिसे विश्व स्तर पर सड़क से जुड़े बच्चों के अधिकारों की वकालत करने के लिए आयोजित किया गया है।

हैदराबाद मैराथन 2022 की टी-शर्ट, लोगो लॉन्च

हैदराबाद। एनएमडीसी और हैदराबाद रनर्स सोसाइटी ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और तेलंगाना सरकार के साथ मिलकर 27 और 28 अगस्त को होने वाली एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2022 के लोगो और रेस टी-शर्ट का अनावरण किया।

एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2022 का चेहरा और विश्व बॉक्सिंग चैंपियन निकहत ज़रीन सोमवार को हुए इस आयोजन में वर्चुअली शामिल हुईं।

एनएमडीसी के सीएमडी सुमित देब, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के सीएमओ नारायण टीवी और रेस डायरेक्टर प्रशांत मोरपारिया भी लॉन्च समारोह के दौरान उपस्थित थे।

एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2022 और कर्टेन-रेज़र में 15,000 धावकों एवं स्वास्थ्य और फिटनेस प्रेमियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। आयोजन में 3500 स्वयंसेवकों, 250 चिकित्सा कर्मियों, शहर के अधिकारियों और पुलिस बल को तैनात किया जाएगा।

भारत में मैराथन सीज़न की शुरुआत करते हुए शनिवार, 27 अगस्त को कर्टन रेज़र के तौर पर पांच किलोमीटर की 'फन रन' आयोजित की जाएगी और 10 किलोमीटर, हाफ मैराथन (21.095 किमी) और फुल मैराथन (42.195 किमी) रविवार, 28 अगस्त को आयोजित होगी।

निकहत ज़रीन ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ते हुए, मैं हैदराबाद रनर्स द्वारा समर्थित एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के 11वें संस्करण से जुड़कर खुश हूं। मुझे खुशी है कि हैदराबाद रनर्स सक्रिय जीवन शैली का नेतृत्व करने और दौड़ने को पसंदीदा फिटनेस गतिविधि बनाने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

एनएमडीसी के सीएमडी सुमित देब ने कहा, हम हैदराबाद मैराथन के साथ साझेदारी करके खुश हैं। एनएमडीसी भारत सरकार के फिट इंडिया इंडिया मूवमेंट का सहायक है। हम हमेशा खेल आयोजनों का समर्थन करने और अपने देश के लोगों में स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए आगे आते रहे हैं। हैदराबाद मैराथन के निर्माण और शहर को फिटनेस के लिए प्रेरित करने वाले हैदराबाद रनर्स के साथ साझेदारी करना हमारे लिए सम्मान की बात है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के सीएमओ श्री नारायण टीवी ने कहा, एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन हमारे लिए हैदराबाद के इस अद्भुत और जीवंत शहर में लोगों से जुड़ने का एक अवसर है।

पहली प्रीमियर फुटबाल लीग: ऐतिहासिक शुरुआत 15 जुलाई को

नयी दिल्ली। दिल्ली के फुटबाल प्रेमियों और प्रमुख क्लब अधिकारियों के लिए 15 जुलाई से आयोजित की जा रही प्रीमियर फुटबाल लीग एक नए तरह का अनुभव और रोमांचक साबित होने जा रही है जिसमें 11टॉप टीमें भाग लेंगी। इस ऐतिहासिक लीग का उद्घाटन मैच अम्बेडकर स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें राउंड रोबिन आधार पर कुल 110 मैच खेले जाएंगे। प्रत्येक टीम एक दूसरे से दो बार सामना करेगी। दिल्ली प्रीमियर लीग की कुल इनामी राशि सात लाख है जिसमें विजेता टीम को साढ़े तीन लाख रूपए मिलेंगे। कुछ मुकाबले नेहरू स्टेडियम पर भी खेले जाने हैं।

दिल्ली साकर एसोसिएशन के अध्यक्ष शाजी प्रभाकरन ने सोमवार रात को अम्बेडकर स्टेडियम में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दिल्ली एफसी, हिन्दुस्तान एफसी, रॉयल रेंजर्स, फ्रेंड्स यूनाइटेड, गढ़वाल एफसी, तरुण संघ, रेंजर्स स्पोर्ट्स क्लब, सुदेवा एफसी, उत्तराखंड एफसी, इंडियन एयर फ़ोर्स और वाटिका एफसी पहली लीग का आकर्षण रहेंगी। इस अवसर पर शाजी ने कहा कि वाटिका फुटबाल क्लब को बिडिंग के आधार पर सीधा प्रवेश मिला है। उन्हें उम्मीद है कि वाटिका को शामिल किए जाने से न सिर्फ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी अपितु फुटबाल प्रेमियों को बेहतर खेल देखने को मिलेगा7 क्योंकि पुरस्कार राशि बड़ी है और श्रेष्ठ टीमें भाग ले रही हैं इसलिए फुटबाल की क्वालिटी भी बेहतर होगी।

टीमों की संख्या और लीग के स्तर को देखते हुए एक्सिस बैंक, किंगफिशर, वेक्टर ×, साई, खेलो इंडिया, आईटी कंबाइन, हीरो और ओएसएम ने लीग को प्रायोजित करने का बीड़ा उठाया है।

एसएससीबी और हरियाणा ने जीता चैंपियनशिप खिताब

चेन्नई। सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) और हरियाणा के मुक्केबाजों ने चेन्नई में आयोजित 5वीं युवा पुरुष एवं महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में क्रमश : पुरुष और महिला वर्ग के टीम चैंपियनशिप खिताब जीतकर अपने दबदबे को कायम रखा है।

एसएससीबी के मुक्केबाजों ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 स्वर्ण जीते। एसएससीबी के 11 मुक्केबाज फाइनल में पहुंचे थे। इस टीम ने 81 अंकों के साथ टीम चैंपियनशिप ट्रॉफी को जीता। उसके खाते में 9 स्वर्ण पदकों के अलावा 2 रजत भी शामिल हैं। यह टीम पहले स्थान पर रही।

एसएससीबी के लिए मौजूदा एशियाई युवा चैम्पियन विश्वनाथ सुरेश (48 किग्रा) ने दिन की हरियाणा के विशेष पर 4-1 से जीत के साथ दिन की अच्छी शुरुआत की। इन दोनों मुक्केबाजों के बीच जोरदार भिड़ंत हुई। दोनों ने एक दूसरे पर करीब से कई अच्छे प्रहार किए।

एसएससीबी के लिए अन्य आठ स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में जदुमणि मंडेंगबम (51 किग्रा), आशीष (54 किग्रा), निखिल कुमार (57 किग्रा), हर्ष (60 किग्रा), प्रीत मलिक (63.5 किग्रा), अंकुश पंघाल (67 किग्रा), दीपक (75 किग्रा) और मोहित (86 किग्रा) हैं ।अंजनी कुमार (71 किग्रा) और रायथम (92+ किग्रा) एसएससीबी के दो रजत पदक विजेता रहे।

हरियाणा और मध्य प्रदेश ने पुरुष वर्ग में क्रमश- 44 और 28 अंकों के साथ दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

जसप्रीत बुमराह के बाद रोहित शर्मा ने इंग्लैंड पर बरपाया कहर

भारत ने मेजबानों को 10 विकेट से रौंदा

नई दिल्ली। भारत ने इंग्लैंड को द ओवल में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में 10 विकेट से रौंदकर तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। टीम इंडिया की इस जीत के हीरो जसप्रीत बुमराह रहे जिन्होंने करियर बेस्ट परफॉर्मेंस देते हुए 7.2 ओवर में 19 रन खर्च कर 6 विकेट चटकाए। बुमराह के इस लाजवाब प्रदर्शन के दम पर टीम इंडिया मेजबानों को 110 रनों पर समेटने में कामयाब रही। यह इंग्लैंड का भारत के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सबसे न्यूनतम स्कोर है। 111 रनों के लक्ष्य को रोहित शर्मा और शिखर धवन की जोड़ी ने बिना विकेट गिरे 18.4 ओवर में हासिल कर लिया। रोहित ने इस दौरान 58 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली, वहीं धवन ने 31 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह को उनके लाजवाब प्रदर्शन की वजह से मैन ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया। सीरीज का दूसरा मुकाबला 14 जुलाई को लॉर्ड्स के क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले मैदान पर खेला जाना है।

पिच पर घास को देखते हुए भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया और बुमराह की अगुवाई में भारतीय तेज गेंदबाजों ने इसे सही साबित कर दिखाया। इस दौरान बुमराह इंग्लैंड में किसी वनडे मैच में पांच या अधिक विकेट लेने वाले भारत के पहले तेज गेंदबाज बन गए। भारत के खिलाफ इंग्लैंड का यह न्यूनतम स्कोर भी है। गेंद बढिया स्विंग और सीम ले रही थी जिससे बुमराह और मोहम्मद शमी और खतरनाक नजर आये। शमी ने सात ओवर में 31 रन देकर तीन विकेट लिये।

जैसन रॉय (0) ने बुमराह की बाहर जाती गेंद से छेड़खानी के प्रयास में अपना विकेट गंवाया। दो गेंद बाद फॉर्म में चल रहे जो रूट (0) एक और इनस्विंगर गेंद का इंतजार कर रहे थे लेकिन बुमराह की गेंद आफ स्टम्प के बाहर से उछलती हुई आई और विकेटकीपर ऋषभ पंत ने आसान कैच लपका। दूसरे छोर से शमी ने बेन स्टोक्स को खाता भी नहीं खोलने दिया। पंत ने एक हाथ से उनका दर्शनीय कैच लपका। पंत ने जॉनी बेयरस्टॉ का भी कैच इसी अंदाज में लपका जो सात रन बनाकर बुमराह का तीसरा शिकार हुए।

बुमराह ने जल्दी ही इंग्लैंड का स्कोर पांच विकेट पर 26 रन कर दिया जब लियाम लिविंगस्टान (0) पवेलियन लौटे। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने 32 गेंद में सर्वाधिक 30 रन बनाये लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। शमी ने शॉर्ट गेंद डालकर बटलर को खराब शॉट खेलने पर मजबूर किया जो डीप स्क्वेयर लेग में कैच देकर लौटे।

जो बाइडेन की चिंता के बाद भी ईरान क्यों जा रहे व्लादिमीर पुतिन, क्या है रणनीति

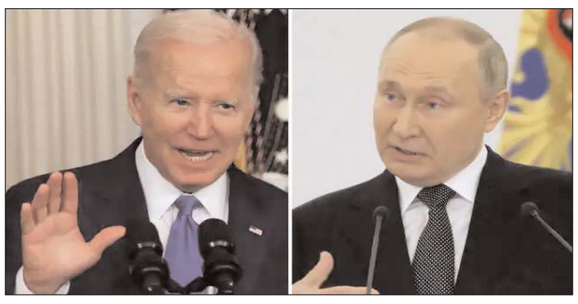

मास्को। यूक्रेन में कई महीनों से जारी जंग के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले सप्ताह ईरान का दौरा करेंगे। क्रेमलिन ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। पुतिन का ईरान दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को चिंतित कर रहा है क्योंकि, अमेरिका ने एक दिन पहले चेतावनी दी थी कि तेहरान (ईरान की राजधानी) मास्को को यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई के लिए ड्रोन की मदद कर सकता है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि अगले मंगलवार को तेहरान की यात्रा के दौरान, पुतिन ईरान और तुर्की के नेताओं के साथ एक त्रिपक्षीय बैठक में भाग लेंगे, जो सीरिया से संबंधित वार्ता का एक प्रारूप है। पुतिन की ईरान यात्रा इस सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की इजराइल और सऊदी अरब की यात्रा के बाद होगी, जहां ईरान का परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्र में घातक गतिविधियां चर्चा का प्रमुख विषय होंगी। पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा कि तेहरान की यात्रा पर पुतिन की तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन के साथ एक अलग बैठक भी होगी।

गौरतलब है कि मार्च में एर्दोगन ने इस्तांबुल, तुर्की में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधियों के बीच मध्यस्थता वार्ता में मदद की थी। पेसकोव ने कहा कि इस तरह की बातचीत के नए दौर के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है।

अमेरिका ने दी थी चेतावनी

गौरतलब है कि व्हाइट हाउस ने सोमवार को एक बयान जारी किया। कहा कि रूस ईरान की ओर रुख कर रहा है ताकि उसे यूक्रेन में इस्तेमाल के लिए हथियार ले जाने में सक्षम ड्रोन उपलब्ध कराए जा सकें। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान ने रूस को पहले से ही कोई वाहन उपलब्ध कराया था या नहीं, लेकिन कहा कि अमेरिका के पास सूचना है जो इंगित करती है कि ईरान इस महीने के रूप में जल्द से जल्द रूसी सेना को उनका उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करने की तैयारी कर रहा है।

ईरान ने क्या कहा

ईरान ने सुलिवन के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ईरान ने लंबे समय से ड्रोन के विकास पर काम किया है, जिसमें तथाकथित लुटेरिंग मूनिशन, 卐कामिकेज़卐 ड्रोन जैसे स्विचब्लेड शामिल हैं जो अमेरिका ने यूक्रेन को दिए हैं। तेहरान में, ईरानी संसद की आर्थिक समिति के प्रमुख मोहम्मदरेज़ पौरेब्राहिमी ने बताया कि पुतिन की यात्रा दो प्रतिबंध-प्रभावित देशों के बीच आर्थिक संबंधों को सुधारने की कोशिश करेगी।

मौसम विभाग की कराची में बाढ़ आने की चेतावनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 14 से 17 जुलाई तक कराची सहित देश के कई हिस्सों को बाढ़ और भारी बारिश का सामना करना पड़ सकता है। पाकिस्तान के मौसम विभाग (पीएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जियो टीवी ने मौसम विभाग के हवाले से बताया कि बंगाल की खाड़ी से मानसून तेजी से देश के ऊपरी और मध्य भागों में दस्तक दे रहा है, जबकि 14 जुलाई (गुरुवार) को मानसून कम दवाब के क्षेत्र से सिंध पहुंचने का अनुमान है। जिसके कारण बलूचिस्तान और दक्षिण पंजाब में भी भारी बारिश हो सकती है। वहीं कराची के विभिन्न हिस्सों में सोमवार शाम से शहर के रुक-रुक कर हो रही भारी बारिश के कारण लोगों को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा, जिससे जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है।

पूर्व खुफिया अधिकारी का दावा, सनकी और किलर हैं सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब के पूर्व इंटेलिजेंस चीफ ने दावा किा है कि क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान एक मनोरोगी हैं।

कुछ दिन पहले ही सीबीएस न्यूज पर प्रसारित हुए इंटरव्यू में उन्होंने यह बात कही थी। सऊदी अरब के खुफिया विभाग में नंबर दो पर रह चुके साद अलजाबरी ने कहा कि मोहम्मद बिन सलमान आने वाले दिनों में अमेरिका और अन्य देशों के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि क्राउन प्रिंस एक किलर हैं।

साद ने दावा किया कि मोहम्मद बिन सलमान के पास खतरनाक लोगों का गैंग है जिसे टाइगर स्क्वॉड कहा जाता है।

इसके जरिए अपहर्ण और हत्याएं करवाई जाती हैं। उन्होंने रविवार को प्रसारित हुए इंटरव्यू में कहा, मैं यहां एक सनकी, हत्यारे के खिलाफ आवाज उठाने आया हूं जो कि मध्य एशिया में एक बड़ी चुनौती बन गया है। वह अमेरिकियों और पूरी दुनिया के लिए खतरा बन सकता है। उन्होंने आगे कहा, वह एक ऐसा मनोरोगी है जिसकी संवेदना किसी से नहीं है। उसकी कोई भावनाएं नहीं हैं। हम उसके अत्याचार और अपराधों के गवाह हैं। बता दें कि अलजाबरी लंबे समय तक मोहम्मद बिन नायेफ के सलाहकार थे। वह जून 2017 तक सऊदी के क्राउन प्रिंस थे और इसके बाद मोहम्मद बिन सलमान क्राउन प्रिंस बने थे।

अलजाबरी खुद की जान पर खतरा महसूस कते थे इसलिए वह कनाडा चले गए थे। अलजाबरी ने वॉशिंगटन डीसी कोर्ट में कहा था कि मोहम्मद बिन सलमान ने उन्हें मारने के लिए टोरंटो को एक स्क्वॉड भेजा था। इसके दो हफ्ते पहले ही सऊदी पत्रकार जमला खशोगी की इंस्तांबुल में हत्या हो गई थी।

उन्होंने कहा कि हो सकता है मुझे किसी दिन मार दिया जाए क्योंकि मेरे पास शाही परिवार और सरकार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां हैं। जब तक वो मुझे मरा हुआ नहीं देखेगा, उसे चैन नहीं मिलेगा।

दो गुटों के बीच फायरिंग में दो मरे, चार घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के मुजफ्फराबाद जिले में मंगलवार को दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गयी और अन्य चार घायल हो गये। स्थानीय सूत्रों से मिली रिपोर्ट के अनुसार दो विरोधी गुटों में तकरार के बाद गोलियां चलायी गयीं। एक गुट ने आरोप लगाया कि दूसरा गुट पुलिस के लिए उनकी जासूसी करता है जिससे उनके परिवार के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। घायलों को निकट के अस्पताल ले जाया गया, जहां दो जख्मी लोगों की हालत गंभीर है। गोलीबारी की घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गयी और दोनों गुटों के आरोपियों की तलाश के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट से राजपक्षे को भागने से रोकने का आग्रह

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और पूर्व मंत्री बासिल राजपक्षे को सर्वोच्च अदालत की अनुमति के बिना देश छोड़ने से रोकने के लिए अंतरिम आदेश देने के लिए एक प्रस्ताव दायर किया गया है। डेली मिरर की रिपोर्ट के अनुसार प्रस्ताव में सेंट्रल बैंक के पूर्व गवर्नरों अजित निवार्ड कैबराल और डब्ल्यू डी लक्ष्मण तथा वित्त मंत्रालय के पूर्व सचिव एस आर एटिगॉल के नाम भी शामिल हैं। यह प्रस्ताव श्रीलंका के तैराक और कोच जूलियन बोलिंग और सिलोन चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष चंद्र जयरत्ने की ओर से दायर किया गया। याचिकाकर्ता श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन और वित्तीय अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

अमेरिका जेसीपीओए को पुनर्जीवित करना चाहता है

वाशिंगटन। अमेरिका का बाइडेन प्रशासन संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) को पुनर्जीवित करना चाहता है और इसको वह तेहरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए सफल प्रयास के रूप में देखता है। शस्त्र नियंत्रण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा राज्य के अवर सचिव बोनी जेनकिंस ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि बाइडेन प्रशासन जेसीपीओए के क्रियान्वयन पर पूरी तरह से लौटने की मांग कर रहा है और हम इस प्रयास पर काम करना जारी रखे हुए है और इसे ईरान को परमाणु हथियार से रोकने को सफल उपलब्धि के रूप में देख रहे हैं। श्री जेनकिंस इस समय रूस, ईरान और चीन सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नाटो और यूरोपीय संघ के समकक्षों के साथ बैठक के लिए ब्रसेल्स में हैं। जेसीपीओए को 2015 में चीन, फ्रांस, जर्मनी, ईरान, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका के साथ-साथ यूरोपीय संघ द्वारा इसे बंद कर दिया गया था और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाने के बदले ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगा दिया था।

गोटबाया राजपक्षे ने किए त्यागपत्र पर हस्ताक्षर

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने अपने त्यागपत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और संसद के अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धना बुधवार को सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा करेंगे। डेली मिरर ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि श्री राजपक्षे ने इस्तीफे पर हस्ताक्षर कर दिए और इस्तीफे को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी को सौंप दिया गया, जो इसे संसद के अध्यक्ष अभयवर्धना को सौंपेंगे। उल्लेखनीय है कि सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन पर धावा बोल दिया था। इस घटना से कुछ समय पहले श्री राजपक्षे राष्ट्रपति भवन को छोड़कर निकल गए थे।

द. कोरिया में कोरोना के 37360 नए मामले दर्ज

सोल। दक्षिण कोरिया में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 37360 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,85,61,861 हो गयी है। स्वास्थ्य अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कोरिया रोग नियंत्रण और निवारण एजेंसी के अनुसार, पिछले दिन में दैनिक मामलों में 12693 तक की वृद्धि हुई थी और एक सप्ताह पहले कोरोना मामलों में 18136 उछाल आया था। एजेंसी के मुताबिक, पिछले एक हफ्ते में दैनिक मामलों की कुल संख्या 21,136 थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

एग्जाम में बच्चे के नहीं आए हैं अच्छे मार्क्स तो पेरेंट्स ऐसे करें गाइड

कई बार बच्चे को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता है। इससे उसका मनोबल काफी गिर जाता है, जिससे वह पूरी तरह टूट सकता है। वहीं, दोस्तों, पड़ोसियों या रिश्तेदारों के बार-बार फोन करने से वह और भी परेशान हो सकता है। इसलिए इस समय माता-पिता को काफी संवेदनशील बनना होगा।

बोर्ड परीक्षा का नाम सुनते ही बच्चों के साथ-साथ उनके पेरेंट्स को भी टेंशन होने लगती हैं। बोर्ड परीक्षा के मार्क्स के आधार पर ही तय होता है कि बच्चा आगे किस विषय की पढ़ाई कर सकता है। स्वाभाविक रूप से, इससे बच्चों और पेरेंट्स पर अतिरिक्त तनाव पैदा होता है। वैसे तो हर छात्र बोर्ड्स में अच्छे मार्क्स लाने की पूरी कोशिश करता हैं। लेकिन जीवन हमेशा हमारी योजना के अनुसार नहीं चलता। कई बार बच्चे को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता है। इससे उसका मनोबल काफी गिर जाता है, जिससे वह पूरी तरह टूट सकता है। वहीं, दोस्तों, पड़ोसियों या रिश्तेदारों के बार-बार फोन करने से वह और भी परेशान हो सकता है। इसलिए इस समय माता-पिता को काफी संवेदनशील बनना होगा। बतौर पेरेंट्स, इस समय आपका पहला कर्तव्य बच्चे के साथ रहना है, भले ही उसके परिणाम से आपको निराशा ही क्यों न हुई हो। आइए जानते हैं कि कम मार्क्स आने पर आप कैसे अपने बच्चे को गाइड कर सकते हैं -

- सबसे पहले खुद को समझाएं कि बोर्ड परीक्षा जीवन का अंत नहीं है। यदि आप अपने बच्चे के सामने अपनी निराशा व्यक्त करते रहेंगे तो वह और भी अधिक दोषी महसूस करेगा।
- इस समय रिश्तेदार-पड़ोसी या दोस्तों के फोन आना स्वाभाविक है। लेकिन जितना हो सके इनसे बचें। क्योंकि इससे आपका बच्चा परेशान हो सकता है। इसके अलावा, फोन पर सामान्य रूप से बात करें। फोन पर 'नहीं, यह इतना अच्छा नहीं कर पाया।' जैसी टिप्पणी न करें। इससे आपके बच्चे की भावनाएं आहत होंगी।
- बच्चे के सामने बार-बार चर्चा न करें कि किसका कितना अच्छा परिणाम आया और किसने कितने अंक प्राप्त किए। अपने बच्चे को यह पूछकर शर्मिंदा न करें कि उसके दोस्तों का रिजल्ट कैसा रहा।
- घर का माहौल सामान्य रखें। एक परीक्षा में खराब परिणाम का मतलब यह नहीं है कि पूरा परिवार एक साथ शोक मनाता रहे।
- सबकी योग्यताएं या प्रतिभाएं समान नहीं होती हैं। अगर आपका बच्चा पढ़ाई में सामान्य है तो उससे टॉप करने या किसी चमत्कार की उम्मीद न करें।
- अपने बच्चे को समझाएं कि बोर्ड परीक्षा के मार्क्स ही उसकी एकमात्र पहचान नहीं है। वह किस तरह का व्यक्ति है, यही असली बात है। परीक्षा में आए अंकों से उसके प्रति आपका रवैया नहीं बदलेगा।
- इस समय बच्चे को ज्यादा अकेला न रहने दें। अपने बच्चे के साथ बैठें और उसके साथ बातचीत और मौज-मस्ती करें। फिर उससे धीरे-धीरे उसकी भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करें।
- कई ऐसे लोग हैं जिन्हें परीक्षा में अच्छे परिणाम नहीं मिलते हैं। लेकिन उसके बाद भी उन्हें अपने मनपसंद विषय में पढ़ने का मौका मिला और उन्होंने जीवन में अच्छे परिणाम भी हासिल किए। अपने बच्चे को ऐसे लोगों का उदाहरण दें।
- बच्चे को समझाएं कि स्कूल की परीक्षा ही जीवन का अंत नहीं है। उसके बाद जीवन में और भी कई परीक्षाएं होंगी। ऐसे कई लोग हैं जो परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन ना कर पाने के बाद भी जीवन में सफल हुए हैं।
- यदि आपका बच्चा बुरे परिणामों को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं कर सकता है तो आपको उसे परामर्श के लिए मनोवैज्ञानिक के पास ले जाना चाहिए। पेशेवर मदद लेने में कोई शर्म नहीं है।

बायोकेमिस्ट्री में बनाएं अपना कॅरियर

आवश्यक कौशल, स्कोप और वेतन

बायोकेमिस्ट कोशिकाओं और अंगों के भीतर और उनके बीच संचार, मस्तिष्क के कार्य के तंत्र और वंशानुक्रम और रोग के रासायनिक आधारों में अपनी रुचि दिखाते हैं। जैव रसायन चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा और कृषि में व्यावहारिक प्रगति का आधार प्रदान करता है।

जैव रसायन क्या है ?

जैव रसायन मूल रूप से कोशिकीय और आणविक स्तर पर जैविक प्रक्रियाओं के अध्ययन के लिए रसायन विज्ञान के सिद्धांतों का अनुप्रयोग है। जैव रसायन जीवित जीवों के रसायन विज्ञान और जीवित कोशिकाओं में होने वाले परिवर्तनों के आणविक आधार को देखता है और इस प्रकार यह जीवन विज्ञान और रासायनिक विज्ञान दोनों है। जैव रसायन हमारे शरीर को बनाने वाले घटकों को तोड़ने, चलाने, बनाने और मरम्मत करने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं को सीखने के बारे में है। जैव रसायन बुनियादी विज्ञानों में सबसे व्यापक होने के कारण इसमें कई उप-विशिष्टताएं शामिल हैं जैसे कि जैव-रासायनिक विज्ञान, भौतिक जैव रसायन, तंत्रिका रसायन, क्लीनिकल जैव रसायन, आणविक आनुवंशिकी, जैव रासायनिक औषध विज्ञान और प्रतिरक्षा रसायन। बायोकेमिस्ट कोशिकाओं और अंगों के भीतर और उनके बीच संचार, मस्तिष्क के कार्य के तंत्र और वंशानुक्रम और रोग के रासायनिक आधारों में अपनी रुचि दिखाते हैं। जैव रसायन चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा और कृषि में व्यावहारिक प्रगति का आधार प्रदान करता है। एक बायोकेमिस्ट यह निर्धारित करना चाहता है कि ऐसी प्रक्रियाओं में प्रोटीन, न्यूक्लिक एसिड, लिपिड, विटामिन और हार्मोन जैसे विशिष्ट अणु कैसे कार्य करते हैं।

जैव रसायनज्ञों के लिए आवश्यक योग्यता

- एक प्रतिष्ठित संस्थान से बायोकैमिस्ट्री में स्नातक- बीएससी बायोकैमिस्ट्री।
- स्नातकोत्तर- यदि आप इस क्षेत्र में अपना करियर आगे बढ़ाना चाहते हैं तो स्नातक होने के बाद एमएससी बायोकैमिस्ट्री जरूरी है।
- कुछ संस्थान बायोकेमिस्ट्री इंटीग्रेटेड कोर्स ऑफर करते हैं जो एक अच्छा विकल्प भी हो सकता है।
- एमएससी बायोकैमिस्ट्री स्नातकोत्तर, जो अनुसंधान में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें नेट / गेट परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए, क्योंकि अधिकांश सरकारी और निजी संस्थान इसे नौकरी चयन के लिए एक आवश्यक मानदंड के रूप में रखते हैं।
- जैव रसायन अनुसंधान क्षेत्र में एक समृद्ध कॅरियर के लिए पीएचडी डिग्री होना जरूरी है।
- कुछ विश्वविद्यालय चार साल का स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जिसमें पहले से ही एक अनुसंधान प्लेसमेंट वर्ष शामिल होता है, जो आमतौर पर फार्मास्युटिकल या बायोटेक्निकल उद्योग या एक शोध संस्थान में किया जाता है।

बायोकैमिस्ट्री डिग्री से संबंधित नौकरियों में शामिल हैं :

- रिसर्च फैलो
- एनालिटिकल केमिस्ट
- जैव चिकित्सा वैज्ञानिक
- फार्मा एसोसिएट
- क्यूए / एसी एसोसिएट
- हेल्थकेयर वैज्ञानिक
- क्लीनिकल जैव रसायन
- खाद्य सुरक्षा विश्लेषक
- नैदानिक अनुसंधान सहयोगी
- फोरेंसिक वैज्ञानिक
- अनुसंधान वैज्ञानिक
- विष विज्ञानी
- व्याख्याता / प्रोफेसर

बायोकैमिस्ट्री में कॅरियर के अवसर लगभग असीमित हो सकते हैं :

सरकारी एजेंसियां, निजी शोध संस्थान, अस्पताल, सामाजिक और गैर-लाभकारी संगठन सभी को एक अच्छे बायोकेमिस्ट की तलाश रहती है। उनका एक सामान्य लक्ष्य है अनुसंधान करना, प्रयोग करना, परीक्षण करना और एड्स और कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज का पता लगाना और यहां तक कि मानसिक विकारों के लिए भी।

आवश्यक स्किल्स

- आवश्यक डिग्री का स्तर स्थिति के आधार पर भिन्न होता है। कई सेटिंग्स के लिए बायोकैमिस्ट्री में स्नातक की डिग्री पर्याप्त है, जबकि उन्नत शोध कार्य के लिए डॉक्टरेट की डिग्री अनिवार्य होती है।
- बायोकैमिस्ट्री या संबंधित क्षेत्र में स्नातक डिग्री प्रोग्राम में छात्र आमतौर पर गणित, भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान के पाठ्यक्रमों के अलावा, जैविक और रासायनिक विज्ञान में पाठ्यक्रम लेते हैं।
- बायोकैमिस्ट के लिए गणित और कंप्यूटर विज्ञान के पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उन्हें जटिल डेटा विश्लेषण करने में सक्षम होना चाहिए।
- स्नातक होने के बाद कुछ कार्य अनुभव प्राप्त करके अवसरों में सुधार किया जा सकता है जैसे कि किसी कंपनी या शोध प्रयोगशाला में इंटर्नशिप।
- इच्छुक जैव रसायनज्ञों के लिए प्रयोगशाला अनुभव आवश्यक है ; उन्नत शोध पदों के लिए पोस्टडॉक्टरल शोध कार्य की आवश्यकता हो सकती है।
- चिकित्सा, वैज्ञानिक, क्वेरी और स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर का ज्ञान मौलिक है।
- विभिन्न प्रकार के उपकरण जैसे गैस क्रोमैटोग्राफ और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप का उपयोग सूक्ष्म जीवविज्ञानी द्वारा उचित रूप से किया जाना चाहिए।
- बायोकैमिस्ट्री व्यावसायिक रूप से एक मूल्यवान डिग्री है और यह महत्वपूर्ण उद्योगों की एक श्रृंखला में अच्छी तरह से भुगतान करने वाली नौकरियों के लिए काफी उपयोगी होती है। जैव रसायन के भीतर कार्य क्षेत्र विशाल है।

बायोकेमिस्ट्री फ्रेशर्स के लिए औसत वेतन इस प्रकार हैं:

- अनुसंधान संस्थानों में एंट्री लेवल का वेतन (नेट / गेट के बिना) : रुपये 15,000 - 20,000 / - प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में प्रवेश स्तर का वेतन (नेट / गेट के साथ) रुपये 20,000 - 30,000 / - प्रति माह
- बायोफार्मा कंपनियों में प्रवेश स्तर का वेतन रु.18,000/- से रु. 25,000/- प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में अनुभवी के लिए औसत वेतन (नेट / गेट के बिना) : रुपये 25,00/ - से 40,000/ - रुपये प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में अनुभवी के लिए औसत वेतन (नेट / गेट के साथ) : रुपये 30,000/- से रुपये 60,000 /- प्रति माह
- बायोफार्मा कंपनियों में अनुभवी के लिए औसत वेतन 30,000/- से 80,000/- रुपये प्रति माह
- अनुभव के साथ आपका वेतन सामान्य रूप से बढ़ता ही जाता है। पीएचडी की डिग्री और एक अच्छे कौशल के साथ आप बायोकैमिस्ट्री में एक सफल करियर बना सकते हैं।

जर्मनी में करें पढ़ाई और स्कॉलरशिप भी पाएं

जर्मनी टेक्नोलॉजी में काफी आगे है और यहां का एजुकेशन सिस्टम भी कई देशों की तुलना में काफी बेहतर माना जाता है। ऐसे में तमाम भारतीय छात्र जर्मनी की ओर पढ़ाई का रूख करते ही हैं। वास्तव में उन्हें काफी सहूलियत भी मिलती है। चूंकि एजुकेशन डेस्टिनेशन के रूप में हाल-फिलहाल जर्मनी काफी पॉपुलर हो रहा है, और वहां क्वालिटी एजुकेशन भी बड़े पैमाने पर मिल रही है, इसलिए स्वाभाविक है कि वहां भारतीय छात्रों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक प्रत्येक वर्ष 7 फीसदी से अधिक भारतीय छात्र वहां पढ़ने जा रहे हैं। आप कह सकते हैं कि जर्मनी में ऐसी क्या चीज है, जिसके कारण छात्र आकर्षित हो रहे हैं, तो इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां उचित शिक्षा की फीस बहुत कम है और न केवल शिक्षा की, बल्कि शिक्षा के बाद काम करने के लिए परमिट भी वहां आसानी से मिल जाता है। खास बात यह है कि अगर आप जर्मनी में शिक्षा लेना चाहते हैं, तो आप बेहतरीन स्कॉलरशिप भी पा सकते हैं। कुछ स्कॉलरशिप प्रोग्राम्स के बारे में.

एचडब्ल्यूके फैलोशिप

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है और यह एक प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप मानी जाती है। अगर आप एक काबिल वैज्ञानिक हैं, तो फेलोशिप प्रोजेक्ट के बेसिस पर जर्मनी में स्टडी के लिए रेग्युलर फैलोशिप और जूनियर फैलोशिप 3 और 10 महीने के लिए प्रदान की जाती है। जाहिर तौर पर यह एक आकर्षक फैलोशिप है, जो ब्राइट स्टूडेंट्स के लिए काफी मददगार साबित होती है। यूं भी विज्ञान के प्रयोगों में काफी धन की आवश्यकता होती है और इसीलिए इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम को काफी हाईलाइट किया जाता है।

मैनहीम यूनिवर्सिटी डॉचलैंड स्कॉलरशिप

इस स्कॉलरशिप का नाम तो आपने सुना ही होगा। अगर आप बेहतरीन मेरिट पाते हैं, तो ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए आप इस स्कॉलरशिप हेतु आवेदन कर सकते हैं। रू. 24000 प्रत्येक महीने आपको स्कॉलरशिप के तौर पर दिए जाते हैं जो कि एक काफी आकर्षक स्कॉलरशिप मानी जा सकती है। विदेशों में अगर आपको इतनी रकम पढ़ाई के लिए मिलती है, वह भी प्रत्येक महीने तो वह आपकी शिक्षा में निश्चित तौर पर मददगार साबित होगी।

जीएसएलएस फेलोशिप, विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी

स्कॉलरशिप पीएचडी की पढ़ाई करने वालों के लिए है चाहे इस्ट्रीम जो भी हो अगर आप मास्टर डिग्री ले चुके हैं इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं तकरीबन 6 महीने तक रू.63000 तक आपको मिल सकते हैं रू. 32000 प्रत्येक महीने चुने हुए हैं स्कॉलर के बच्चों के लिए खर्च दिए जाते हैं तो जाहिर तौर पर आप को लाभ पहुंचा सकता है

जीएसएलएस फैलोशिप

विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, 3 सालों के लिए पीएचडी फेलोज को यह स्कालरशिप देती है। खास बात यह है कि इसमें आपको लाइफ साइंस के किसी भी सब्जेक्ट में डिग्री लेनी होती है। इस फेलोशिप में प्रत्येक वर्ष 4 लाख रिसर्च से सम्बंधित खर्च, यात्रा आदि पर खर्च किए जाते हैं।

साइंस और इंजीनियरिंग में डीएएडी इंटर्नशिप

इंटर्नशिप में करंट में चल रहे रिसर्च और भिन्न परियोजनाओं के हिस्से के तौर पर डॉक्टोरल स्टूडेंट्स, प्रोफेसर या साइंटिस्ट के साथ काम करने का मौका इसमें मिलता है। गणित, विज्ञान या फिर इंजीनियरिंग के स्टूडेंट अंतिम वर्ष में या उससे पहले भी इंटरव्यू के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें ट्रैवल एलाउंस के लिए आपको प्रत्येक महीने 50 हजार रू. तक मिल जाते हैं, जो कि पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट के लिए सफिशिएंट माने जा सकते हैं।

आइंस्टाइन फैलोशिप जर्मनी

आइंस्टाइन फोरम टाइमर एंड डैमर ऐंड बेंज फाउंडेशन भारत के ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस अथवा नेचुरल साइंसेज के छात्रों को यह फेलोशिप प्रोवाइड करता है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइन्स्टीन के नाम पर शुरू की गयी इस फेलोशिप का मतलब बेहतर प्रतिभाओं को सामने लाना है।

बोहरिंगर इंगेलहिम फोंड्स पीएचडी फेलोशिप

भारत के बेहद जूनियर साइंटिस्ट इस स्कॉलरशिप का फायदा उठा सकते हैं। वे जर्मनी के हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट में पीएचडी कर सकते हैं। दाखिला लेने के बाद, स्कॉलरशिप के तहत साइंटिफिक रिसर्च और लाइव फील्ड एक्सपेरिमेंट के लिए इसमें फंड प्रोवाइड किया जा सकता है। आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि मासिक भत्ते के रूप में तकरीबन 12 लाख रुपया दिया जाता है तो रू. 12000 रिसर्च एंड डेवलपमेंट भत्ता के तौर पर। इसके अलावा भी दूसरे भत्ते इसमें शामिल हैं।